पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

ज्योतिष मठ संस्थान

गौतम पंचांग

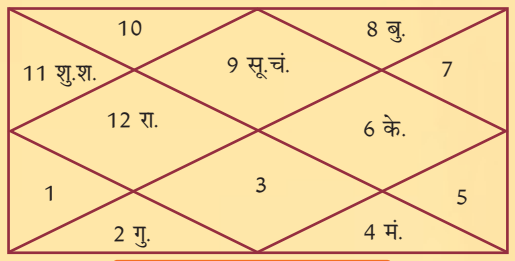

सूर्य दक्षिणायण
ता. 15 से उत्तरायण

हेमंत ऋतु
16 से शिशिर ऋतु

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 जनवरी की

भाव	ग्रह
10	
8	बु.
11	शु.श.
9	सू.चं.
7	
12	रा.
6	के.
1	
3	
5	
2	गु.
4	मं.

ग्रह परिवर्तन स्थिति

सूर्य- धनु में, ता. 14 को 3।15 दिन से मकर में। **मंगल-** कर्क में वक्री, ता. 23 को 11।12 प्रातः से मिथुन में। **बुध-** वृश्चिक में, ता. 5 को 6।0 शाम से धनु में। ता. 23 को 12।48 रात से मकर में। **वक्री गुरु-** वृष में, ता. 28 को 2।10 से मार्गी **शुक्र-** कुंभ में, ता. 29 को 8।10 रात से मीन में। **शनि-** कुंभ में, **राहू-** मीन में, **केतु-** कन्या राशि में भ्रमणरत रहेंगे।

मूल ता. 6 को 7।28 रात से ता. 8 को 4।10 दिन तक, ता. 15 को 10।49 दिन से ता. 17 को 1।4 दिन तक, ता. 24 को 5।10 रात से ता. 27 को 7।51 प्रातः तक।

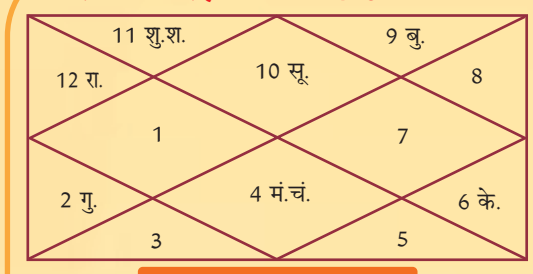

गुरु शुक्र तारा उदय

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 15 जनवरी की

भाव	ग्रह
11	शु.श.
9	बु.
12	रा.
10	सू.
8	
1	
7	
2	गु.
4	मं.चं.
6	के.
3	
5	

चंद्र परिवर्तन स्थिति

ता. 1 को 6।50 बजे प्रातः से मकर का। ता. 3 को 12।1 बजे दिन से कुंभ का। ता. 5 को 3।25 बजे दिन से मीन का। ता. 7 को 5।49 बजे सायं से मेष का। ता. 9 को 8।14 बजे रात से वृष का। ता. 11 को 11।30 बजे रात से मिथुन का। ता. 13 को 4।26 बजे रात से कर्क का। ता. 16 को 11।41 बजे दिन से सिंह का। ता. 18 को 9।27 बजे रात से कन्या का। ता. 21 को 8।54 बजे प्रातः से तुला का। ता. 23 को 8।34 बजे रात से वृश्चिक का। ता. 26 को 6।44 बजे प्रातः से धनु का। ता. 28 को 2।32 बजे दिन से मकर का। ता. 30 को 7।56 बजे रात से कुंभ राशि का चंद्रमा रहेगा।

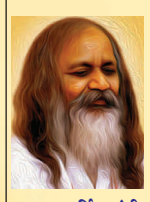

शालिवाहन संवत 1946
शंकराचार्य संवत् 2531
श्री महर्षि संवत 106-7

जनवरी 2025

संवत् 2081
पौष-माघ मास

दिन					
SUNDAY रवि	भद्रा (नीचे देखें)	अन्नरूपा षष्ठी **5** पूर्वा भाद्रपद 9।1 रात गुरु गोविंद सिंह जयंती पौष शुक्ल 6	सौम्य योग **12** मृगशिर 11।13 दिन पौष शुक्ल 14	मित्र योग **19** उत्तरा फा. 5।6 सांय माघ कृष्ण 5	तिल द्वादशी **26** ज्येष्ठा 6।44 प्रातः गणतंत्र दिवस माघ कृष्ण 12
MONDAY सोम		उभय सप्तमी **6** उत्तर भाद्रपद 7।28 रात पौष शुक्ल 7	पूर्णिमा, शाकंभरी ज. **13** आर्द्रा 10।31 दिन ऐंद्र योग पौष शुक्ल 15	वज्र योग **20** हस्त 7।34 रात रवि सायन कुंभे माघ कृष्ण 6	सोम प्रदोष व्रतं **27** मूल 7।51 प्रातः मास शिवरात्रि माघ कृष्ण 13
TUESDAY मंगल		महाभद्राष्टमी **7** रेवती 5।49 सांय पंचक समाप्त पौष शुक्ल 8	मातंग्य योग **14** पुनर्वसु 10।26 दिन मकर संक्रांति अर्की माघ कृष्ण 1	धृति योग **21** चित्रा 10।11 रात श्री रामानन्दाचार्य जयंती माघ कृष्ण 7	वज्र योग **28** पूर्वाषाढ़ 8।28 दिन माघ कृष्ण 14
WEDNESDAY बुध	चन्द्रदर्शन **1** उत्तराषाढ़ 12।44 रात ई. 2025 प्रारंभ पौष शुक्ल 2	प्रयागराज कुंभ मेला प्रा. **8** अश्विनी 4।10 दिन सिद्ध योग पौष शुक्ल 9	मकर संक्रांति स्नान **15** पुष्य 10।49 दिन खर मास समाप्त माघ कृष्ण 2	बुधाष्टमी **22** स्वाती 12।45 रात शूल योग माघ कृष्ण 8	मौनी अमावस्या **29** उत्तराषाढ़ 8।35 दिन कलियुगादि तिथि माघ कृष्ण 30
THURSDAY गुरु	ध्वज योग **2** श्रवण 12।19 रात पौष शुक्ल 3	साम्व दशमी **9** भरणी 2।35 दिन यमघंट योग पौष शुक्ल 10	अमृत योग **16** श्लेषा 11।41 दिन माघ कृष्ण 3	गण्ड योग **23** विशाखा 3।7 रात नेताजी सुभाष चं.बो. जयंती माघ कृष्ण 9	गुप्त नवरात्रारंभ **30** श्रवण 8।15 दिन वल्लभाचार्य जयंती माघ शुक्ल 1
FRIDAY शुक्र	वैनायकी चतुर्थी व्रतं **3** धनिष्ठा 11।32 रात वज्र योग पौष शुक्ल 4	पुत्रदा एकादशी व्रतं **10** कृतिका 1।9 दिन मन्वादि तिथि पौष शुक्ल 11	संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रतं **17** मघा 1।4 दिन सौभाग्य योग माघ कृष्ण 4	वृद्धि योग **24** अनुराधा 5।11 रात माघ कृष्ण 10	वरीयान योग **31** धनिष्ठा 7।32 प्रातः पंचक माघ शुक्ल 2
SATURDAY शनि	सिद्धि योग **4** शतभिषा 10।24 रात पंचक पौष शुक्ल 5	शनि प्रदोष व्रतं **11** रोहिणी 11।57 दिन पौष शुक्ल 12,13	शोभन योग **18** पूर्वा फा. 2।53 दिन माघ कृष्ण 5	षट्तिला एकादशी व्रतं **25** ज्येष्ठा दिनरात ध्रुव योग माघ कृष्ण 11	पंचक (नीचे देखें)

भद्रा

ता. 3 को 1।12 बजे दिन से 12।22 बजे रात्रि ता. 6 को 6।16 बजे सायं से 5।12 बजे रात्रि। ता. 9 को 10।18 बजे रात्रि से रात्रि अंत। ता. 10 को सूर्योदय से 9।10 बजे दिन ता. 12 को 4।22 बजे रात्रि से रात्रि अंत। ता. 13 को सूर्योदय से 3।59 बजे दिन ता. 16 को 3।42 बजे दिन से 4।0 बजे रात्रि ता. 20 को 8।41 बजे दिन से 9।49 बजे रात्रि ता. 23 को 4।0 बजे रात्रि से रात्रि अंत। ता. 24 को सूर्योदय से 4।44 बजे दिन ता. 27 को 7।11 बजे रात्रि से रात्रि अंत। ता. 28 को सूर्योदय से 7।16 बजे प्रातः ।

पंचक

ता. 3 को 12।1 बजे दिन से ता. 7 को 5।49 बजे सायं तक। ता. 30 को 7।56 बजे रात से पंचक प्रारम्भ।

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	2	2।54	रात	पौष शुक्लपक्ष
2	3	1।46	रात	
3	4	12।22	रात	
4	5	10।34	रात	
5	6	8।30	रात	
6	7	6।16	सायं	
7	8	3।57	दिन	
8	9	1।36	दिन	
9	10	11।19	दिन	
10	11	9।10	दिन	
11	12 13	7।14	प्रात:	
12	14	4।22	रात	
13	15	3।32	रात	
14	1	3।11	रात	माघ कृष्णपक्ष
15	2	3।20	रात	
16	3	4।0	रात	
17	4	5।9	रात	
18	5	दिन	रात	
19	5	6।40	प्रात:	
20	6	8।41	प्रात:	
21	7	10।49	दिन	
22	8	1।0	दिन	
23	9	3।1	दिन	
24	10	4।44	सायं	
25	11	6।2	सायं	
26	12	6।52	सायं	
27	13	7।11	सायं	
28	14	6।59	सायं	
29	30	6।17	सायं	
30	1	5।10	सायं	माघ शुक्लपक्ष
31	2	3।39	दिन	

वर्षभर की मंगल कामना के साथ यह पंचांग अपने मित्रों व संबंधियों को भेंट करें।

-ज्योतिषाचार्य गुरुदेव पंडित **अयोध्या प्रसाद गौतम**

ता.12 महर्षि जयंती
वेदों एवं ध्यानकर्म के पुनरोद्धारक महर्षि श्री महेश योगीजी का जन्म दिवस उनके अनुयायी वेदपाठी ब्राह्मण, कर्मकांडी बड़ी श्रद्धा के साथ मनाते हैं। आपके भावातीत ध्यान एवं सिद्धांतों से प्रेरित होकर देश ही नहीं बल्कि अनेक देशों के साधक लाभांवित हो रहे हैं।

शिव वास अग्नि वास
ता. 1, 5, 11, 14, 18, 22, 29

मुहूर्त

विवाह- ता. 16-22, 24, 26, 27
नामकरण- ता. 2, 6 **कर्णभेद -** ता. 31
मुंडन ता. 31 **अक्षरारंभ-** ता. 15, 16, 31
अन्नप्राशन- ता. 2, 6, 31
गृह प्रवेश- ता. 24 **सीमांत पुंसवन-** ता. 2
नवीन वस्त्र- ता. 8, 10, 18, 23, 30,31
व्यापार आरंभ- ता. 6, 8, 10, 24
वाहन क्रय- ता. 2, 8, 24, 31
शल्यक्रिया- ता. 2, 18
वाटिका रोपण- ता. 10, 23
औषधि सेवन- ता. 2, 8, 24, 30
यात्रा- ता. 2, 8, 23, 24, 30
उपनयन- ता. 15, 16 **देव प्रतिष्ठा-** ता. 31
वस्तु विक्रय-ता. 5, 8, 9, 15,16, 17 23
वस्तु क्रय - ता. 8, 18
शिल्प विद्या - ता. 2, 3, 8
गर्भाधान - ता. 2, 10, 24, 30
रोग मुक्ति स्नान - ता 8, 12, 23
प्रसूति स्नान- ता. 5, 8
फसल काटना - ता. 2, 5, 6, 8, 9, 10, 15, 16 **शस्त्र निर्माण-** ता. 5, 17
पशु क्रय-विक्रय- ता. 8, 9, 10, 23, 31

मुहूर्तों को उपयोग में लाने से पहले समय शोधन अवश्य करें।
-डॉ. प्रकाश गौतम

राशिफल

मेष - चिंता निवारण, जायजाद वृद्धि।
वृष- शरीर कष्ट, तनाव, स्थानांतरण।
मिथुन - स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।
कर्क - धन लाभ, शुभ समाचार, मतभेद।
सिंह - यात्रा, शुभ प्रसंग, परेशानी, कष्ट।
कन्या - व्यर्थ विवाद, सफलता, धन लाभ।
तुला - प्रतिष्ठा में वृद्धि, भूमि लाभ, यात्रा।
वृश्चिक - व्यर्थ की चिंता, सहयोग मिलेगा।
धनु - प्रापर्टी से लाभ, रोग, पुत्र सुख।
मकर- मेहमान आगमन, मतभेद बढ़ेगा।
कुम्भ- श्रम अधिक, लाभ, बेवजह तनाव।
मीन- भूमि लाभ, पुत्र सुख, यात्रा कष्ट।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 5 श्री गुरु गोविंद सिंह जयंती
ता. 10 विश्व हिन्दी दिवस
ता. 12 महर्षि श्री महेश योगी जयंती, स्वामी श्री विवेकानंद जयंती
ता. 21 श्री रामानन्दाचार्य जयंती
ता. 23 नेताजी सुभाषचंद्र बोस जयंती
ता. 26 गणतंत्र दिवस
ता. 30 महात्मा गांधी पुण्यतिथि, वल्लभाचार्य जयंती

शुभ योग

सर्वार्थसिद्धि योग-ता. 5 को 9।1 बजे रात्रि से रातअंत तक। ता. 7 को 5।49 शाम से रात्रि अंत तक। ता 19 को सूर्योदय से 5।6 बजे सायं तक। ता 23 को 3।7 बजे रात से रातअंत तक। ता 24 को सूर्योदय से 5।10 बजे रातअंत तक। ता 26 को 6।44 बजे प्रातः से रातअंत तक।

अमृतसिद्धि योग- ता 7 को 5।49 बजे सायं से रातअंत तक। ता 11 को सूर्योदय से 11।57 बजे दिन तक। ता 19 को 5।6 बजे सायं से रातअंत तक।

रवियोग- ता 2 को रात्रि 12।19 बजे से रात्रिअंत ता 3 को सूर्योदय से रात्रि 11।32 बजे तक। ता 4 को रात्रि 10।24 बजे से रात्रिअंत ता 5 को सूर्योदय से रात्रि 9।1 बजे तक। ता 7 को सायं 5।49 बजे से रात्रिअंत ता 8 को सूर्योदय से रात्रिअंत ता 9 को सूर्योदय से दिन 2।35 बजे तक। ता 12 को दिन 11।3 बजे से रात्रिअंत ता 13 को सूर्योदय से दिन 10।31 बजे तक। ता 19 को सायं 5।6 बजे से रात्रिअंत ता 20 को सूर्योदय से रात्रि 7।34 बजे तक। **पुष्य नक्षत्र** - ता. 15 को 10।49 दिन तक।

भोपाल

सूर्योदय ता.	1-6.42	7-6.41	13-6.39	19-6.37	25-6.34	31-6.31
सूर्यास्त ता.	1-5.18	7-5.19	13-5.21	19-5.23	25-5.26	31-5.29

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 1 चन्द्रदर्शन
ता. 3 वैनायकी चतुर्थी व्रतं
ता. 6 उभय सप्तमी
ता. 9 साम्व दशमी
ता. 10 पुत्रदा एकादशी व्रतं
ता. 11 शनि प्रदोष व्रतं
ता. 13 पूर्णिमा, कुंभ मेला प्रा.
ता. 15 मकर संक्रांति पुण्य स्नान
ता. 17 संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 25 षट्तिला एकादशी व्रतं
ता. 26 तिल द्वादशी
ता. 27 सोम प्रदोष व्रतं
ता. 29 मौनी अमावस्या महोदययोग
ता. 30 गुप्त नवरात्रारंभ

जैन व्रत पर्व
ता. 27 मेरू त्रयोदशी

PUBLIC FIRST
सर्वदा भारतीय
देश-विदेश में देखा जाने वाला नंबर-1 चैनल
इंडिया फर्स्ट कम्युनिकेशन
चैयरमेन-आशुतोष गुप्ता

मकर संक्रांति फलं

माघ कृष्ण 1 मंगलवार ता. 14 को 3।15 दिन से भगवान भास्कर मकर राशि में प्रवेश करेंगे। अतः संक्रांति का पुण्यकाल दूसरे दिन ता. 15 को 10 बजे तक रहेगा। महोदरी संक्षक संक्रांति चोर, तस्कर, अनैतिक कार्यशील ठगों के लिए शुभकारी है। नक्षत्र संज्ञक संक्रांति व्यापारियों के लिए सुखद है। यह संक्रांति व्याग्र वाहन, अश्व उपवाहन, पीत वस्त्र धारण किए हुए, गदा लिए, रूपा पात्र में खीर भक्षण करती हुई भील वर्ण की बाल्यावस्था स्थिति में प्रवेश करेगी। सभी वस्तुओं के भाव स्थिर सूचक रहेंगे।

मास फल

इस माह शुक्र शनि की युति से न्याय व्यवस्था में कसावट आएगी। नीच राशि का मंगल प्राकृतिक प्रकोप एवं मानवीय प्रकोप से जन-धन की हानि करा सकता है। यह सत्ता पक्ष के लिए परेशानी निर्मित कर सकता है। शत्रु राशि पर वक्री गुरु किसी धार्मिक क्षेत्रों में तनाव, अशांति के योग दे रहा है। अन्य ग्रह योगों के प्रभाव से असमय बारिश-मावठा आदि के योग बनेंगे। रेल यान दुर्घटना के योग बन रहे हैं। अनाज के भाव में बढ़ोतरी होगी साथ ही शेयर बाजार में मंदी के साथ धातुओं में तेजी देखी जा सकती है।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें

प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरु नगर, भोपाल फोन- 0755-7964542

₹70

प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम मो.-9827322068 ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com website-www.jyotishmath.com

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

सूर्य उत्तरायण

शिशिर ऋतु

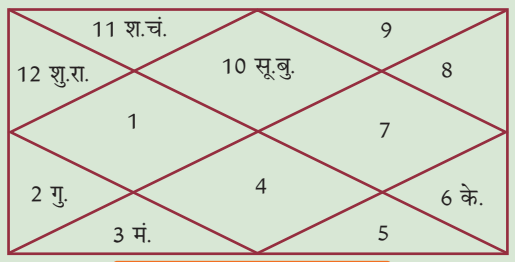

प्रात :कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 फरवरी की

12 शु.रा.	11 श.चं.	9
1	10 सू.बु.	8
2 गु.	4	7
3 मं.	5	6 के.

ग्रह परिवर्तन स्थिति

सूर्य- मकर में, ता. 12 को 2।1 रात से कुंभ में। **मंगल**- मिथुन में, **बुध**- मकर में, ता. 9 को 1।42 दिन से कुंभ में। ता. 28 को 6।53 प्रातः से मीन में। **गुरु**- वृष में, **शुक्र**- मीन में, **शनि**- कुंभ में, **राहू**- मीन में, **केतु**- कन्या राशि में भ्रमणरत रहेंगे।

मूल ता. 2 को 3।37 रात से ता. 4 को 12।19 रात तक, ता. 11 को 6।30 सायं से ता. 13 को 8।26 रात तक, ता. 21 को 12।29 दिन से ता. 23 को 3।23 दिन तक।

गुरु शुक्र तारा उदय

प्रात :कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 13 फरवरी की

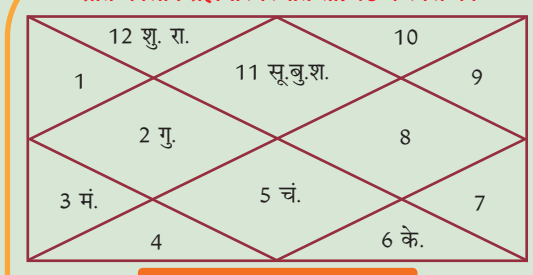

1	12 शु. रा.	10
2 गु.	11 सू.बु.श.	9
3 मं.	5 चं.	8
4	6 के.	7

चंद्र परिवर्तन स्थिति

तारीख 1 को 11।31 बजे रात से मीन का। ता. 3 को 1।59 बजे रात से मेष का। ता. 5 को 4।21 बजे रात से वृष का। ता. 8 को 7।27 बजे प्रातः से मिथुन का। ता. 10 को 12।15 बजे दिन से कर्क का। ता. 12 को 7।11 बजे सायं से सिंह का। ता. 14 को 4।45 बजे रात से कन्या का। ता. 17 को 4।7 बजे दिन से तुला का। ता. 19 को 3।52 बजे रात से वृश्चिक का। ता. 22 को 2।10 बजे दिन से धनु का। ता. 24 को 10।15 बजे रात से मकर का। ता. 26 को 3।54 बजे रात से कुंभ राशि का चंद्रमा रहेगा।

प्रयागराज महाकुंभ संपूर्ण विवरण जनवरी के पिछले पृष्ठ पर पढ़ें।

शालिवाहन संवत 1946
शंकराचार्य संवत् 2531
श्री महर्षि संवत 107

फरवरी 2025

संवत् 2081
माघ-फाल्गुन मास

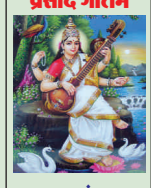

यह पंचांग अवश्य खरीदें। अपने परिचितों, रिश्तेदारों, संबंधियों मित्रों को भेंट करें।
पं. अयोध्या प्रसाद गौतम

ता. 3 बसंत पंचमी
यह पर्व बसंतोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन विद्या की देवी मां सरस्वतीजी की पूजा-आराधना होती है।

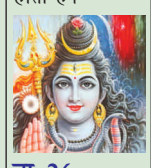

ता. 26 महाशिवरात्रि
महाशिवरात्रि शिवजी का प्रमुख है। इस दिन व्रत रखने से समस्त दुःखों का निवारण होता है। इसी शिवजी और माता पार्वती का विवाह हुआ था।

शिव वास अग्नि वास
ता. 3, 6, 10, 17, 25

उपरोक्त तारीखों में विद्वान पाठक समय का निर्धारण कर यज्ञादि कार्य करें।

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	3	1।50	दिन	माघ शुक्लपक्ष
2	4	11।45	दिन	
3	5	9।31	दिन	
4	6 7	7।9	प्रातः	
5	8	2।31	रात	
6	9	12।23	रात	
7	10	10।30	रात	
8	11	8।50	रात	
9	12	7।37	रात	
10	13	6।52	रात	
11	14	6।32	सायं	
12	15	6।38	सायं	
13	1	7।21	रात	फाल्गुन कृष्णपक्ष
14	2	8।36	रात	
15	3	10।13	रात	
16	4	12।8	रात	
17	5	2।16	रात	
18	6	4।25	रात	
19	7	दिन	रात	
20	7	6।23	प्रातः	
21	8	8।3	प्रातः	
22	9	9।18	दिन	
23	10	10।3	दिन	
24	11	10।18	दिन	
25	12	10।2	दिन	
26	13	9।17	दिन	
27	14	8।6	प्रातः	
28	30 1	6।34 5।3	प्रातः रात	

पिछले पृष्ठों की उपयोगी जानकारी अवश्य पढ़ें, ये आपके ज्ञान में वृद्धि करेगी।

भद्रा

ता. 2 को सूर्योदय से 11।45 बजे दिन तक, ता. 5 को सूर्योदय से 3।43 बजे दिन तक, ता. 8 को 9।41 बजे दिन से 8।50 बजे रात्रि ता. 11 को 6।32 बजे सायं से ता. 12 को 6।34 बजे प्रातः तक ता. 15 को 9।23 बजे दिन से 10।13 बजे रात्रि ता. 18 को 4।25 बजे रात्रि से ता. 19 को 1।1 बजे दिन तक, ता. 22 को 9।46 बजे रात्रि से ता. 23 को 10।3 बजे दिन तक, ता. 26 को 9।17 बजे दिन से 8।46 बजे रात्रि तक भद्रा रहेगी।

पिछले पृष्ठों में दिया गया ज्ञान अवश्य पढ़े।

इस वर्ष प्रयागराज में होने वाले कुंभ पर्व के बारे में अवश्य पढ़ें।
-डॉ. प्रकाश गौतम

वार					
SUNDAY रवि		**2** वैनायकी चतुर्थी व्रतं; उ.भाद्रपद 3।37 रात; दुग्धिपूजन, शिव योग; माघ शुक्ल 4	**9** तिल, द्वादशी; आर्द्रा 6।22 सायं; भीष्म द्वादशी; माघ शुक्ल 12	**16** गणेश चतुर्थी व्रतं; हस्त 2।47 रात; मानस योग; फाल्गुन कृष्ण 4	**23** सिद्धि योग; मूल 3।23 दिन; फाल्गुन कृष्ण 10
MONDAY सोम		**3** वसन्त पंचमी; रेवती 1।59 रात; तक्षक पूजन, सरस्वती जयंती; माघ शुक्ल 5	**10** सोम प्रदोष व्रतं; पुनर्वसु 6।14 सायं; प्रीति योग; माघ शुक्ल 13	**17** शूल योग; चित्रा 5।23 रात; फाल्गुन कृष्ण 5	**24** विजया एकादशी व्रतं; पूर्वाषाढ़ 4।06 दिन; सिद्धि योग; फाल्गुन कृष्ण 11
TUESDAY मंगल		**4** शीतला सप्तमी; अश्विनी 12।19 रात; रथ, अचला सप्तमी; माघ शुक्ल 6, 7	**11** आयुष्मान योग; पुष्य 6।30 सायं; कदली व्रत; माघ शुक्ल 14	**18** गण्ड योग; स्वाती दिनरात; विद्यासागर महाराज पुण्यतिथि; फाल्गुन कृष्ण 6	**25** भोम प्रदोष व्रतं; उत्तराषाढ़ 4।20 दिन; त्रिपुष्कर योग; फाल्गुन कृष्ण 12
WEDNESDAY बुध		**5** भीमाष्टमी; भरणी 10।43 रात; शुक्ल योग; माघ शुक्ल 8	**12** माघी पूर्णिमा; श्लेषा 7।11 रात; संत रविदास जयंती; माघ शुक्ल 15	**19** वृद्धि योग; स्वाती 7।58 दिन; ध्रुव योग; फाल्गुन कृष्ण 7	**26** महाशिवरात्रि व्रतं; श्रवण 4।6 दिन; वैद्यनाथ जयंती; फाल्गुन कृष्ण 13
THURSDAY गुरु		**6** महानंदा नवमी; कृतिका 9।15 रात; ब्रह्म योग; माघ शुक्ल 9	**13** शोभन योग; मघा 8।26 रात; फाल्गुन मास प्रा.; फाल्गुन कृष्ण 1	**20** प्रवर्धमान योग; विशाखा 10।22 दिन; जानकी जयंती; फाल्गुन कृष्ण 7	**27** श्राद्ध अमावस्या; धनिष्ठा 3।27 दिन; शिव योग; फाल्गुन कृष्ण 14
FRIDAY शुक्र		**7** मित्र योग; रोहिणी 7।59 रात; ऐंद्र योग; माघ शुक्ल 10	**14** सिद्धि योग; पूर्वा फा. 10।14 रात; मृत्युबाण योग; फाल्गुन कृष्ण 2	**21** व्याघात योग; अनुराधा 12।29 दिन; अष्टांटका श्राद्ध; फाल्गुन कृष्ण 8	**28** स्नानदान अमावस्या; शतभिषा 2।29 दिन; सिद्ध योग; फाल्गुन कृष्ण 30,1
SATURDAY शनि	**1** गौरी तृतीया; शत, पूभा 6।29 प्रातः; परिघ योग; माघ शुक्ल 3	**8** जया एकादशी व्रतं; मृगशिर 6।59 रात; वज्र योग; माघ शुक्ल 11	**15** सुकर्मा योग; उत्तरा फा. 12।21 रात; यमघंट योग; फाल्गुन कृष्ण 3	**22** हर्षण योग; ज्येष्ठा 2।10 दिन; राम मंदिर प्रतिष्ठा; फाल्गुन कृष्ण 9	**पंचक** पिछले माह से शुरु पंचक ता. 3 के 1।59 बजे रात तक। ता. 26 को 3।54 बजे रात से प्रारंभ होकर अगले माह ता. 3 तक।

मुहूर्त

विवाह- ता. 2, 3, 7, 8, 12-16, 19, 21, 22, 23, 25
नामकरण- ता. 7 **गृहारंभ**- ता. 7, 10
अन्नप्राशन- ता. 7, 20
गृह प्रवेश- ता. 6,7 **यात्रा**- ता. 4, 10
सीमांत पुंसवन- ता. 7, 24
नवीन वस्त्र- ता. 7, 20, 21
प्रसूति स्नान- ता. 4, 6,
व्यापार आरंभ- ता. 10, 21
वाहन क्रय- ता. 10, 20, 21
संपदा क्रय- ता. 4, 18, 24
वाटिका रोपण- ता. 7, 20, 21
औषधि सेवन- ता. 10, 20
उपनयन- ता. 7, 14
नवान्य भक्षण-ता. 20
द्विरागमन - ता. 17, 20, 21, 24
रोग मुक्ति स्नान-ता. 1, 6, 11, 16, 22
आभूषण निर्माण-ता. **ईंट भट्टा**-ता. 7,
नवीन निर्माण- ता. 7, 20, 21
वस्तु विक्रय - ता. 5, 12, 14
वस्तु क्रय-ता. 4, 18 20
शस्त्र निर्माण- ता. 1, 22, 23
आभूषण निर्माण- ता. , 18, 24
फसल काटना - ता. 5, 9, 12, 13
नाव निर्माण - ता. 14, 20, 21, 23
शिल्प विद्या - ता. 20, 21, 23, 24
वधु प्रवेश- ता. 13, 17, 20, 21, 24

राशिफल

मेष - धोखा परेशानी, स्वास्थ्य चिंता।
वृष- मेहमान आगमन, मतभेद बढ़ेगा।
मिथुन - लाभ, बेवजह तनाव, श्रम अधिक।
कर्क - पुत्र सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट।
सिंह - शुभ प्रसंग, यात्रा, परेशानी, कष्ट।
कन्या - व्यर्थ विवाद, सफलता, धन लाभ।
तुला -सहयोग मिलेगा, व्यर्थ की चिंता।
वृश्चिक - प्रतिष्ठा में वृद्धि, भूमि लाभ, यात्रा।
धनु - पुत्र सुख, प्रापर्टी से लाभ, रोग।
मकर- शरीर कष्ट, तनाव, स्थानांतरण।
कुम्भ- चिंता निवारण, जायजाद वृद्धि।
मीन- धन लाभ, मतभेद, शुभ समाचार।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 4 विश्व कैंसर दिवस
ता. 12 संत रविदास जयंती
ता. 12 वैलेंटाइन्स डे
ता. 19 शिवाजी जयती
ता. 20 जानकी जयंती
ता. 26 वैद्यनाथ जयंती
ता. 28 राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

शुभ योग

सर्वार्थ सिद्धि योग - ता. 2 को सूर्योदय से 3।37 बजे रातअंत तक। ता 5 को 10।43 बजे रात्रि से रातअंत तक। ता 10 को 6।14 बजे सायं से रातअंत तक। ता 11 को 6।30 बजे सायं से रातअंत तक। ता 20 को 10।22 बजे दिन से रातअंत तक। ता 21 को सूर्योदय से 12।29 बजे दिन तक। ता 23 को सूर्योदय से 3।23 बजे दिन तक।

अमृतसिद्धि योग- ता 4 को सूर्योदय से 12।19 बजे रातअंत तक। ता 16 को सूर्योदय से 2।47 बजे रातअंत तक। **रवियोग**- ता 1 को प्रातः 6।29 बजे से रात्रिअंत ता 2 को रात्रि 3।37 बजे से रात्रिअंत ता 3 को सूर्योदय से रात्रि 1।59 बजे तक। ता 5 को रात्रि 10।43 बजे से रात्रिअंत ता 6 को सूर्योदय से दिन 12।26 बजे तक। ता 7 को सूर्योदय से ता 8 को रात्रि 6।59 बजे तक। ता. 10 को सायं 6।14 बजे से रात्रिअंत ता 11 को सूर्योदय से सायं 6।30 बजे तक। ता 17 को रात्रि 5।23 बजे से रात्रिअंत ता 18 को सूर्योदय से रात्रि 8।2 बजे तक। ता 19 को सूर्योदय से प्रातः 7।58 बजे तक। ता 20 को सूर्योदय से दिन 10।22 बजे तक। **त्रिपुष्कर योग** - ता. 25 को 10।2 दिन , **मंगल पुष्य योग** - ता. 11 को 6।30 शाम तक।

भोपाल

सूर्योदय	ता.	1-6.31	7-6.27	13-6.24	19-6.20	25-6.16	28-6.14
सूर्यास्त	ता.	1-5.29	7-5.33	13-5.36	19-5.40	25-5.44	28-5.46

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 1 गौरी तृतीया
ता. 2 वैनायकी चतुर्थी व्रतं
ता. 3 वसंत पंचमी
ता. 4 शीतला सप्तमी
ता. 5 भीमाष्टमी, बुधाष्टमी
ता. 6 महानंदा नवमी
ता. 8 जया एकादशी व्रतं
ता. 9 तिल द्वादशी,भीष्म तर्पण
ता. 10 प्रदोष व्रतं
ता. 12 स्नानदान माघी पूर्णिमा

ता. 16 गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 24 विजया एकादशी व्रतं
ता. 25 प्रदोष व्रतं
ता. 26 महाशिवरात्रि व्रतं
ता. 27 श्राद्ध अमावस्या
ता. 28 स्नानदान अमावस्या

जैन व्रत-पर्व

ता. 2 दशलक्षण (3/3) प्रारंभ
ता. 4 मर्यादा महोत्सव
ता. 11 श्री जिनेन्द्र रथ यात्रा

कुंभ संक्रांति फलं

माघ शुक्ल 15 बुधवार ता.12 को 2।1 रात से सूर्य कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे। मंदाकिनी संज्ञक संक्रांति सैनिक वर्ग, राजनैतिक वर्ग अधिकारियों को शुभकारी है। मघा नक्षत्र घोरा संज्ञक संक्रांति निर्धन वर्ग को सुखद रहेगी। यह संक्रांति व्याघ्र वाहन, अश्व उप वाहन पर सवार होकर पीले वस्त्र धारण कर, गधा हाथ में लेकर खीर भक्षण करती हुई, भूत वर्ण की बाल्यावस्था में बैठी हुई स्थिति में प्रवेश कर रही है। संक्रांति के प्रभाव से वस्तुओं के भाव स्थिर रहेंगे। लाल वस्तुओं के मूल्यों में वृद्धि हो सकती है।

मास फल

इस माह चतुर्ग्रही-पंचग्रही योग का प्रभाव एवं शत्रु राशि पर ग्रुरु का प्रभाव विश्व के पश्चिमी भू-भाग में प्राकृतिक प्रकोप, आपदा तथा रोग वृद्धि के प्रभाव दे सकता है। ओला वृष्टि हिमपात से हानि के साथ मिथुन राशि का मंगल राजनीतिक संकट के साथ शेयर बाजार में तेजी के संकेत देता है। ग्रह योगों के प्रभाव से राजनैतिक दलों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहेगा। पेट्रोल, डीजल, गैस, खाद्य सामग्री के साथ सभी धातुओं में घटा-बढ़ी के संकेत मिल रहे हैं। कुछ क्षेत्रों तेज हवाओं का कहर बरस सकता है।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें

प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरू नगर, भोपाल मो.-9827322068

प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com website-www.jyotishmath.com

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

ज्योतिष मठ संस्थान

गौतम पंचांग

सूर्य दक्षिणायन

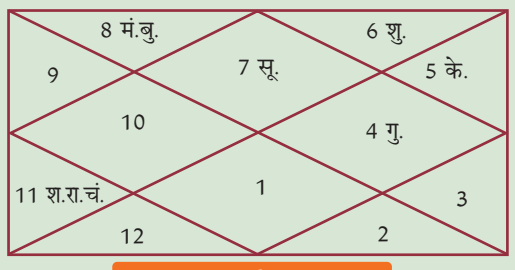

शरद ऋतु
17 से हेमंत ऋतु

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 नवंबर की

ग्रह परिवर्तन स्थिति

सूर्य- तुला में, ता. 16 को 1।36 रात से वृश्चिक में। **मंगल-** वृश्चिक में, **बुध-** वृश्चिक में, ता. 7 को 3।4 दिन से वक्री, ता. 18 को 2।23 रात से तुला में, ता. 26 को 8।42 रात्रि से मार्गी, **गुरु-** कर्क में, ता. 24 को 5।1 शाम से वक्री, **शुक्र-** कन्या में, ता. 1 को 4।55 रात से तुला में। ता. 26 को 8।36 दिन से वृश्चिक में। **वक्री शनि-** कुंभ में, ता. 17 से मार्गी, **राहू-** कुंभ में, **केतु-** सिंह में

मूल ता. 3 को 12।37 दिन से ता. 5 को 9।55 दिन तक। ता. 11 को 12।23 रात से ता. 13 को 12।11 रात तक। ता. 21 को 1।2 दिन से ता. 23 को 5।42 सायं तक। ता. 30 को 8।40 रात से मूल रहेंगे।

गुरु शुक्र उदय पूर्व में- बुध ता. 18 को 6।29 प्रातः अस्त ता. 24 को उदय।

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 17 नवंबर की

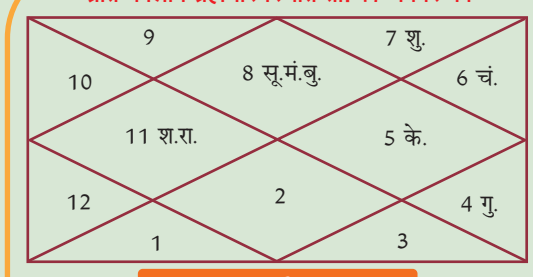

चंद्र परिवर्तन स्थिति

ता. 2 को 7।51 बजे प्रातः से मीन का। ता. 4 को 11।22 बजे दिन से मेष का। ता. 6 को 1।57 बजे दिन से वृष का। ता. 8 को 4।18 बजे दिन से मिथुन का। ता. 10 को 7।24 बजे सायं से कर्क का। ता. 12 को 12।4 बजे रात से सिंह का। ता. 15 को 7।2 बजे प्रातः से कन्या का। ता. 17 को 4।30 बजे सायं से तुला का। ता. 19 को 3।48 बजे रात से वृश्चिक का। ता. 22 को 3।30 बजे दिन से धनु का। ता. 24 को 1।59 बजे रात से मकर का। ता. 27 को 10।7 बजे दिन से कुंभ का। ता. 29 को 3।47 बजे दिन से मीन राशि का चंद्रमा रहेगा।

शालिवाहन संवत 1947
शंकराचार्य संवत् 2532
श्री महर्षि संवत 107

नवंबर 2025

संवत् 2082
कार्तिक-मार्गशीर्ष मास

ता. 1 देव प्रबोधिनी एकादशी
कार्तिक शुक्ल एकादशी को भगवान विष्णु क्षीर सागर में शयन के पश्चात जागते हैं। जिसे सनातन धर्म के अनुयायी बड़ी धूमधाम से मनाते हैं। इसी दिन तुलसी विवाह होता है और मांगलिक कार्यक्रम शुरु हो जाते हैं।

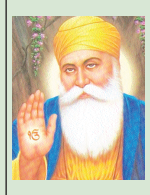

ता. 5 गुरु नानक देव जयंती
कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा को सिख धर्म के प्रवर्तक श्री गुरुनानक देवजी की जयंती मनाई जाती है।

शिव वास अग्नि वास
इस माह ता. 3, 10, 12, 26

उपरोक्त तारीखों में विद्वान पाठक समय का निर्धारण कर यज्ञादि कार्य करें।

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	11	2।24	रात	कार्तिक शुक्लपक्ष
2	12	12।56	रात	
3	13	1।18	रात	
4	14	9।4	रात	
5	15	6।50	रात	
6	1	4।29	दिन	मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष
7	2	2।6	दिन	
8	3	11।47	दिन	
9	4	9।36	दिन	
10	5 6	7।37	प्रात:	
11	7	4।37	रात	
12	8	3।44	रात	
13	9	3।18	रात	
14	10	3।23	रात	
15	11	3।59	रात	
16	12	5।3	रात	
17	13	दिन	रात	
18	13	6।36	प्रात:	
19	14	8।29	प्रात:	
20	30	10।36	दिन	
21	1	12।46	दिन	मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष
22	2	2।46	दिन	
23	3	4।30	दिन	
24	4	5।51	सायं	
25	5	6।43	रात	
26	6	7।5	रात	
27	7	6।56	रात	
28	8	6।17	सायं	
29	9	5।12	सायं	
30	10	3।44	दिन	

ता. 1 को भीष्म पंचक प्रारंभ, ता. 5 भीष्म पंचक समाप्त

वार					
SUNDAY रवि	पदार्थ दशमी व्रतारंभ **30** उ.भा. 8।40 रात सिद्धि योग, पंचक मार्गशीर्ष शुक्ल 10	चर योग **2** पूर्वा भा.1।34 दिन मन्वादि तिथि कार्तिक शुक्ल 12	ध्वांक्ष योग **9** आर्द्रा 2।19 रात सिद्धि योग मार्गशीर्ष कृष्ण 4	मानस योग **16** हस्त 3।28 रात त्रिपुष्कर योग मार्गशीर्ष कृष्ण 12	सिद्धि योग **23** मूल 5।42 सायं धृति योग मार्गशीर्ष शुक्ल 3
MONDAY सोम	**पंचक** पिछले माह से जारी पंचक ता. 4 को 11।22 बजे दिन तक रहेंगे। ता. 27 को 10।7 बजे दिन से प्रारंभ होंगे।	सोम प्रदोष व्रतं **3** उ.भा.12।37 दिन गंड योग, पंचक कार्तिक शुक्ल 13	धूम्र योग **10** पुनर्वसु 1।16 रात षष्ठी तिथि क्षय मार्गशीर्ष कृष्ण 5,6	सोम प्रदोष व्रतं **17** चित्रा 5।29 रात प्रीति योग मार्गशीर्ष कृष्ण 13	वैनायकी चतुर्थी व्रतं **24** पूर्वाषाढ़ 7।32 रात उत्पात योग मार्गशीर्ष शुक्ल 4
TUESDAY मंगल	**भद्रा** ता. 1 को 3।3 दिन से 2।24 रात्रि तक, ता. 4 को 9।4 बजे रात्रि से ता. 5 को 8।2 बजे दिन ता. 7 को 12।59 बजे रात्रि से ता. 8 को 11।47 बजे दिन ता. 11 को सूर्योदय से 5।20 बजे सायं ता. 14 को 3।22 बजे दिन से 3।23 बजे रात्रि ता. 17 को 6।35 बजे प्रातः से 12।46 बजे दिन। ता. 18 को 6।36 बजे प्रातः से 7।35 बजे रात्रि ता. 23 को 5।19 बजे रात्रि से ता. 24 को 5।51 बजे सायं ता. 27 को 6।56 बजे सायं से रात्रिअंत। ता. 28 को सूर्योदय से 6।46 बजे प्रातः ता. 30 को 2।56 बजे रात्रि से रात्रिअंत तक भद्रा रहेगी।	बैकुण्ठ चतुर्दशी **4** रेवती 11।22 दिन शुभ योग, पंचक समाप्त कार्तिक शुक्ल 14	शुभ योग **11** पुष्य 12।23 रात मार्गशीर्ष कृष्ण 7	ध्वज योग **18** स्वाती दिनरात विशाखायां शुक्रे: मार्गशीर्ष कृष्ण 13	श्री राम विवाहोत्सव **25** उत्तराषाढ़ 8।54 रात मानस योग मार्गशीर्ष शुक्ल 5
WEDNESDAY बुध		कार्तिक पूर्णिमा **5** अश्विनी 9।55 दिन गुरु नानक जयंती कार्तिक शुक्ल 15	काल भैरव अष्टमी व्रतं **12** श्लेषा 12।14 रात शुक्ल योग मार्गशीर्ष कृष्ण 8	धूम्र योग **19** स्वाती 7।50 प्रातः ज्येष्ठायां भौमे मार्गशीर्ष कृष्ण 14	स्कंद, चम्पाषष्ठी **26** श्रवण 9।47 रात छत्र योग मार्गशीर्ष शुक्ल 6
THURSDAY गुरु		कार्तिक व्रत पारणा **6** भरणी 8।19 दिन पद्म योग मार्गशीर्ष कृष्ण 1	ब्रह्म योग **13** मघा 12।11 रात सुशर्मा योग मार्गशीर्ष कृष्ण 9	अमावस्या **20** विशाखा 10।24 दिन शोभन योग मार्गशीर्ष कृष्ण 30	नन्दा सप्तमी **27** धनिष्ठा 10।10 रात श्रीवत्स योग मार्गशीर्ष शुक्ल 7
FRIDAY शुक्र		छत्र योग **7** कृति,रोहि 6।39 प्रातः स्वाते शुक्रे: मार्गशीर्ष कृष्ण 2	ऐंद्र योग **14** पूर्वा फा. 12।47 रात विशाखायां बुध: मार्गशीर्ष कृष्ण 10	अतिगंड योग **21** अनुराधा 1।12 दिन शतभिषायां राहुवे मार्गशीर्ष शुक्ल 1	सौम्य योग **28** शतभिषा 10।4 रात पंचक मार्गशीर्ष शुक्ल 8
SATURDAY शनि	देव प्रबोधिनी एकादशी व्रतं **1** शतभिषा 2।11 दिन तुलसी विवाह, पंचक कार्तिक शुक्ल 11	श्री गणेश चतुर्थी व्रतं **8** मृगशिर 3।29 रात वज्र योग मार्गशीर्ष कृष्ण 3	उत्पन्ना एकादशी व्रतं **15** उ.फा. 1।54 रात वैधृति योग मार्गशीर्ष कृष्ण 11	पितृ पूजनं **22** ज्येष्ठा 3।30 दिन सुकर्मा योग मार्गशीर्ष शुक्ल 2	नन्दनी नवमी **29** पूर्वा भा. 9।33 रात वज्र योग, पंचक मार्गशीर्ष शुक्ल 9

मुहूर्त

विवाह- ता. 22 से 25, 29, 30
नामकरण- ता. 3, 7, 10, 26, 27, 28
कर्णभेद - ता. 10, 26, 27
गृह प्रवेश-ता. 3,7,8 **यात्रा-** ता. 10, 27
अन्नप्राशन- ता. 3, 7, 10, 27
कूप खनन- ता. 3, 26, 27, 28
सीमांत पुंसवन- ता. 11, 25
प्रसूति स्नान- ता. 11, 23, 25
व्यापार आरंभ- ता. 3, 7
वाहन क्रय- ता. 26, 27, 28, 30
संपदा क्रय- ता. 3, 10, 13, 14, 26, 28, 30 **शल्यक्रिया-** ता. 11
पूंजी निवेश- ता. 10, 11, 27, 28, 30
वाटिका रोपण- ता. 3, 7, 11, 15, 22, 23, 25 **धान्य छेदन-** ता. 3, 26, 27
औषधि सेवन- ता. 11, 22, 23, 26, 27
धार्मिक अनुष्टान ता. 3, 7, 10, 26, 27, 28, 30 **नवीन वस्त्र-** ता. 7
नवान्य भक्षण- ता. 3, 7, 26, 27
बीज बोवनी- ता 11, 15, 22, 23
रोग मुक्ति स्नान - ता 18, 19, 20

मुहूर्तों में लग्न एवं समय का निर्धारण कर उपयोग करें।
-पंचांगकार डॉ. प्रकाश गौतम

राशिफल

मेष - पुत्र सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट।
वृष- व्यर्थ की चिंता, सहयोग मिलेगा।
मिथुन - मेहमान आगमन, मतभेद बढ़ेगा।
कर्क - स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।
सिंह - व्यर्थ विवाद, सफलता, धन लाभ।
कन्या - स्थानांतरण, शरीर कष्ट, तनाव।
तुला - श्रम अधिक, लाभ, बेवजह तनाव।
वृश्चिक - भूमि लाभ, प्रतिष्ठा में वृद्धि, यात्रा।
धनु - चिंता निवारण, जायजाद वृद्धि।
मकर- मतभेद, धन लाभ, शुभ समाचार।
कुम्भ- रोग, प्रापर्टी से लाभ, पुत्र सुख।
मीन- यात्रा, शुभ प्रसंग, परेशानी, कष्ट।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 4 भारतीय नौ सेना दिवस
ता. 5 गुरूनानक देव जयंती, विश्व एड्स दिवस
ता. 14 बाल दिवस, नेहरू जयंती
ता. 17 लाला लाजपतराय बलिदान दिवस
ता. 19 महारानी रानी लक्ष्मीबाई जयंती, इंदिरा गांधी जयंती
ता. 24 राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस

शुभ योग

सर्वार्थसिद्धि योग-ता 2 को 1।34 बजे दिन से रातअंत तक। ता 10 को 1।6 बजे रात से रातअंत तक। ता 11 को 12।23 बजे रात से रातअंत तक। ता 20 को 10।24 बजे दिन से रातअंत तक। ता 21 को सूर्योदय से 1।2 बजे दिन तक। ता 23 को सूर्योदय से 5।42 बजे सायं तक। ता 30 को सूर्योदय से 8।40 बजे रात्रि तक।

अमृतसिद्धि योग- ता 4 को 11।22 बजे दिन से रातअंत तक। ता 16 को सूर्योदय से 3।28 बजे रातअंत तक।

रवियोग- ता 1 को सूर्योदय से दिन 2।11 बजे तक। ता 3 को दिन 12।37 बजे से ता 4 को दिन 11।22 बजे तक। ता 10 को रात्रि 1।6 बजे से ता 11 को रात्रि 12।23 बजे तक। ता 23 को सायं 5।42 बजे से ता 24 को रात्रि 7।32 बजे तक। ता 25 को रात्रि 8।54 बजे से ता 26 को रात्रि 9।47 बजे तक। ता 28 को रात्रि 10।4 बजे से ता 30 को रात्रि 8।40 बजे तक।

मंगल पुष्य योग - ता. 11 को 12।23 रात तक।

भोपाल

सूर्योदय	ता.	1-6.25	7-6.28	13-6.31	19-6.34	25-6.37	30-6.39
सूर्यास्त	ता.	1-5.35	7-5.32	13-5.29	19-5.26	25-5.23	30-5.21

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 1 देव प्रबोधिनी एकादशी व्रतं
ता. 3 प्रदोष व्रतं
ता. 4 बैकुंठ चतुर्दशी
ता. 5 कार्तिक पूर्णिमा
ता. 6 कार्तिक व्रतस्य पारणा
ता. 8 गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 12 काल भैरव अष्टमी व्रतं
ता. 15 उत्पन्ना एकादशी व्रतं
ता. 17 प्रदोष व्रतं
ता. 20 स्नानदान अमावस्या
ता. 22 पितृ पूजनं
ता. 24 वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 25 श्री राम विवाहोत्सव
ता. 26 चम्पाषष्ठी, स्कंद षष्ठी
ता. 27 नन्दा सप्तमी, मित्र सप्तमी
ता. 29 नन्दनी नवमी

जैव व्रत पर्व
ता. 5 चतुर्मास समाप्त
ता. 30 पदार्थ दशमी व्रतारंभ

पिछले पृष्ठों का ज्ञान अवश्य पढ़ें।

जुड़िए विकल्प से स्वदेशी खेती का सच्चा साथी
VIKALP
विकल्प बायो भोपाल
प्रोपराइटर : ममता वार्ष्णेय
सह सचिव (योग और प्राकृतिक चिकित्सा महासंघ ,भारत) मोबा. 9424959111

मिथुन संक्रांति फलं

मार्गशीर्ष कृष्ण 12 रविार ता. 16 को 1।36 रात से सूर्य वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे। घोरा संज्ञक संक्रांति दलित, निर्धन वर्ग के लिए शुभकारी है। हस्त नक्षत्र संज्ञक ध्वांक्षी नामक संक्रांति व्यापारी वर्ग के लिए सुखद रहेगी। यह संक्रांति गदर्भ वाहन, मेष उपवाहन पर सवार दंड आयुष लिए कांस्य पात्र में पकवान भक्षण करती हुई पक्षी वर्ण की युवावस्था में सुप्त स्थिति में प्रवेश कर रही है। संक्रांति के प्रभाव से अन्नादि के भाव में मंदी रहेगी। अन्य वस्तुओं के मूल्य सामान्य होंगे।

मास फल

इस माह शनि राहु की युति एवं सूर्य-मंगल ग्रह का अंगारक योग बहुत ही अशांतिकारक है। यह केंद्रीय मंत्रिमंडल में आंशिक फेरबदल कराने में सक्षम है। उपद्रवियों द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में अशांति फैलाने का प्रयास होगा। अचानक मौसम में बदलाव होगा। हार्ट, लकवा आदि के साथ संक्रमण रोगों के ग्राफ में वृद्धि होगी। सूर्य मंगल बुध का त्रिग्रही योग मंगलकारी है। यह योग देश को अनेक प्रकार की परेशानियों से मुक्ति दिलाने में सहायक है। शेयर बाजार में तेजी के संकेत हैं।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें
प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरु नगर, भोपाल मो.-9827322068
प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम
ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com
website-www.jyotishmath.com

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 अप्रैल की

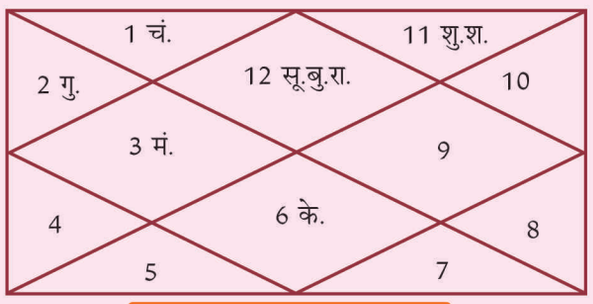

1 चं.	12 सू.बु.रा.	11 शु.श.	
2 गु.		10	
3 मं.		9	
4	6 के.	8	
5		7	

ग्रह परिवर्तन स्थिति

सूर्य- मीन में, ता. 13 को 5।19 रात से मेष में। **मंगल** - मिथुन में, ता. 8 को 8।0 दिन से कर्क में। **वक्री बुध**- मीन में, ता. 8 को रात 12।10 बजे मार्गी **गुरु**- वृष में, **वक्री शुक्र**- कुंभ में, ता. 13 को 10।3 दिन से मार्गी, ता. 21 को 6।28 प्रातः से मीन में। **शनि**- कुंभ में, **राहू**- मीन में, **केतु**- कन्या राशि में भ्रमणरत रहेंगे।

मूल ता. 7 को 9।50 दिन से ता. 9 को 11।26 दिन तक, ता. 16 को 3।11 रात से ता. 18 को दिनरात, ता. 19 को 6।31 प्रातः तक, ता. 25 को 3।59 रात से ता. 27 को 12।45 रात तक।

गुरु शुक्र तारा उदय

सूर्य उत्तरायन

बसंत/ग्रीष्म ऋतु

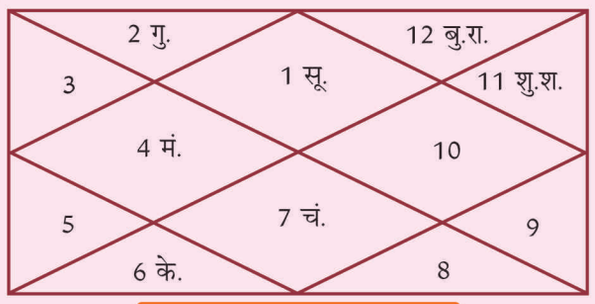

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 14 अप्रैल की

2 गु.	1 सू.	12 बु.रा.	
3		11 शु.श.	
4 मं.		10	
5	7 चं.	9	
6 के.		8	

चंद्र परिवर्तन स्थिति

ता. 1 को 8।37 बजे रात से वृष का। ता. 3 को 11।31 बजे रात से मिथुन का। ता. 5 को 3।53 बजे रात से कर्क का। ता. 8 को 10।23 बजे दिन से सिंह का। ता. 10 को 7।30 बजे सायं से कन्या का। ता. 13 को 6।33 बजे प्रातः से तुला का। ता. 15 को 6।21 बजे सायं से वृश्चिक का। ता. 17 को 5।6 बजे रात से धनु का। ता. 20 को 1।37 बजे दिन से मकर का। ता. 22 को 7।42 बजे रात से कुंभ का। ता. 24 को 11।44 बजे रात से मीन का। ता. 26 को 2।24 बजे रात से मेष का। ता. 28 को 4।44 बजे रात से वृष का। ता. 1 को 7।32 बजे प्रातः से मिथुन राशि का चंद्रमा रहेगा।

अप्रैल 2025

शालिवाहन संवत 1947
शंकराचार्य संवत् 2531
श्री महर्षि संवत 107

संवत् 2082
चैत्र-वैसाख मास

ता. 6 अप्रैल राम नवमी
इस दिन भगवान प्रभु श्रीराम चंद्रजी अयोध्या धाम में प्रकट हुए थे। इस दिन इनकी कृपा प्राप्ति हेतु व्रतोत्सव का विधान भी है।

ता. 30 अक्षय तृतीया/श्री परशुराम प्रकटोत्सव
इस दिन भगवान परशुराम का अवतरण हुआ था। अक्षय तृतीया को किए गए कार्य अक्षय रहते हैं। इस दिन मांगलिक कार्यों हेतु अबूझ मुहूर्त रहता है।

शिव वास अग्नि वास
इस माह ता. 3, 6, 10, 14, 18, 24, 27

उपरोक्त तारीखों में विद्वान पाठक समय का निर्धारण कर यज्ञादि कार्य करें।

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	3	9।27	दिन	चैत्र शुक्लपक्ष
2	4 5	7।7	प्रातः	
3	6	3।2	रात	
4	7	1।26	रात	
5	8	12।12	रात	
6	9	11।23	रात	
7	10	11।3	रात	
8	11	11।13	रात	
9	12	11।53	रात	
10	13	1।3	रात	
11	14	2।38	रात	
12	15	4।31	रात	
13	1	दिन	रात	वैसाख कृष्णपक्ष
14	1	6।32	प्रातः	
15	2	8।35	प्रातः	
16	3	10।28	दिन	
17	4	12।1	दिन	
18	5	1।10	दिन	
19	6	1।49	दिन	
20	7	1।58	दिन	
21	8	1।37	दिन	
22	9	12।47	दिन	
23	10	11।31	दिन	
24	11	9।53	दिन	
25	12	7।56	प्रातः	
26	13 14	5।45	प्रातः	
27	30	1।1	रात	
28	1	10।35	रात	वैसाख शुक्लपक्ष
29	2	8।14	रात	
30	3	6।3	सायं	

वार					
SUNDAY रवि	**भद्रा** ता. 2 को सूर्योदय से 3।6 दोपहर तक, ता. 4 को 1।26 बजे रात्रि से ता. 5 को 12।49 बजे दिन तक, ता. 8 को 11।6 बजे दिन से 11।13 बजे रात्रि ता. 11 को 2।38 बजे रात्रि से ता. 12 को 3।35 बजे (@)	**6** श्री रामनवमी पुनर्वसु 9।46 दिन नवरात्र परायण चैत्र शुक्ल 9	**13** गलन्तिका बंधन चित्रा 7।49 रात हर्षण योग वैसाख कृष्ण 1	**20** शुभ योग पूर्वाषाढ़ 7।26 प्रातः त्रिपुष्कर योग वैसाख कृष्ण 7	**27** स्नानदान अमावस्या अश्विनी 12।45 रात आनंद योग वैसाख कृष्ण 30
MONDAY सोम		**7** धृति योग पुष्य 9।50 दिन चैत्र शुक्ल 10	**14** छत्र योग स्वाती 10।25 रात डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती वैसाख कृष्ण 1	**21** शीतला अष्टमी उत्तराषाढ़ 7।54 प्रातः कालाष्टमी वैसाख कृष्ण 8	**28** चंद्रदर्शन भरणी 1।16 रात आयुष्मान योग वैसाख शुक्ल 1
TUESDAY मंगल	**1** गणगौर तीज व्रतं भरणी 2।57 दिन विनायकी गणेश चतुर्थी व्रतं चैत्र शुक्ल 3	**8** कामदा एकादशी व्रतं श्लेषा 10।23 दिन आनंद योग चैत्र शुक्ल 11	**15** श्रीवत्स योग विशाखा 12।55 रात सिद्धि योग वैसाख कृष्ण 2	**22** चण्डिका नवमी श्रवण 7।52 प्रातः लुम्बक योग वैसाख कृष्ण 9	**29** शुभ योग कृतिका 9।32 रात त्रिपुष्कर योग वैसाख शुक्ल 2
WEDNESDAY बुध	**2** श्री पंचमी कृतिका 1।24 दिन अश्वनाग पूजा चैत्र शुक्ल 4,5	**9** मदन द्वादशी मघा 11।26 दिन गंड योग चैत्र शुक्ल 12	**16** गणेश चतुर्थी व्रतं अनुराधा 3।11 रात सौम्य योग वैसाख कृष्ण 3	**23** मित्र योग धनिष्ठा 7।24 प्रातः पंचक वैसाख कृष्ण 10	**30** अक्षय तृतीया रोहिणी 8।18 रात परशुराम जयंती वैसाख शुक्ल 3
THURSDAY गुरु	**3** स्कन्द षष्ठी रोहिणी 12।12 दिन आयुष्मान योग चैत्र शुक्ल 6	**10** प्रदोष व्रतं पू.फा. 12।57 दिन महावीर जयंती (जैन) चैत्र शुक्ल 13	**17** कालदंड योग ज्येष्ठा 5।6 रात मूलक योग वैसाख कृष्ण 4	**24** वरूथिनी एकादशी व्रतं शत, पूभा 6।33 प्रातः वल्लभाचार्य जयंती वैसाख कृष्ण 11	(@) दिन तक, ता. 15 को 9।37 बजे रात्रि से ता. 16 को 10।28 बजे दिन तक ता. 19 को 1।49 बजे दिन से 2।3 बजे रात्रि तक, ता. 22 को 12।17 बजे रात्रि ता. 23 को 11।31 बजे दिन तक, ता. 26 को 5।45 बजे प्रातः से 4।39 बजे तक।
FRIDAY शुक्र	**4** धातासप्तमी व्रतं मृगशिर 10।56 दिन कमला सप्तमी (जैन) चैत्र शुक्ल 7	**11** शुभ योग उत्तरा फा. 2।57 दिन चैत्र शुक्ल 14	**18** स्थिर योग मूल दिनरात गुड फ्राय डे वैसाख कृष्ण 5	**25** प्रदोष व्रतं उ. भाद्रपद 3।59 रात सेन जयंती वैसाख कृष्ण 12	
SATURDAY शनि	**5** दुर्गाष्टमी व्रतं आर्द्रा 10।10 दिन अशोकाष्टमी चैत्र शुक्ल 8	**12** व्रत पूर्णिमा हस्त 5।15 सायं हनुमान प्रकटोत्सव चैत्र शुक्ल 15	**19** गद योग मूल 6।31 प्रातः रवि सायन वृषे वैसाख कृष्ण 6	**26** वैधृति योग रेवती 2।24 रात पंचक वैसाख कृष्ण 13,14	**पंचक** ता. 22 को 7।42 रात से ता. 26 को 2।24 बजे रात तक पंचक रहेंगे।

मुहूर्त

विवाह- ता. 14, 16, 18, 20, 21, 25, 29, 30 **गृह प्रवेश** - ता 1
नामकरण- ता. 3, 4, 7, 14, 21, 23, 25, 30 **उपनयन**- ता. 30 **मुंडन** ता. 23
कर्णभेद - ता. 3, 4, 7, 21, 23
अन्नप्राशन-ता. 4, 7, 20 ,23, 25, 30
कूप खनन- ता. 7, 21 **गृहारंभ**- ता. 14
नवीन वस्त्र- ता. 3, 25, 30
व्यापार आरंभ- ता. 3, 7, 21, 25, 30
वाहन क्रय- ता. 3, 4, 7, 14, 23
संपदा क्रय- ता. 3, 4, 9, 10, 18, 25
पूंजी निवेश- ता. 3, 4, 5, 7, 14, 15, 21 **देव प्रतिष्ठा**- ता. 14, 18, 30
वाटिका रोपण-ता. 3-4, 7, 12, 15, 18, 20, 25, 30 **अक्षरारंभ**-ता. 7, 14
औषधि सेवन- ता. 5, 12, 23
राज्य सेवा ग्रहण ता. 7, 12
यात्रा- ता. 12 **शल्यक्रिया**- ता. 3
धान्य छेदन- ता. 2, 4, 7, 9, 14, 20, 21, 25 **प्रसूति स्नान**-ता. 3, 20
धार्मिक अनुष्टान ता. 3, 4, 14, 18, 21, 23, 25, 30 **वस्तु क्रय**-ता. 14, 23
नवान्य भक्षण- ता. 3, 4, 21, 25, 30
बीज बोवनी- ता 7, 8, 14, 18
द्विरागमन-ता.14-15,18,21,23,25, 30

राशिफल

मेष - सफलता, धन लाभ, व्यर्थ विवाद।
वृष- प्रापर्टी से लाभ, रोग, पुत्र सुख।
मिथुन - स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।
कर्क - पुत्र सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट।
सिंह - मतभेद बढ़ेगा, मेहमान, आगमन।
कन्या - यात्रा, परेशानी, कष्ट, शुभ प्रसंग।
तुला - व्यर्थ की चिंता, सहयोग मिलेगा।
वृश्चिक - भूमि लाभ, प्रतिष्ठा में वृद्धि, यात्रा।
धनु - श्रम अधिक, लाभ, बेवजह तनाव।
मकर- धन लाभ, मतभेद, शुभ समाचार।
कुम्भ- स्थानांतरण, शरीर कष्ट, तनाव।
मीन- जायजाद वृद्धि, चिंता निवारण।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 1 वित्तीय वर्ष प्रारंभ, मत्स जयंती
ता. 7 विश्व स्वास्थ्य दिवस
ता. 5 श्री बाबू जगजीवन राम जयंती
ता. 10 श्री महावीर स्वामी जयंती
ता. 14 डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती
ता. 18 गुड फ्राय डे, गुरु तेग बहादुर ज.
ता. 20 ईस्टर संडे
ता. 22 विश्व पृथ्वी दिवस
ता. 24 स्वामी वल्लभाचार्य जयंती
ता. 30 भगवान परशुराम प्रकटोत्सव

शुभ योग

सर्वार्थसिद्धि योग- ता. 1 को 2।57 बजे दिन से ता 2 को 1।24 बजे दिन तक। 1।24 बजे दिन से रातअंत तक। ता 7 को सूर्योदय से 9।50 बजे दिन तक। ता 8 को सूर्योदय से 10।23 बजे दिन तक। ता 20 को 7।26 बजे प्रातः से ता 21 को रातअंत तक। ता 27 को सूर्योदय से 12।45 बजे रातअंत तक। ता 29 को सूर्योदय से 9।32 बजे रात्रि तक। ता 30 को सूर्योदय से 8।8 बजे रात्रि तक।

अमृतसिद्धि योग- ता 16 को सूर्योदय से 3।11 बजे रातअंत तक। ता 25 को 3।59 बजे रात से रातअंत तक। **रवियोग**- ता 1 को दिन 2।57 बजे से रात्रिअंत ता 2 को सूर्योदय से दिन 1।24 बजे तक। ता 3 को दिन 12।2 बजे से रात्रिअंत ता 4 को सूर्योदय से दिन 10।56 बजे तक। ता 6 को दिन 9।46 बजे से रात्रिअंत ता 7 को सूर्योदय से रात्रिअंत ता 8 को सूर्योदय से दिन 10।23 बजे तक। ता 10 को दिन 12।57 बजे से रात्रिअंत ता 11 को सूर्योदय से दिन 2।57 बजे तक। ता 18 को रात्रि 6।35 बजे से रात्रिअंत ता 19 को प्रातः 6।31 बजे से रात्रिअंत ता 20 को सूर्योदय से प्रातः 7।26 बजे तक। ता 30 को रात्रि 8।8 बजे से रात्रिअंत तक।

रविपुष्य योग- ता 6 को 9।46 बजे दिन से ता. 7 को 9।50 दिन तक।

भोपाल

सूर्योदय	ता.	1-5.53	7-5.48	13-5.45	19-5.41	25-5.37	30-5.34
सूर्यास्त	ता.	1-6.07	7-6.12	13-6.15	19-6.19	25-6.23	30-6.26

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

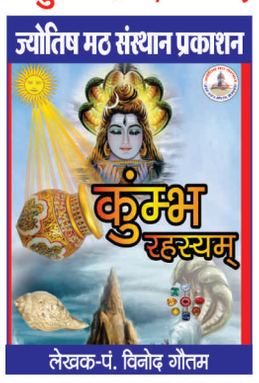

ता. 1 गौरी, गणगौर तीज व्रतं,
ता. 1 वैनायकी चतुर्थी व्रतं
ता. 3 स्कंद षष्ठी
ता. 4 धातासप्तमी व्रतं
ता. 5 दुर्गाष्टमी, अशोकाष्टमी व्रतं
ता. 6 राम नवमी
ता. 8 कामदा एकादशी
ता. 9 मदन द्वादशी
ता. 10 प्रदोष व्रतं
ता. 12 व्रत की पूर्णिमा,

ता. 12 हनुमान प्रकटोत्सव,
ता. 12 वैशाख स्नान प्रारंभ
ता. 13 गलन्तिका बंधन
ता. 16 गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 21 शीतला अष्टमी, कालाष्टमी
ता. 22 चण्डिका नवमी
ता. 24 वरूथिनी एकादशी व्रतं
ता. 25 प्रदोष व्रतं
ता. 27 स्नानदान अमावस्या
ता. 30 अक्षय तृतीया

मेष संक्रांति फलं

वैशाख कृष्ण 1 रविवार ता. 13 को 5।19 रात से सूर्य मेष राशि में प्रवेश करेंगे। घोरा संज्ञक संक्रांति दलित वर्ग, निर्धनों के लिए शुभ है। नक्षत्र संज्ञक महोदरी संक्रांति चोर-तस्करों, जमाखोरों के लिए सुखद रहेगी। यह संक्रांति गधर्व वाहन एवं मेष उपवाहन पर सवार होकर दंड आयुष लिए कांस पात्र में पकवान भक्षण करती हुई। पक्षी वर्ग की युवा अवस्था में सुप्त स्थिति में प्रवेश कर रही है। संक्रांति के प्रभाव से अनाज मूल्यों में वृद्धि के संकेत हैं। अन्य वस्तुएं स्थिर सूचक रहेंगी।

मास फल

इस माह सूर्य राहु का ग्रहण दोष राष्ट्रहित के कार्यों में ग्रहण लगा सकता है। बड़ी बड़ी योजनाओं के खटाई में पड़ने से विकास की गति में रुकावट आएगी। मीन राशि में सूर्य, बुध, राहु का त्रिग्रही योग व्यापार के क्षेत्र में मंदी के संकेत दे रहा है। गुरु के नीचस्थ प्रभाव से धार्मिक उन्माद बढ़ेगा। शेयर, धातु खाद्य पदार्थ अनाजों में सामान्य घटा-बढ़ी रहेगी। माह के अंत में चातुर्ग्रही योग के प्रभाव से प्राकृतिक प्रकोप से हानि के संकेत ग्रह दे रहे हैं। गर्मी के प्रकोप में बढ़ोतरी होगी। तटीय क्षेत्रों में सुनामी का खतरा बढ़ेगा।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें

प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरु नगर, भोपाल मो.-9827322068

प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com website-www.jyotishmath.com

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 मई की

2 चं.गु.	1 सू.	12 बु.शु.रा.
3		11 श.
4 मं.		10
5	7	9
6 के.		8

ग्रह परिवर्तन स्थिति

सूर्य- मेष में, ता. 14 को 3।44 रात से वृष में। **मंगल-** कर्क में, **बुध-** मीन में, ता. 4 को 7।47 रात से मेष में, ता. 10 को अस्त। ता. 21 को 3।55 दिन से वृष में। **गुरु-** वृष में, ता. 9 को 6।25 प्रातः से मिथुन में। **शुक्र-** मीन में, ता. 31 को 3।40 दिन से मेष में। **शनि-** कुंभ में, ता. 4 को 3।19 रात से मीन में। **राहू-** मीन में, ता. 16 को 2।50 दिन से कुंभ में। **केतु-** कन्या में, ता. 16 को 2।51 दिन से सिंह राशि में भ्रमणरत रहेंगे।

मूल ता. 4 को 5।37 सायं से ता. 6 को 6।59 रात तक। ता. 14 को 10।28 दिन से ता. 16 को 1।58 दिन तक। ता. 23 को 12।5 दिन से ता. 25 को 8।54 दिन तक। ता. 31 को 1।20 रात से मूल प्रारंभ। **गुरु पश्चिम में उदय, शुक्र पूर्व में उदय।**

सूर्य उत्तरायन

ग्रीष्म ऋतु

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 15 मई की

3 गु.	2 सू.	1 बु.
4 मं.		12 शु.श.रा.
5		11
6 के.	8 चं.	10
7		9

चंद्र परिवर्तन स्थिति

ता. 1 को 7।32 बजे प्रातः से मिथुन का। ता. 3 को 11।46 बजे दिन से कर्क का। ता. 5 को 6।3 बजे सायं से सिंह का। ता. 7 को 2।50 बजे रात से कन्या का। ता. 10 को 1।48 बजे दिन से तुला का। ता. 12 को 1। 36 बजे रात से वृश्चिक का। ता. 15 को 12।26 बजे दिन से धनु का। ता. 17 को 9।16 बजे रात से मकर का। ता. 19 को 3।37 बजे रात से कुंभ का। ता. 22 को 7।48 बजे प्रातः से मीन का। ता. 24 को 10।33 बजे दिन से मेष का। ता. 26 को 12।53 बजे दिन से वृष का। ता. 28 को 3।36 बजे दिन से मिथुन का। ता. 30 को 7।40 बजे रात से कर्क राशि का चंद्रमा रहेगा।

मई 2025

संवत् 2082

वैसाख-ज्येष्ठ मास

शालिवाहन संवत 1947
शंकराचार्य संवत् 2531-32
श्री महर्षि संवत 107

ता. 2 आदि गुरु शंकराचार्य जयंती

आदि गुरु शंकराचार्य भगवान शिव अवतार के थे। उन्होंने अद्वैत वेदांत दर्शन का विस्तार किया। उन्होंने उपनिषदों, भगवद गीता और ब्रह्मसूत्रों के प्राथमिक सिद्धांतों जैसे हिंदू धर्मग्रंथों की व्याख्या एवं पुनर्व्याख्या की। उन्होंने भारत में चार मठों की स्थापना भी की।

ता. 27 वट सावित्री व्रत

इस दिन सावित्री ने व्रत करके यमराज से अपने पति के प्राण वापिस कर लिए थे। महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र की कामना से यह व्रत करती हैं।

शिव वास अग्नि वास

इस माह ता. 2, 9, 13, 17, 20, 24

उपरोक्त तारीखों में विद्वान पाठक समय का निर्धारण कर यज्ञादि कार्य करें।

तिथि समय समा.

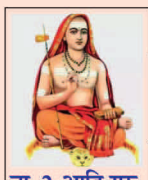

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	4	4।4	दिन	वैसाख शुक्लपक्ष
2	5	2।27	दिन	
3	6	1।10	दिन	
4	7	12।19	दिन	
5	8	11।56	दिन	
6	9	12।4	दिन	
7	10	12।42	दिन	
8	11	1।49	दिन	
9	12	3।23	दिन	
10	13	5।13	सायं	
11	14	7।14	रात	
12	15	9।15	रात	
13	1	11।7	रात	ज्येष्ठ कृष्णपक्ष
14	2	12।40	रात	
15	3	1।47	रात	
16	4	2।26	रात	
17	5	2।34	रात	
18	6	2।12	रात	
19	7	1।20	रात	
20	8	12।2	रात	
21	9	10।22	रात	
22	10	8।24	रात	
23	11	6।11	सायं	
24	12	3।49	दिन	
25	13	1।22	दिन	
26	14	10।54	दिन	
27	30	8।31	प्रातः	
28	1/2	6।16	प्रातः	ज्येष्ठ शुक्लपक्ष
29	3	2।43	रात	
30	4	1।24	रात	
31	5	12।30	रात	

भद्रा

ता. 4 को 12।19 बजे दिन से 12।09 बजे रात्रि ता. 7 को 1।16 बजे रात्रि से ता. 8 को 1।49 बजे दिन तक, ता. 11 का 7।14 बजे रात्रि से ता. 12 को 8।15 बजे दिन तक, ता. 15 को 1।14 बजे दिन से 1।47 बजे रात्रि ता. 18 को 2।12 बजे रात्रि से ता. 19 को 1।47 बजे दिन तक, ता. 22 को 9।25 बजे दिन से 8।24 बजे रात्रि तक, ता. 25 को 1।22 बजे दिन से 12।13 बजे रात्रि ता. 30 को 2।1 बजे दिन से 1।24 बजे रात्रि तक।

पंचक

ता. 19 को 3।37 बजे रात से ता. 24 को 10।33 बजे दिन तक।

वार					
SUNDAY रवि		**4** गंगासप्तमी; पुष्य 5।37 सायं; श्रीवत्स योग; वैसाख शुक्ल 7	**11** कदली व्रतं; स्वाती दिनरात; लुम्बक योग; वैसाख शुक्ल 14	**18** अमृत योग; उत्तराषाढ़ 3।35 दिन; ज्येष्ठ कृष्ण 6	**25** वट सावित्री व्रतारंभ; अश्विनी 8।54 दिन; दिनक्षयं, नौतपा प्रा.; ज्येष्ठ कृष्ण 13
MONDAY सोम		**5** सौम्य योग; श्लेषा 6।3 सायं; बगलामुखी जयंती; वैसाख शुक्ल 8	**12** पूर्णिमा; स्वाती 5।37 प्रातः; बुद्ध पूर्णिमा, कूर्म जयंती; वैसाख शुक्ल 15	**19** सिद्धि योग; श्रवण 3।40 दिन; ब्रह्म योग; ज्येष्ठ कृष्ण 7	**26** शोभन योग; भरणी 7।14 प्रातः; चर योग; ज्येष्ठ कृष्ण 14
TUESDAY मंगल		**6** जानकी, चंडिका नवमी; मघा 6।59 रात; ध्रुव योग; वैसाख शुक्ल 9	**13** चंद्रदर्शन; विशाखा 8।10 दिन; श्रीवत्स योग; ज्येष्ठ कृष्ण 1	**20** शीतला अष्टमी व्रतं; धनिष्ठा 3।17 दिन; रवि सायन मिथुने; ज्येष्ठ कृष्ण 8	**27** वट सावित्री व्रतं, अमावस्या; कृति, रोहि 5।38 प्रातः; शनि जयंती; ज्येष्ठ कृष्ण 30
WEDNESDAY बुध		**7** स्थिर योग; पू.फा. 8।24 रात; व्याघात योग; वैसाख शुक्ल 10	**14** सौम्य योग; अनुराधा 10।28 दिन; नारद जयंती; ज्येष्ठ कृष्ण 2	**21** मानस योग; शतभिषा 2।31 दिन; अगस्त्य अस्त रा. 2.22; ज्येष्ठ कृष्ण 9	**28** करवीरव्रतं; मृगशिर 2।57 रात; चंद्रदर्शन अमृत यो.; ज्येष्ठ शुक्ल 1,2
THURSDAY गुरु	**1** वैनायकी चतुर्थी व्रतं; मृगशिर 6।58 रात; नृसिंह जयंती; वैसाख शुक्ल 4	**8** मोहिनी एकादशी व्रतं; उ.फा. 10।17 रात; मातंग योग; वैसाख शुक्ल 11	**15** शिव योग; ज्येष्ठा 12।26 दिन; सौर ज्येष्ठ मासारंभ; ज्येष्ठ कृष्ण 3	**22** मुद्गर योग; पू.भा. 1।26 दिन; भद्रा; ज्येष्ठ कृष्ण 10	**29** रम्भा तीज; आद्रा 2।3 रात; शूल योग; ज्येष्ठ शुक्ल 3
FRIDAY शुक्र	**2** सुकर्मा योग; आद्रा 6।7 सायं; आदिशंकराचार्य जयंती, अर्जुन देव जयंती; वैसाख शुक्ल 5	**9** प्रदोष व्रतं; हस्त 12।32 रात; मधुसूदन पूजन; वैसाख शुक्ल 12	**16** श्री गणेश चतुर्थी व्रतं; मूल 1।58 दिन; स्थिर योग; ज्येष्ठ कृष्ण 4	**23** अपरा एकादशी व्रतं; उ.भा. 12।5 दिन; ध्वज योग; ज्येष्ठ कृष्ण 11	**30** वैनायकी चतुर्थी व्रतं; पुनर्वसु 1।29 रात; लुम्बक योग; ज्येष्ठ शुक्ल 4
SATURDAY शनि	**3** छत्र योग; पुनर्वसु 5।39 सायं; श्री रामानुजाचार्य जयंती; वैसाख शुक्ल 6	**10** कामदेव व्रतं; चित्रा 3।1 रात; वैसाख शुक्ल 13	**17** शुभ योग; पूर्वाषाढ़ 3।1 दिन; मातंग योग; ज्येष्ठ कृष्ण 5	**24** शनि प्रदोष व्रतं; रेवती 10।33 दिन; आयुष्मान योग; ज्येष्ठ कृष्ण 12	**31** मित्र योग; पुष्य 1।20 रात; वृद्धि योग; ज्येष्ठ शुक्ल 5

मुहूर्त

विवाह- ता. 1, 5, 6, 7, 8, 9, 11, 13, 15-18 22, 23, 28 **गृहारंभ-**ता. 9, 12
गृहप्रवेश-ता. 10, 14, 22, 28 29
नामकरण-ता. 2,8, 9, 19, 22, 23, 28
कर्णभेद - ता. 1, 9, 19, 28
अक्षरारंभ- ता. 2, 9, 29
अन्नप्राशन- ता. 1, 4, 12, 19, 22, 28
कूप खनन- ता. 19, 22
सीमांत पुंसवन- ता. 1, 4, 8, 18, 22
नवीन वस्त्र- ता. 8, 9, 23
प्रसूति स्नान- ता. 1, 4, 8, 13, 15, 18
व्यापार आरंभ- ता. 8, 9, 22
वाहन क्रय- ता. 1, 4, 9, 18, 19, 23, 28
संपदा क्रय- ता. 1, 7, 14, 22
पूंजी निवेश- ता. 1, 4, 13, 18, 19, 23, 28, 31 **देव प्रतिष्ठा-** ता. 1, 19, 28
शल्यक्रिया- ता. 1, 4, 13, 18, 20
वाटिका रोपण- ता. 1, 4, 8, 9, 13, 15, 18, 22, 23, 28 **मुंडन** ता. 1, 19, 28
औषधि सेवन- ता. 1, 3, 4, 15, 28, 31
राज्य सेवा ग्रहण ता. 1, 3, 6, 31
यात्रा- ता. 1, 3, 13, 14, 19, 23, 28, 31
धान्य छेदन- ता. 1, 4, 8, 9, 18, 19, 22, 23, 28 **रोग मुक्ति स्नान** -ता 1, 28
धार्मिक अनुष्टान ता. 1, 4, 8, 18, 19, 22, 28 **द्विरागमन-** ता. 8, 9, 12
नवान्य भक्षण- ता. 1, 8, 19, 22, 28
बीज बोवनी- ता 3, 4, 8, 15, 31

राशिफल

मेष - मतभेद बढ़ेगा, मेहमान आगमन।
वृष- व्यर्थ की चिंता, सहयोग मिलेगा।
मिथुन - स्थानांतरण, शरीर कष्ट, तनाव।
कर्क - प्रापर्टी से लाभ, रोग, पुत्र सुख।
सिंह - व्यर्थ विवाद, सफलता, धन लाभ।
कन्या - शुभ प्रसंग, यात्रा, परेशानी, कष्ट।
तुला - चिंता निवारण, जायजाद वृद्धि।
वृश्चिक - स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।
धनु - प्रतिष्ठा में वृद्धि, भूमि लाभ, यात्रा।
मकर- शुभ समाचार, धन लाभ, मतभेद।
कुम्भ- लाभ, श्रम अधिक, बेवजह तनाव।
मीन- पुत्र सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 1 भगवान नृसिंह प्रकटोत्सव
ता. 2 गुरु आदिशंकराचार्य जयंती
ता. 3 श्री रामानुजाचार्य जयंती
ता. 5 मां वगलामुखी जयंती
ता. 14 महर्षि देवऋषि नारद जयंती
ता. 27 शनि देव जयंती

शुभ योग

सर्वार्थसिद्धि योग-ता 2 को 6।7 बजे सायं से रातअंत तक। ता 10 को 3।1 बजे रात से रातअंत तक। ता 18 को सूर्योदय से 3।35 बजे दिन तक। ता 19 को सूर्योदय से 3।40 बजे दिन तक। ता 25 को सूर्योदय से 8।54 बजे प्रातः तक। ता 27 को सूर्योदय से 5।38 बजे प्रातः तक। ता 28 को सूर्योदय से 2।57 बजे रातअंत तक। ता 29 को 2।3 बजे रात से ता 30 को 1।29 बजे रात तक। **अमृतसिद्धि योग-** ता 14 को सूर्योदय से 10।28 बजे दिन तक। ता 23 को 12।5 बजे दिन से रातअंत तक।
रवियोग -ता 1 को सूर्योदय से रात्रि 6।59 बजे तक। ता 2 को सायं 6।7 बजे से रात्रिअंत ता 3 को सूर्योदय से सायं 5।39 बजे तक। ता 5 को सायं 6।3 बजे से ता 6 को रात्रिअंत तक, ता 7 को सूर्योदय से रात्रि 8।24 बजे तक। ता 9 को रात्रि 12।32 बजे से ता 10 को रात्रि 3।1 बजे तक। ता 11 को दिन 4।34 से रात्रि अंत तक। ता 18 को दिन 3।35 बजे से ता 19 को दिन 3।40 बजे तक। ता 29 को रात्रि 2।3 बजे से ता 30 को रात्रि 1।29 बजे तक। ता 31 को रात्रि 1।20 बजे से रात्रिअंत तक।
रविपुष्य योग- ता 4 को सूर्योदय से 5।37 बजे सायं तक।
शनिपुष्य योग- ता 31 को 1।20 रात तक।

भोपाल

	ता.					
सूर्योदय	ता.	1-5.34	7-5.30	13-5.27	19-5.25	25-5.22	30-5.21
सूर्यास्त	ता.	1-6.26	7-6.30	13-6.33	19-6.35	25-6.38	30-6.29

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 1 वैनायकी चतुर्थी व्रतं
ता. 4 गंगा सप्तमी, शर्करा सप्तमी
ता. 6 जानकी, चण्डिका नवमी
ता. 8 मोहिनी एकादशी व्रतं
ता. 9 प्रदोष व्रतं, मधूसूदन पूजन
ता. 10 कामदेव व्रतं, वैशाखी
ता. 11 कदली व्रतं
ता. 12 पूर्णिमा, बुद्ध पूर्णिमा
ता. 16 श्री गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 20 शीतला अष्टमी व्रतं

ज्योतिष मठ संस्थान प्रकाशन

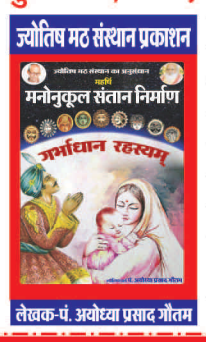

लेखक-पं. अयोध्या प्रसाद गौतम

ता. 23 अपरा एकादशी व्रतं
ता. 24 प्रदोष व्रतं
ता. 25 वटसावित्री व्रतारंभ,
ता. 25 नवतपा प्रारंभ
ता. 27 अमावस्या, वट सावित्री व्रतं
ता. 28 करवीरव्रतं
ता. 29 रम्भा तीज
ता. 30 वैनायकी चतुर्थी व्रतं

जैन व्रत पर्व

ता. 10 महावीर निर्वाणोत्सव प्रारंभ

वृष संक्रांति फलं

ज्येष्ठ कृष्ण 2 बुधवार ता. 14 को 3।44 रात से सूर्य वृष राशि में प्रवेश करेंगे। मंदाकिनी संज्ञक संक्रांति सैनिक, राजनैतिक व अधिकारी वर्ग के लिए शुभकारी है। नक्षत्र राक्षसी संज्ञक संक्रांति चंडाल वर्ग के लिए सुखद रहेगी। यह संक्रांति महिषी वाहन, ऊंट उपवाहन पर सवार होकर श्याम वस्त्र धारण किए, तीकरपात्र में दधी भक्षण करती हुई मृग वर्ण की प्रगल्भ अवस्था में उपविष्ठा स्थिति में प्रवेश कर रही है। संक्रांति के प्रभव से अनाज के मूल्य में वृद्धि के संकेत हैं। अन्य वस्तुएं के दाम स्थिर सूचक रहेंगे।

मास फल

इस माह शुक्र, शनि, राहु का त्रिग्रही योग अशांतिकारक है। इसके प्रभाव से फिल्म जगत, न्याय जगत परेशानियों से घिरा रहेगा। राहु के राशि परिवर्तन के प्रभाव से विदेशी नीतियां एवं शत्रु देश भारत को नीचा दिखाने का प्रयास कर सकते हैं। मंगल की दृष्टि केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच में खींच-तान करा सकती है। खाद्य पदार्थों में तेजी के संकेत ग्रह दे रहे हैं। आंधी-तूफान बूंदा-बांदी का दौर जारी रहेगा। गर्मी के प्रभाव में वृद्धि होगी। इस माह शनि का राशि परिवर्तन अढ़ैया शनि साढ़ेसाती के प्रभाव में बदलाव देगा।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें

प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरु नगर, भोपाल मो.-9827322068

प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम

ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com

website-www.jyotishmath.com

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 जून की

3 गु.	2 सू.बु.	1 शु.
4 चं.मं.	5 के. / 11 रा.	12 श.
6	8	10
7		9

ग्रह परिवर्तन स्थिति

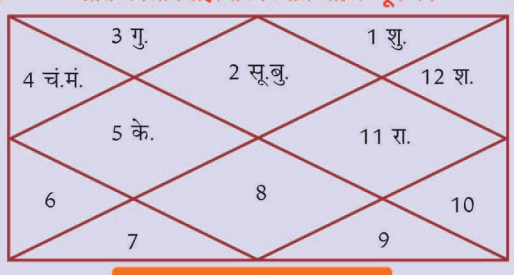

सूर्य-वृष में, ता. 15 को 1।25 दिन से मिथुन में। **मंगल**- कर्क में, ता. 9 को 10।53 रात से सिंह में। **बुध**- वृष में, ता. 6 को 10।55 दिन से मिथुन में, ता. 13 बुध उदय पश्चिम में, ता. 24 को 10।20 दिन से कर्क में। **गुरु**- मिथुन में, **शुक्र**- मेष में, ता. 28 को 4।9 दिन से वृष में। **शनि**- मीन में, **राहू**- कुंभ में, **केतु**- सिंह राशि में चंद्रमा भ्रमणरत रहेंगे।

मूल ता. 2 को 2।29 रात तक। ता. 10 को 5।45 सायं से ता. 12 को 9।33 रात तक। ता. 19 को 8।12 रात से ता. 21 को 5।5 सायं तक। ता. 28 को 9।7 दिन से ता. 30 को 10।3 दिन तक। पिछले माह से चालू मूल।

गुरु-शुक्र उदय ता. 10 को गुरू अस्त पश्चिम में।

सूर्य उत्तरायन
ता. 21 दक्षिणायन

ग्रीष्म ऋतु
ता. 22 से वर्षा ऋतु

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 16 जून की

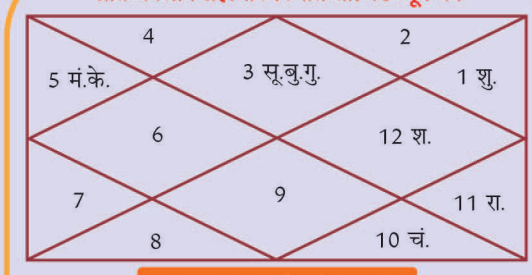

4	3 सू.बु.गु.	2
5 मं.के.	6 / 12 श.	1 शु.
7	9	11 रा.
8		10 चं.

चंद्र परिवर्तन स्थिति

ता. 1 को 1।40 बजे रात से सिंह का। ता. 4 को 10।16 बजे दिन से कन्या का। ता. 6 को 9।2 बजे रात से तुला का। ता. 9 को 8।48 बजे प्रातः से वृश्चिक का। ता. 11 को 7।49 बजे रात से धनु का। ता. 13 को 4।56 बजे रात से मकर का। ता. 16 को 11।29 बजे दिन से कुंभ का। ता. 18 को 3।49 बजे दिन से मीन का। ता. 20 को 6।42 बजे सायं से मेष का। ता. 22 को 9।2 बजे रात से वृष का। ता. 24 को 11।40 बजे रात से मिथुन का। ता. 26 को 3।31 बजे रात से कर्क का। ता. 29 को 9।20 बजे दिन से सिंह राशि का चंद्रमा रहेगा।

जून 2025

शालिवाहन संवत 1947
शंकराचार्य संवत् 2532
श्री महर्षि संवत 107

संवत् 2082
ज्येष्ठ-आषाढ़ मास

ता. 5 को गंगा दशहरा इस दिन राजा भागीरथजी के पुण्य साधना से प्रसन्न होकर गंगाजी का आगमन स्वर्ग से पृथ्वी पर हुआ था। इस दिन गंगा पूजन आदि का विधान है।

ता. 19 को ज्योतिष महर्षि प्रसिद्ध पंचांगकार एवं ज्योतिषाचार्य पं. अयोध्या प्रसाद गौतमजी की पुण्यतिथि आषाढ़ कृष्ण अष्टमी को होती है। पं. गौतमजी की पुण्य तिथि देश विदेश में उनके अनुयायी बड़ी श्रद्धा के साथ मनाते हैं।

शिव वास अग्नि वास

ता. 1, 7, 9, 16, 25, 30

उपरोक्त तारीखों में विद्वान पाठक समय का निर्धारण कर यज्ञादि कार्य करें।

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	6	12।0	रात	ज्येष्ठ शुक्लपक्ष
2	7	12।11	रात	
3	8	12।46	रात	
4	9	1।50	रात	
5	10	3।20	रात	
6	11	5।9	रात	
7	12	दिन	रात	
8	12	7।0	प्रातः	
9	13	8।59	दिन	
10	14	10।49	दिन	
11	15	12।21	दिन	
12	1	1।32	दिन	आषाढ़ कृष्णपक्ष
13	2	2।13	दिन	
14	3	2।17	दिन	
15	4	1।55	दिन	
16	5	1।9	दिन	
17	6	11।56	दिन	
18	7	10।10	दिन	
19	8	8।12	प्रातः	
20	9 10	5।59	प्रातः	
21	11	1।15	रात	
22	12	10।46	रात	
23	13	8।22	रात	
24	14	6।7	सायं	
25	30	4।5	दिन	
26	1	2।22	दिन	आषाढ़ शुक्लपक्ष
27	2	1।0	दिन	
28	3	12।4	दिन	
29	4	11।35	दिन	
30	5	11।38	दिन	

।। जय गुरु देव ।।

वार					
SUNDAY रवि	**1** वज्र योग श्लेषा 1।40 रात चन्द्रदर्शन ज्येष्ठ शुक्ल 6	**8** प्रदोष व्रतं स्वाती 12।49 दिन परिघ योग ज्येष्ठ शुक्ल 12	**15** ऐंद्र योग श्रवण 11।30 रात मिथुन संक्रांति आषाढ़ कृष्ण 4	**22** सुकर्मा योग भरणी 3।25 दिन आर्द्रा प्रवेश आषाढ़ कृष्ण 12	**29** वैनायकी चतुर्थी व्रतं श्लेषा 9।20 दिन वज्र योग आषाढ़ शुक्ल 4
MONDAY सोम	**2** मित्र सप्तमी मघा 2।29 रात ध्वांक्ष योग ज्येष्ठ शुक्ल 7	**9** दक्षिणात्य वटसावित्री व्रतारंभ विशाखा 3।22 दिन महाराणा प्रताप-छत्रसाल ज. ज्येष्ठ शुक्ल 13	**16** शुभ योग धनिष्ठा 11।21 रात सौर आषाढ़ मासारंभ आषाढ़ कृष्ण 5	**23** सोम प्रदोष व्रतं कृतिका 1।48 दिन स्थिर योग आषाढ़ कृष्ण 13	**30** सिद्धि योग मघा 10।13 दिन ध्वांक्ष योग आषाढ़ शुक्ल 5
TUESDAY मंगल	**3** धूम्र योग पूर्वा फा. 3।48 रात धूमावती जयंती ज्येष्ठ शुक्ल 8	**10** वज्र योग अनुराधा 5।45 सायं गुरु अस्त ज्येष्ठ शुक्ल 14	**17** विष्कुंभ योग शतभिषा 10।35 रात पंचक आषाढ़ कृष्ण 6	**24** मातंग्य योग रोहिणी 12।19 दिन आषाढ़ कृष्ण 14	
WEDNESDAY बुध	**4** वज्र, प्रवर्धमान योग उ. फा. दिनरात महेश नवमी ज्येष्ठ शुक्ल 9	**11** पूर्णिमा व्रत ज्येष्ठा 7।49 रात संत कबीर जयंती ज्येष्ठ शुक्ल 15	**18** प्रीति योग पू.भा. 9।30 रात पंचक आषाढ़ कृष्ण 7	**25** अमावस्या मृगशिर 11।12 दिन अमृत योग आषाढ़ कृष्ण 30	
THURSDAY गुरु	**5** गंगा दशहरा उ.फा. 5।34 प्रातः श्री रामेश्वरप्रतिष्ठा ज्येष्ठ शुक्ल 10	**12** शुभ योग मूल 9।33 रात चंद्रदर्शन आषाढ़ कृष्ण 1	**19** शीतला अष्टमी उ.भा. 8।12 रात ज्यो. महर्षि पं. गौतम पुण्य. आषाढ़ कृष्ण 8	**26** ध्रुव योग आर्द्रा 10।10 दिन पुष्ये बुधः आषाढ़ शुक्ल 1	
FRIDAY शुक्र	**6** निर्जला एकादशी व्रतं हस्त 7।46 प्रातः अमृत योग ज्येष्ठ शुक्ल 11	**13** शुक्ल योग पूर्वाषाढ़ 10।40 रात बुधोदय आषाढ़ कृष्ण 2	**20** श्रीवत्स योग रेवती 6।42 सायं पंचक समाप्त आषाढ़ कृष्ण 9,10	**27** श्री जगन्नाथ रथयात्रा पुनर्वसु 9।21 दिन चंद्र दर्शन आषाढ़ शुक्ल 2	
SATURDAY शनि	**7** बरीयान योग चित्रा 10।14 दिन कूर्म जयंती / बकरीद ज्येष्ठ शुक्ल 12	**14** गणेश चतुर्थी व्रतं उत्तराषाढ़ 11।18 रात ब्रह्म योग आषाढ़ कृष्ण 3	**21** योगिनी एकादशी व्रतं अश्विनी 5।5 सायं सूर्य दक्षिणायने आषाढ़ कृष्ण 11	**28** मित्र योग पुष्य 9।7 दिन पुष्ये शुक्रः आषाढ़ शुक्ल 3	

भद्रा

तारीख 2 को 12।11 बजे रात्रि से ता. 3 को 12।23 बजे दिन तक, ता. 6 को 4।12 बजे दिन से 5।9 बजे रात्रि तक, ता. 10 को 10।49 बजे दिन से 11।45 बजे रात्रि तक, ता. 13 को 2।25 बजे रात्रि से ता. 14 को 2।17 बजे दिन तक, ता. 17 को 11।56 बजे दिन से 11।9 बजे रात्रि ता. 20 को 4।52 बजे दिन से 3।45 बजे रात्रि। ता. 23 को 8।22 बजे रात्रि से ता. 24 को 7।9 बजे प्रातः तक, ता. 28 को 11।51 बजे रात्रि से ता. 29 को 11।35 बजे दिन तक भद्रा रहेगी।

पंचक

तारीख 16 को 11।29 बजे दिन से तारीख 20 को 6।42 बजे सायं तक पंचक रहेंगे।

मुहूर्त

विवाह- ता. 2, 4, 5, 7 तदाग्रे गुरु अस्त
नामकरण- ता. 5, 6, 16, 27
कर्णभेद - ता. 5, 6, 16, 27
गृह प्रवेश - ता. 2. 6 **गृहारंभ**- ता. 6
अन्नप्राशन- ता. 5, 8, 16, 27
कूप खनन- ता. 11 **अक्षरारंभ**- ता. 6
सीमांत पुंसवन- ता. 5 **मुंडन** ता. 6
नवीन वस्त्र- ता. 5, 6, 27
प्रसूति स्नान- ता. 5, 8, 10, 12
व्यापार आरंभ- ता. 5, 6, 19
वाहन क्रय- ता. 8, 16, 27
संपदा क्रय- ता. 2, 11, 12, 13, 27
पूंजी निवेश-ता. 8, 9, 10, 17, 27-28
शल्यक्रिया- ता. 5, 8, 9, 10, 17
वाटिका रोपण- ता. 6, 9, 10, 11, 12, 21, 28 **उपनयन**- ता. 5, 6
औषधि सेवन- ता. 5, 8, 9, 11, 12, 17, 21, 28 **देव प्रतिष्ठा**- ता. 2, 5
राज्य सेवा ग्रहण ता. 5, 6, 21, 28
यात्रा- ता. 5, 6, 9, 10, 16, 27, 28
धान्य छेदन- ता. 2, 8, 13, 16, 18, 22, 29, 30
धार्मिक अनुष्टान ता. 5, 8, 16, 19, 27
बीज बोवनी- ता 12, 18, 30
नवान्य भक्षण- ता. 5, 6, 16, 19
रोग मुक्ति स्नान - ता 25, 26

राशिफल

मेष - स्थानांतरण, शरीर कष्ट, तनाव।
वृष- पुत्र सुख, प्रापर्टी से लाभ, रोग।
मिथुन - शुभ प्रसंग, यात्रा, परेशानी, कष्ट।
कर्क - पुत्र सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट।
सिंह - शुभ समाचार, धन लाभ, मतभेद।
कन्या - व्यर्थ की चिंता, सहयोग मिलेगा।
तुला - भूमि लाभ, प्रतिष्ठा में वृद्धि, यात्रा।
वृश्चिक - स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।
धनु - मतभेद बढ़ेगा, मेहमान, आगमन।
मकर- चिंता निवारण, जायजाद वृद्धि।
कुम्भ- लाभ, श्रम अधिक, बेवजह तनाव।
मीन- सफलता, धन लाभ, व्यर्थ विवाद।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 1 बाल सुरक्षा दिवस
ता. 5 विश्व पर्यावरण दिवस
ता. 7 कूर्म जयंती, बकरीद
ता. 9 महाराणा प्रताप छत्रसाल जयंती
ता. 11 संत कबीरदास जयंती
ता. 19 ज्योतिष महर्षि पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पुण्यतिथि
ता. 21 अंतरराष्ट्रीय योग संगीत दिवस

शुभ योग

सर्वार्थसिद्धि योग- ता. 4 को सूर्योदय से रातअंत तक। ता 7 को 10।14 बजे दिन से रातअंत तक। ता 9 को 3।22 बजे दिन से रातअंत तक। ता 14 को 11।18 बजे रात्रि से रातअंत तक। ता 19 को 8।12 बजे रात्रि से रातअंत तक। ता 20 को 6।42 बजे सायं से रातअंत तक। ता 23 को 1।48 बजे दिन से रातअंत तक। ता 25 को सूर्योदय से 11।2 बजे दिन तक। ता 26 को 10 बजे दिन से ता 27 को 9।21 बजे दिन तक। **अमृतसिद्धि योग**- ता 20 को सूर्योदय से 6।42 बजे सायं तक। **रवियोग**- ता. 1 को सूर्योदय से रात्रि 1।40 बजे तक। ता 3 को रात्रि 3।48 बजे से ता 4 को रात्रिअंत तक। ता 5 को सूर्योदय से ता 6 को प्रातः 7।46 बजे तक। ता 8 को दिन 12।49 बजे से रात्रिअंत तक। ता 9 को दिन 3।22 बजे से ता 10 को सायं 5।45 बजे तक। ता 16 को रात्रि 11।21 बजे से ता 17 को रात्रि 10।35 बजे तक। ता 28 को दिन 9।7 बजे से ता 29 को दिन 9।20 बजे तक। ता 30 को दिन 10।3 बजे से रात्रिअंत तक।
शनि पुष्य योग- ता. 28 को 9।7 दिन तक।

भोपाल

सूर्योदय	ता.	1-5.20	7-5.19	13-5.18	19-5.17	25-5.17	30-5.18
सूर्यास्त	ता.	1-6.40	7-6.41	13-6.42	19-6.43	25-6.43	30-6.42

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 2 मित्र सप्तमी
ता. 4 महेश नवमी
ता. 5 गंगा दशहरा, रामेश्वरप्रतिष्ठा
ता. 6 निर्जला एकादशी व्रतं
ता. 8 प्रदोष व्रतं
ता. 9 दक्षिणात्य वटसावित्री व्रता.
ता. 11 पूर्णिमा, वटसावित्री व्रतं
ता. 14 गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 19 शीतला अष्टमी व्रतं
ता. 21 योगिनी एकादशी व्रतं
ता.23 प्रदोष व्रतं
ता.25 स्नानदान अमावस्या
ता.27 जगन्नाथ रथ यात्रा
ता.29 वैनायकी चतुर्थी व्रतं

जैन पर्व-त्योहार

ता. 24 रोहिणी व्रत
ता. 27 अशून्य शयन व्रत

Siddhi Vinayak Computers
440 Sharda Nagar, 'A' Block Road No. 15, Nariyalkheda, Bhopal (MP)
News paper, Magazine, Calendar, Panchang, Book, Booklet and other Composing Works
Contact us : Mob. : 9926980190

गौतम पंचांग घर का पंडित

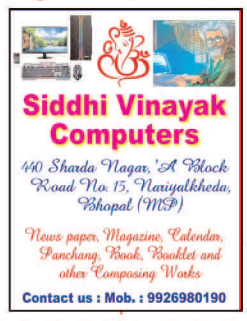

मिथुन संक्रांति फलं

आषाढ़ कृष्ण 4 रविवार ता. 15 को 1।25 दिन से सूर्य मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। घोरा संज्ञक संक्रांति निधन, दलित वर्ग के लिए शुभकारी रहेगी। श्रवण नक्षत्र संज्ञक महोदरी संक्रांति चोर-तस्करों, जमाखोरों को सुखद रहेगी। यह संक्रांति व्याघ्र वाहन, अश्व उपवाहन पर सवार होकर पीत वस्त्र धारण कर गदा लिए, खीर भक्षण करती हुई भूत वर्ण की बाल्यावस्था में उपविष्ठा स्थिति में प्रवेश कर रही है। इस संक्रांति के प्रभाव से अनाज के मूल्यों में समानता रहेगी। अन्य वस्तुओं के भाव भी स्थिरसूचक रहेंगे।

मास फल

इस माह सूय, बुध, गुरु का त्रिग्रही योग मिथुन राशि में व्यापार व्यवसाय में उठाव देगा। धार्मिक उन्माद में बढ़ोतरी के साथ नेताओं का एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी रहेगा। प्राकृतिक प्रकोप से जन-धन की हानि तथा केंद्रीय मंत्रिपरिषद में फेरबदल हो सकता है। मेष राशि के शुक्र फिल्म जगत से राजनैतिक दवाब के कारण राजनेताओं में तनातनी बढ़ेगी। सभी प्रकार के खाद्य पदार्थों में तेजी देखी जा सकती है।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें

प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरु नगर, भोपाल मो.-9827322068

प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com website-www.jyotishmath.com

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 जुलाई की

5 मं.के.चं.	4 बु. · 3 सू.गु. · 2 शु.	1
6		12 श.
7	8 · 9 · 10	11 रा.

ग्रह परिवर्तन स्थिति

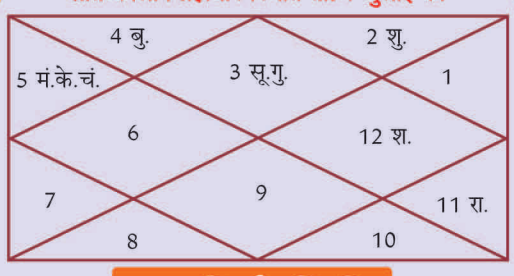

सूर्य- मिथुन में, ता. 16 को 4।41 रात से कर्क में। **मंगल-** सिंह में, ता. 31 को 7।33 प्रातः से कन्या में। **बुध-** कर्क में, ता. 15 को वक्री **गुरु-** मिथुन में, **शुक्र-** वृष में, ता. 24 को 5।1 रात से मिथुन में। **शनि-** मीन में, ता. 14 को वक्री, **राहू-** कुंभ में, **केतु-** सिंह राशि में भ्रमणरत रहेंगे।

मूल ता. 7 को 1।1 रात से ता. 9 को 4।56 रात तक। ता. 18 को 1।14 रात तक। ता. 25 को 4।58 दिन से ता. 27 को 5।40 सायंतक।

अस्त गुरु ता. 7 को उदय, शुक्र उदय, ता. 17 को बुधास्त पश्चिम में

सूर्य दक्षिणायन

वर्षा ऋतु

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 17 जुलाई की

6	5 मं.के. · 4 सू.बु. · 3 गु.	2 शु.
7		1
8	9 · 10 · 11 रा.	12 श.चं.

चंद्र परिवर्तन स्थिति

ता. 1 को 5।43 बजे सायं से कन्या का। ता. 3 को 4।14 बजे रात से तुला का। ता. 6 को 3।59 बजे दिन से वृश्चिक का। ता. 8 को 3।11 बजे रात से धनु का। ता. 11 को 12।28 बजे दिन से मकर का। ता. 13 को 7।16 बजे सायं से कुंभ का। ता. 15 को 11।52 बजे रात से मीन का। ता. 17 को 2।50 बजे रात से मेष का। ता. 19 को 5।12 बजे रात से वृष का। ता. 22 को 7।45 बजे प्रातः से मिथुन का। ता. 24 को 11।28 बजे दिन से कर्क का। ता. 26 को 5।5 बजे सायं से सिंह का। ता. 28 को 1।7 बजे रात से कन्या का। ता. 31 को 11।28 बजे दिन से तुला राशि का चंद्रमा रहेगा।

शालिवाहन संवत 1947
शंकराचार्य संवत् 2532
श्री महर्षि संवत 107

जुलाई 2025

संवत् 2082
आषाढ़-श्रावण मास

ता. 6 देवशयनी एकादशी
इस दिन से चार माह देवता विश्राम पर रहते हैं जिससे मांगलिक कार्य बंद रहते हैं, जबकि धार्मिक कार्य विशेष फल प्रदान करते हैं।

ता. 10 गुरुपूर्णिमा
आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा के दिन महर्षि वेद व्यास की पूजा होती है। शिक्षा, संस्कार तथा ज्ञान की प्राप्ति करने वाले शिष्यों के लिए यह दिन पर्व है।

शिव वास अग्नि वास
इस माह ता. 4, 7, 11, 15, 30

उपरोक्त तारीखों में विद्वान पाठक समय का निर्धारण कर यज्ञादि कार्य करें।

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	6	12।9	दिन	आषाढ़ शुक्लपक्ष
2	7	1।12	दिन	
3	8	2।39	दिन	
4	9	4।23	दिन	
5	10	6।18	सायं	
6	11	8।17	रात	
7	12	10।7	रात	
8	13	11।40	रात	
9	14	12।49	रात	
10	15	1।30	रात	
11	1	1।40	रात	श्रावण कृष्णपक्ष
12	2	1।22	रात	
13	3	12।33	रात	
14	4	11।18	रात	
15	5	9।41	रात	
16	6	7।44	रात	
17	7	5।33	सायं	
18	8	3।12	दिन	
19	9	12।45	दिन	
20	10	10।17	दिन	
21	11	7।53	प्रातः	
22	12, 13	5।37	प्रातः	
23	14	1।50	रात	
24	30	12।28	रात	
25	1	11।30	रात	श्रावण शुक्लपक्ष
26	2	1।10	रात	
27	3	1।10	रात	
28	4	11।31	रात	
29	5	12।30	रात	
30	6	1।55	रात	
31	7	3।40	रात	

वार					
SUNDAY रवि	**भद्रा** ता. 2 को 1।12 बजे दिन से 1।58 बजे रात्रि ता. 6 को 7।19 बजे प्रातः से 8।17 बजे रात्रि ता. 9 को 12।49 बजे रात्रि से ता. 10 को 1।13 बजे दिन तक, ता. 13 को 1।01 बजे दिन से 12।33 बजे रात्रि ता. 16 को 7।44 बजे रात्रि से ता. 17 को 6।43 बजे प्रातः (@)	देवशयनी एकादशी व्रतं **6** आषाढ़ शुक्ल 11 विशाखा 10।35 रात पुनर्वसे रविः	कज्जली तीज व्रतं **13** श्रावण कृष्ण 3 श्रवण 7।18 प्रातः गद योग, पंचक प्रा.	धूम्र योग **20** श्रावण कृष्ण 10 कृत्तिका 9।56 रात पुष्ये रविः	मधुश्रवा तीज **27** श्रावण शुक्ल 3 मघा 5।40 सायं मुद्गर योग
MONDAY सोम		सोम प्रदोष व्रतं **7** आषाढ़ शुक्ल 12 अनुराधा 1।1 रात वामन पूजा	श्री गणेश चतुर्थी व्रतं **14** श्रावण कृष्ण 4 धनिष्ठा 7।7 प्रातः श्रावण सोमवार व्रत	कामदा एकादशी व्रतं **21** श्रावण कृष्ण 11 रोहिणी 8।25 रात श्रावण सोमवार व्रत	दूर्वा गणपति व्रतं **28** श्रावण शुक्ल 4 पू.फा. 6।46 सायं श्रावण सोमवार व्रत
TUESDAY मंगल	स्कन्दषष्ठी **1** आषाढ़ शुक्ल 6 पूर्वा फा. 11।17 दिन धूम्र योग	मुद्गर योग **8** आषाढ़ शुक्ल 13 ज्येष्ठा 3।11 रात शुक्ल योग	मौना पंचमी **15** श्रावण कृष्ण 5 शतभिषा 6।31 प्रातः मधुश्रावणी व्रतारंभ	भो प्रदोष व्रतं **22** श्रावण कृष्ण 12,13 मृगशिर 7।5 रात ध्रुव योग	नागपंचमी **29** श्रावण शुक्ल 5 उ.फा. 8।20 रात शिव योग
WEDNESDAY बुध	वरुणी सप्तमी **2** आषाढ़ शुक्ल 7 उ.फा. 12।57 दिन बरीयान योग	ध्वज योग **9** आषाढ़ शुक्ल 14 मूल 4।56 रात ब्रह्म योग	शोभन योग **16** श्रावण कृष्ण 6 पूभा, उभा 5।35 प्रातः पंचक	मुसल योग **23** श्रावण कृष्ण 14 आर्द्रा 6।1 सायं रवि सायन सिंहे	सिद्ध योग **30** श्रावण शुक्ल 6 हस्त 10।19 रात कल्कि अवतार
THURSDAY गुरु	परिधि योग **3** आषाढ़ शुक्ल 8 हस्त 3।2 दिन	गुरू पूर्णिमा **10** आषाढ़ शुक्ल 15 पूर्वाषाढ़ दिनरात कोकिलाव्रतारंभ	शीतला सप्तमी व्रतं **17** श्रावण कृष्ण 7 रेवती 2।50 रात पंचक समाप्त	हरियाली अमावस्या **24** श्रावण कृष्ण 30 पुनर्वसु 5।17 सायं सिद्धि लयोग	इंद्र सप्तमी **31** श्रावण शुक्ल 7 चित्रा 12।39 रात गो. तुलसीदास जयंती
FRIDAY शुक्र	भड़ली नवमी **4** आषाढ़ शुक्ल 9 चित्रा 5।26 सायं शिव योग	पार्थिव शिव पूजनं **11** श्रावण कृष्ण 1 पूर्वाषाढ़ 6।13 प्रातः वैधृति योग	वज्र योग **18** श्रावण कृष्ण 8 अश्विनी 1।14 रात मन्वादि तिथि	उत्पात योग **25** श्रावण शुक्ल 1 पुष्य 4।58 दिन उत्तराफाल्गुन्यांम भौमे	(@) ता. 19 को 11।31 बजे रात्रि से ता. 20 को 10।17 बजे दिन ता. 23 को सूर्योदय से 2।43 बजे दिन ता. 28 को 11।13 दिन से 11।31 बजे रात्रि ता. 31 को 3।40 बजे रात्रि से रात्रिअंत।
SATURDAY शनि	आशा दशमी **5** आषाढ़ शुक्ल 10 स्वाती 8।10 रात सिद्धि योग	विष्कुंभ योग **12** श्रावण कृष्ण 2 उत्तराषाढ़ 6।59 प्रातः त्रिपुष्कर योग	ध्वांक्ष योग **19** श्रावण कृष्ण 9 भरणी 11।34 रात पुष्ये बुधः	चंद्रदर्शन **26** श्रावण शुक्ल 2 श्लेषा 5।5 सायं करपात्री जी जयंती	**पंचक** ता. 13 को 7।16 बजे सायं से ता. 17 को 2।50 बजे रात तक।

मुहूर्त

विवाह- गुरु अस्त चतुर्मास
नामकरण- ता. 2, 7, 11, 15, 21
कर्णभेद - ता. 7
अन्नप्राशन- ता. 2, 4, 14
कूप खनन- ता. 14
सीमांत पुंसवन- ता. 1, 13, 22, 29
नवीन वस्त्र- ता. 2, 4, 11
प्रसूति स्नान- ता. 1, 13, 22, 29
व्यापार आरंभ- ता. 2, 11, 21
वाहन क्रय- ता. 3, 4, 13, 14, 25
संपदा क्रय- ता. 7, 10, 11
पूंजी निवेश- ता. 4, 5, 6, 7, 12, 13, 14, 22, 25
देव प्रतिष्ठा- ता. 3, 8, 13, 22
वाटिका रोपण- ता. 1, 2, 6, 7, 11, 21, 22, 29
औषधि सेवन- ता. 5, 12, 13, 22
राज्य सेवा ग्रहण ता. 3, 6,
धान्य छेदन- ता. 2, 4, 10, 11, 13, 20, 25, 27
धार्मिक अनुष्टान ता. 2, 3, 7, 11, 13, 21 **यात्रा-** ता. 12, 13, 22
नवान्य भक्षण- ता. 2, 3, 7, 11, 21
बीज बोवनी- ता 1, 27, 29
रोग मुक्ति स्नान - ता 23, 24

राशिफल

मेष - व्यर्थ की चिंता, सहयोग मिलेगा।
वृष- स्थानांतरण, शरीर कष्ट, तनाव।
मिथुन - व्यर्थ विवाद, सफलता, धन लाभ।
कर्क - पुत्र सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट।
सिंह - मेहमान आगमन, मतभेद बढ़ेगा।
कन्या - शुभ प्रसंग, यात्रा, परेशानी, कष्ट।
तुला - चिंता निवारण, जायजाद वृद्धि।
वृश्चिक - भूमि लाभ, प्रतिष्ठा में वृद्धि, यात्रा।
धनु - रोग, पुत्र सुख, प्रापर्टी से लाभ।
मकर- शुभ समाचार, धन लाभ, मतभेद।
कुम्भ- लाभ, बेवजह तनाव, श्रम अधिक।
मीन- स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 1 सीए दिवस, डॉक्टर दिवस
ता. 6 पं. श्यामाप्रसाद मुखर्जी जयंती
ता. 11 विश्व जनसंख्या दिवस
ता. 23 चंद्रशेखर आजाद, तिलक जयंती
ता. 26 स्वामी करपात्री जी जयंती
ता. 27 डॉ. अब्दुल कलाम पु.ति.
ता. 31 गोस्वामी तुलसीदास जयंती

शुभ योग

सर्वार्थसिद्धि योग- ता. 2 को 12।57 बजे दिन से रातअंत तक। ता 5 को सूर्योदय से 8 बजे रात्रि तक। ता 7 को सूर्योदय से 1।1 बजे रातअंत तक। ता 12 को 6।59 बजे प्रातः से रातअंत तक। ता 17 को सूर्योदय से 2।50 बजे रात से रातअंत तक। ता 18 को रात 1।14 बजे से रातअंत तक। ता 21 को सूर्योदय से 8।25 बजे रात्रि तक। ता 24 को सूर्योदय से 5।17 बजे सायं तक। ता 30 को सूर्योदय से 10।19 बजे रात्रि तक।

अमृतसिद्धि योग- ता 21 को 8।25 बजे रात्रि से रातअंत तक। ता 24 को 5।17 बजे सायं से रातअंत तक।

रवियोग- ता 1 को सूर्योदय से दिन 11।17 बजे तक। ता 3 को दिन 3।2 बजे से ता 4 को रात्रिअंत तक, ता 5 को सूर्योदय से रात्रि 8 बजे तक। ता 6 को दिन 3।37 से रात्रिअंत तक ता 8 को रात्रि 3।11 बजे से ता 9 को रात्रि 4।56 बजे तक। ता 16 को प्रातः 5।35 बजे से रात्रिअंत ता 27 को सायं 5।40 बजे से ता 28 को सायं 6।46 बजे तक। ता 29 को रात्रि 8।20 बजे से ता 30 को रात्रि 10।19 बजे तक।

भोपाल

	ता.						
सूर्योदय	ता.	1-5.18	7-5.19	13-5.20	19-5.22	25-5.24	30-5.27
सूर्यास्त	ता.	1-6.42	7-6.41	13-6.40	19-6.38	25-6.36	30-6.33

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 1 स्कन्द षष्ठी
ता. 2 वरुणी सप्तमी
ता. 4 भड़ली नवमी
ता. 5 आशा दशमी
ता. 6 देवशयनी एकादशी
ता. 7 प्रदोष व्रतं, वामन पूजा
ता. 10 गुरु-पूर्णिमा, मन्वादि
ता. 11 पार्थिव शिवलिंग पूजा
ता. 13 कज्जली तीज व्रतं
ता. 14 गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 15 मौना पंचमी
ता. 17 शीतला सप्तमी व्रतं
ता. 21 कामदा एकादशी
ता. 22 प्रदोष व्रतं
ता. 24 हरियाली अमावस्या
ता. 27 मधुश्रवा, हरियाली तीज
ता. 28 दूर्वा गणपति व्रतं
ता. 29 नाग पंचमी
ता. 31 इंद्र सप्तमी

जैन व्रत-पर्व
ता. 10 चतुर्मास प्रारंभ

THE CLIFF NEWS
देश का पहला हिन्दी अंग्रेजी अखबार एक साथ पढ़ें।
संपादक-राजीव त्रिपाठी

कर्क संक्रांति फलं

श्रावण कृष्ण 6 बुधवार को ता. 16 को 4।41 रात से सूर्य कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। पुण्यकाल परादिवसे। मंदाकिनी संज्ञक संक्रांति सैनिक, राजनैतिक, अधिकारी वर्ग को शुभकारी रहेगी। उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र संज्ञक मंदा संक्रांति बुद्धिजीवियों के लिए सुखद है। यह संक्रांति घोटक वाहन, सिंह उपवाहन पर सवार होकर कृष्ण वस्त्र धारण किये पत्ते में चित्रान्न भक्षण करती हुई विप्र वर्ण की वृद्धावस्था में उपविष्ठा स्थिति में प्रवेश कर रही है। संक्रांति के प्रभाव से अनाज के मूल्यों में गिरावट के संकेत हैं। अन्य वस्तुओं में स्थिर भाव सूचक रहेंगे।

मास फल

इस माह सूर्य, गुरु की युति से धार्मिक क्षेत्रों में तेजी से विकास देखने को मिलेगा। धार्मिक क्षेत्रों को राजनैतिक संरक्षण प्राप्त होगा। मंगल-केतु की युति सिंह राशि पर राजनैतिक उथल-पुथल के संकेत देती है। शेयर बाजार में तेजी के साथ सोना-चांदी आदि महंगी धातुओं में महंगाई परिलक्षित होगी। कुछ पूर्वोत्तर क्षेत्रों में बाढ़ का प्रकोप हो सकता है। मंगल केतु के प्रभाव से कुछ राज्यों के मुखियों को कष्टकारी स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। संक्रमण रोगों में वृद्धि होगी।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें
प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरु नगर, भोपाल मो.-9827322068
प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम

ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com
website-www.jyotishmath.com

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

सूर्य दक्षिणायन — वर्षा ऋतु

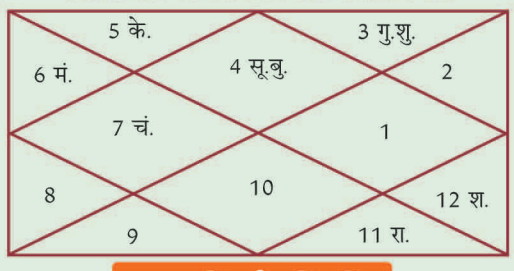

प्रातःकालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 अगस्त की

5 के., 3 गु.शु., 6 मं., 4 सू.बु., 2, 7 चं., 1, 8, 10, 12 श., 9, 11 रा.

ग्रह परिवर्तन स्थिति

सूर्य- कर्क में, ता. 17 को 4।10 दिन से सिंह में। **मंगल-** कन्या में, **वक्री बुध-** कर्क में, ता. 4 से मार्गी ता. 29 को 6।9 शाम से सिंह में। **गुरु-** मिथुन में, **शुक्र-** मिथुन में, ता. 19 को 1।31 रात से कर्क में। **वक्री शनि-** मीन में, **राहू-** कुंभ में, **केतु-** सिंह राशि में भ्रमणरत रहेंगे।

मूल ता. 4 को 8।18 दिन से ता. 6 को 12।21 दिन तक। ता. 13 को 12।24 दिन. से ता. 15 को 9।25 दिन तक। ता. 21 को 12।44 रात से ता. 23 को 1।13 रात तक।

गुरु शुक्र उदय ता. 2 को बुधोदय पूर्व में

प्रातःकालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 18 अगस्त की

6 मं., 4 बु., 7, 5 सू.के., 3 गु.शु., 8, 2 चं., 9, 11 रा., 1, 10, 12 श.

चंद्र परिवर्तन स्थिति

ता. 2 को 11।12 बजे रात से वृश्चिक का। ता. 5 को 10।31 बजे दिन से धनु का। ता. 7 को 8।1 बजे रात से मकर का। ता. 9 को 3।7 बजे रात से कुंभ का। ता. 12 को 7।55 बजे प्रातः से मीन का। ता. 14 को 10।59 बजे दिन से मेष का। ता. 16 को 1।23 बजे दिन से वृष का। ता. 18 को 3।53 बजे दिन से मिथुन का। ता. 20 को 7।25 बजे सायं से कर्क का। ता. 22 को 12।43 बजे रात से सिंह का। ता. 25 को 8।33 बजे प्रातः से कन्या का। ता. 27 को 6।43 बजे सायं से तुला का। ता. 30 को 6।20 बजे प्रातः से वृश्चिक राशि का चंद्रमा रहेगा।

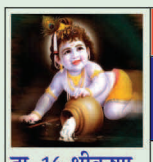

शालिवाहन संवत 1947
शंकराचार्य संवत् 2532
श्री महर्षि संवत 107

अगस्त 2025

संवत् 2082
श्रावण-भाद्रपद मास

ता. 16 श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
भाद्र. कृ. 8 तिथि तथा रोहिणी नक्षत्र वृष लग्न व वृष राशि में चंद्रमा भ्रमणकाल में अर्द्ध रात्रि के समय भगवान श्रीकृष्ण प्रकट हुए थे। इस प्रकार श्रद्धालुजन रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का प्रकटोत्सव मनाते हैं। व्रत, उपवास पूजा विधान आदि श्रद्धा के साथ करते हैं।

फुलेरा

ता. 26 हरतालिका तीज व्रतं
यह व्रत वर्ष का सबसे कठिन एवं लंबी अवधि का निर्जला व्रत है। इस दिन भगवान शिव परिवार के साथ उनके गणों की पूजा-हवन चार प्रहर रात्रि जागरण के साथ की जाती है। फूलों से बना फुलहेरा सजाया जाता है।

शिव वास अग्नि वास
ता. 3, 7, 16, 20, 28

उपरोक्त तारीखों में विद्वान पाठक समय का निर्धारण कर यज्ञादि कार्य करें।

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	8	दिन	रात	श्रावण शुक्लपक्ष
2	8	5।39	प्रातः	
3	9	7।38	प्रातः	
4	10	9।30	दिन	
5	11	11।5	दिन	
6	12	12।17	दिन	
7	13	1।0	दिन	
8	14	1।14	दिन	
9	15	12।58	दिन	
10	1	12।12	दिन	भाद्रपद कृष्णपक्ष
11	2	11।12	दिन	
12	3	9।28	दिन	
13	4 5	7।33	प्रातः	
14	6	3।3	रात	
15	7	12।36	रात	
16	8	10।9	रात	
17	9	7।46	रात	
18	10	5।31	सायं	
19	11	3।29	दिन	
20	12	1।44	दिन	
21	13	12।21	दिन	
22	14	11।22	दिन	
23	30	10।51	दिन	
24	1	10।50	दिन	भाद्रपद शुक्लपक्ष
25	2	11।19	दिन	
26	3	12।19	दिन	
27	4	1।44	दिन	
28	5	3।30	दिन	
29	6	5।29	सायं	
30	7	7।30	रात	
31	8	9।24	रात	

SUNDAY रवि				
31 राधा अष्टमी, दूर्वा अष्टमी; अनुराधा 3।27 दिन; महालक्ष्मी व्रतारंभ; भाद्रपद शुक्ल 8	**3** कुमारीपूजनं; विशाखा 5।49 प्रातः; अश्लेषायां रविः; श्रावण शुक्ल 9	**10** मातंग योग; धनिष्ठा 2।57 दिन; पंचक; भाद्रपद कृष्ण 1	**17** गोगा नवमी; कृति, रोहि 6।6 प्रातः; मघायां रविः; भाद्रपद कृष्ण 9	**24** महत्तमाख्य व्रतं; पूर्वा फा. 2।11 रात; छत्र योग; भाद्रपद शुक्ल 1

MONDAY सोम				
भद्रा ता. 4 को 10।21 बजे रात्रि से ता. 5 को 11।05 बजे दिन ता. 8 को 1।14 बजे दिन से 1।12 बजे रात्रि ता. 11 को 10।18 बजे रात्रि से ता. 12 को 9।28 बजे दिन ता. 14 को 3।3 बजे रात्रि से ता. 15 को 1।52 बजे दिन ता. 18 को 6।38 बजे प्रातः से 5।31 बजे सायं ता. 21 को 12।21 बजे दिन से 11।49 बजे रात्रि ता. 26 को 12।59 बजे रात्रि से ता. 27 को 1।44 बजे दिन तक, ता. 30 को 7।30 बजे रात्रि से रात्रिअंत तक। ता. 31 को सूर्योदय से 8।32 बजे दिन तक। **पंचक** ता. 9 को 3।7 वजे रात से ता. 14 को 10।59 वजे दिन तक।	**4** मानस योग; अनुराधा 8।18 दिन; श्रावण सोमवार व्रत; श्रावण शुक्ल 10	**11** अमृत योग; शतभिषा 2।27 दिन; विंध्याचल जयंती; भाद्रपद कृष्ण 2	**18** आनंद योग; मृगशिर 3।8 रात; वर्ष योग; भाद्रपद कृष्ण 10	**25** श्रीवत्स योग; उ.फा. 3।37 रात; चंद्र दर्शन; भाद्रपद शुक्ल 2

TUESDAY मंगल				
	5 पुत्रदा एकादशी व्रतं; ज्येष्ठा 10।31 दिन; ऐंद्र योग; श्रावण शुक्ल 11	**12** गणेश चतुर्थी व्रतं; पू.भा. 1।35 दिन; कज्जली तीज व्रतं; भाद्रपद कृष्ण 3	**19** जया एकादशी व्रतं; आद्रा 1।59 रात; वज्र योग; भाद्रपद कृष्ण 11	**26** हरितालिका तीज व्रतं; हस्त 5।31 रात; साम्यवेदीय उपाकर्म; भाद्रपद शुक्ल 3

WEDNESDAY बुध				
	6 दधिव्रतं, प्रदोष व्रतं; मूल 12।21 दिन; ध्वज योग; श्रावण शुक्ल 12	**13** बहुला चतुर्थी; उ.भा.12।24 दिन; मंशादेवी पूजनं; भाद्रपद कृष्ण 4,5	**20** प्रदोष व्रतं; पुनर्वसु 1।12 रात; गोवत्स द्वादशी; भाद्रपद कृष्ण 12	**27** वैनायकी चतुर्थी व्रतं; चित्रा दिनरात; चन्द्र दर्शन निषेध; भाद्रपद शुक्ल 4

THURSDAY गुरु				
	7 धाता योग; पूर्वाषाढ़ 1।44 दिन; विष्कुंभ योग; श्रावण शुक्ल 13	**14** हल षष्ठी व्रतं; रेवती 10।59 दिन; पंचक समाप्त; भाद्रपद कृष्ण 6	**21** शुभ योग; पुष्य 12।44 रात; युगादि तिथि; भाद्रपद कृष्ण 13	**28** ऋषि पंचमी व्रतं; चित्रा 7।49 प्रातः; शुक्ल योग; भाद्रपद शुक्ल 5

FRIDAY शुक्र				
1 दुर्गा अष्टमी व्रतं; स्वाती 3।13 रात; चन्द्रदर्शन 2 को; श्रावण शुक्ल 8	**8** ऋग्वेदीय उपाकर्म; उत्तराषाढ़ा 2।38 दिन; आनंद योग; श्रावण शुक्ल 14	**15** भानु सप्तमी; अश्विनी 9।25 दिन; स्वतंत्रता दिवस; भाद्रपद कृष्ण 7	**22** अघोर चतुर्दशी; श्लेषा 12।43 रात; पुष्ये शुक्रः; भाद्रपद कृष्ण 14	**29** सूर्यषष्ठी; स्वाती 10।20 दिन; ब्रह्म योग; भाद्रपद शुक्ल 6

SATURDAY शनि				
2 शुभ योग; विशाखा दिनरात; बुधोदय; श्रावण शुक्ल 8	**9** रक्षाबंधन, पूर्णिमा; श्रवण 3।2 दिन; श्रावणी उपाकर्म; श्रावण शुक्ल 15	**16** श्री कृष्ण जन्माष्टमी; भरणी 7।45 प्रातः; वृद्धि योग; भाद्रपद कृष्ण 8	**23** कुशोत्पाटनी अमावस्या; मघा 1।13 रात; रवि सायन कन्यायां; भाद्रपद कृष्ण 30	**30** सन्तान सप्तमी; विशाखा 12।56 दिन; शुभ योग; भाद्रपद शुक्ल 7

मुहूर्त

विवाह- चतुर्मास (मांगलिक कार्य अवरुद्ध)
नामकरण- ता. 1, 4, 7, 11, 13, 20, 25, 28, 29 **कर्णभेद** - ता. 4, 20
अन्नप्राशन- ता. 3, 4, 7, 10, 11, 13, 25, 28 **सीमांत पुंसवन-** ता. 26
कूप खनन- ता. 4, 11, 13
नवीन वस्त्र-ता. 1, 7, 13, 20, 28-29
प्रसुति स्नान- ता. 5, 26, 28, 31
गृहारंभ- ता. 4, 7, 11
व्यापार आरंभ- ता. 7, 13, 25
वाहन क्रय- ता. 1, 11, 18, 20, 28, 29
संपदा क्रय- ता. 4, 6, 7, 13, 20, 29
पूंजी निवेश- ता. 1, 2, 3, 4, 9, 11, 18, 28, 29, 30 31
शल्यक्रिया- ता. 3, 10, 26, 28, 31
वाटिका रोपण- ता. 2-7, 13, 25, 26, 29-31 **यात्रा-** ता. 3, 4, 26
औषधि सेवन- ता. 3, 5, 6, 9, 10, 20, 28, 30, 31
राज्य सेवा ग्रहण ता. 4, 18, 30
धान्य छेदन-ता.1, 6-7, 13, 15, 25, 28
धार्मिक अनुष्टान ता. 1, 4, 7, 11, 13, 18, 20, 25, 28, 29, 31
उपनयन- ता. 4, 7, 13, 18, 25
बीज बोवनी- ता 1, 5, 25, 28
रोग मुक्ति स्नान - ता 21, 24

राशिफल

मेष - शुभ समाचार, धन लाभ, मतभेद।
वृष- श्रम अधिक, लाभ, बेवजह तनाव।
मिथुन - प्राप्टी से लाभ, रोग, पुत्र सुख।
कर्क - सहयोग मिलेगा, व्यर्थ की चिंता।
सिंह - व्यर्थ विवाद, सफलता, धन लाभ।
कन्या - शुभ प्रसंग, यात्रा, परेशानी, कष्ट।
तुला - चिंता निवारण, जायजाद वृद्धि।
वृश्चिक - भूमि लाभ, प्रतिष्ठा में वृद्धि।
धनु - पुत्र सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट।
मकर- मतभेद बढ़ेगा, मेहमान, आगमन।
कुम्भ- स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।
मीन- स्थानांतरण, शरीर कष्ट, तनाव।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 9 भारत छोड़ो आंदोलन दिवस
ता. 11 विंध्याचल जयंती
ता. 15 स्वतंत्रता दिवस
ता. 16 अटल बिहारी वाजपेयी पुति
ता. 20 राजीव गांधी जयंती
ता. 21 राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस
ता. 26 भगवान वाराह जयंती

शुभ योग

सर्वार्थसिद्धि योग-ता. 4 को सूर्योदय से 8।18 बजे प्रातः तक। ता 8 को 2।38 बजे दिन से रातअंत तक। ता 9 को सूर्योदय से 3।2 बजे दिन तक। ता 12 को 1।35 बजे दिन से रातअंत तक। ता 14 को सूर्योदय से रातअंत तक। ता 15 को सूर्योदय से 9।25 बजे दिन तक। ता 24 को 2।11 बजे रात से रातअंत तक।

अमृतसिद्धि योग- ता. 18 को सूर्योदय से 3।11 बजे रात तक। ता 21 को सूर्योदय से 12।44 बजे रात तक। **त्रिपुष्कर योग** - ता. 30 को दिन 12।56 तक।

रवियोग- ता 1 को रात्रि 3।13 बजे से रात्रिअंत ता 2 को सूर्योदय से रात्रिअंत ता 3 को सूर्योदय से रात्रिअंत ता 4 को सूर्योदय से रात्रिअंत ता 5 को सूर्योदय से दिन 10।31 बजे तक। ता 7 को दिन 1।44 बजे से रात्रिअंत ता 8 को सूर्योदय से दिन 2।38 बजे तक। ता 14 को दिन 10।59 बजे से ता 15 को दिन 9।25 बजे तक। ता 25 को रात्रि 3।37 बजे से ता 26 को 5।31 बजे रात्रिअंत तक। ता 27 को रात्रि 7।50 बजे से रात्रिअंत तक, ता 28 को प्रातः 7।49 बजे से रात्रिअंत ता 29 को सूर्योदय से दिन 10।20 बजे तक।

गुरु पुष्य योग - ता. 21 को सूर्योदय से 1।44 रात्रि तक।

भोपाल
सूर्योदय ता. 1-5.28 7-5.31 13-5.34 19-5.37 25-5.41 30-5.44
सूर्यास्त ता. 1-6.32 7-6.29 13-6.26 19-6.23 25-6.19 30-6.16

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 1 दुर्गा अष्टमी व्रतं
ता. 5 पुत्रदा एकादशी व्रतं
ता. 6 दधिव्रतं, प्रदोष व्रतं
ता. 8 ऋग्वेदीय उपाकर्म
ता. 9 रक्षाबंधन, पूर्णिमा व्रतं
ता. 12 गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 14 हल षष्ठी व्रतं
ता. 16 श्री कृष्ण जन्माष्टमी
ता. 19 जया एकादशी व्रतं
ता. 20 प्रदोष व्रतं

ज्योतिष मठ संस्थान का प्रकाशन

संपादक- पं. विनोद गौतम

ता. 23 कुशोत्पाटनी अमावस्या
ता. 26 हरतालिका तीज, वाराह अव.
ता. 27 वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 28 ऋषि पंचमी व्रतं,
ता. 29 सूर्यषष्ठी, सूर्य पूजा
ता. 30 सन्तान सप्तमी
ता. 31 राधा अष्टमी, दुर्वा अष्टमी

जैन व्रत पर्व
ता. 21 पर्यूषण पर्व प्रारंभ
ता. 28 संवत्सरी महापर्व

सिंह संक्रांति फलं

भाद्रपद कृष्ण 9 रविवार ता. 17 को 4।10 दिन से दिवाकर सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। घोरा संज्ञक संक्रांति दलित, निर्धन वर्ग हेतु शुभ है। भरणी नक्षत्र संज्ञक मंदा संक्रांति बुद्धिजीवियों को सुखद रहेगी। यह संक्रांति हाथी वाहन, गधर्व उपवाहन लिए रक्तवस्त्र धारण किए, लोह पात्र में दूध भक्षण करती हुई प्रौढ़ावस्था में उपविष्ठा स्थिति में प्रवेश कर रही है। संक्रांति के प्रभाव से अनाज के मूल्यों में गिरावट होगी। परन्तु लाल वस्तुओं के दामों में वृद्धि होगी।

मास फल

इस माह गुरु, शुक्र की युति का प्रभाव तथा सूर्य पर राहु की दृष्टिपात का प्रभाव कई क्षेत्रों भूस्खलन एवं बाढ़ से परेशानी निर्मित कर सकता है। बिजली गिरने की घटनाओं के संकेत ग्रह दे रहे हैं। मच्छर जनित बीमारियों के प्रकोप में वृद्धि होगी। खाद्य पदार्थों में तेजी के संकेत ग्रह दे रहे हैं। कुछ क्षेत्रों में अल्पवृष्टि से पानी की कमी हो सकती है। परन्तु कई क्षेत्रों में बाढ़ का तांडव देखने को मिलेगा।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें

प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरु नगर, भोपाल मो.-9827322068

प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com website-www.jyotishmath.com

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

सूर्य दक्षिणायन

वर्षा ऋतु
ता. 18 से शरद ऋतु

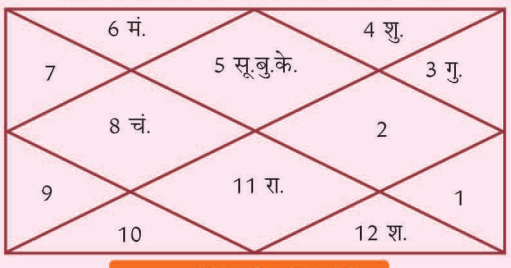

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 सितंबर की

6 मं.	5 सू.बु.के.	4 शु.
7	8 चं. / 2	3 गु.
9	11 रा.	1
10		12 श.

ग्रह परिवर्तन स्थिति

सूर्य- सिंह में, ता. 17 को 5।8 शाम से कन्या में। **मंगल-** कन्या में, ता. 15 को 10।55 रात से तुला में। **बुध-** सिंह में, ता. 16 को 11।13 दिन से कन्या में। **गुरु-** मिथुन में, **शुक्र-** कर्क में, ता. 14 को 6।1 प्रातः से सिंह में। **वक्री शनि-** मीन में, ता. 17 को 11।51 रात से कुंभ में। **राहू-** कुंभ में, **केतु-** सिंह राशि में भ्रमणरत रहेंगे।

मूल पिछले महीने से चालू मूल ता. 2 को 7।42 रात तक। ता. 9 को 8।29 रात. से ता. 11 को 5।34 सायं तक। ता. 18 को 8।34 दिन से ता. 20 को 8।49 दिन तक। ता. 27 को 10।38 रात से ता. 29 को 3।4 रात तक।

गुरु-शुक्र उदय, ता. 5 को बुध अस्त

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 18 सितंबर की

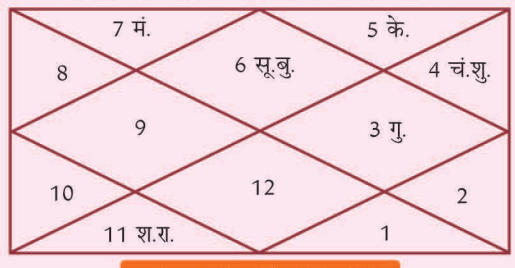

7 मं.	6 सू.बु.	5 के.
8	9 / 3 गु.	4 चं.शु.
10	12	2
11 श.रा.		1

चंद्र परिवर्तन स्थिति

ता. 1 को 5।45 बजे सायं से धनु का। ता. 3 को 3।35 बजे रात से मकर का। ता. 6 को 10।54 बजे दिन से कुंभ का। ता. 8 को 3।53 बजे दिन से मीन का। ता. 10 को 7।6 बजे सायं से मेष का। ता. 12 को 9।34 बजे रात से वृष का। ता. 14 को 11।60 बजे रात से मिथुन का। ता. 16 को 3।22 बजे रात से कर्क का। ता. 19 को 8।27 बजे प्रातः से सिंह का। ता. 21 को 4।3 बजे दिन से कन्या का। ता. 23 को 1।56 बजे रात से तुला का। ता. 26 को 1।30 बजे दिन से वृश्चिक का। ता. 28 को 1।0 बजे रात से धनु राशि का चंद्रमा रहेगा।

सितंबर 2025

संवत् 2082
भाद्रपद-आश्विन मास

शालिवाहन संवत 1947
शंकराचार्य संवत् 2532
श्री महर्षि संवत 107

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	9	11।3	रात	भाद्रपद शुक्लपक्ष
2	10	12।18	रात	
3	11	1।6	रात	
4	12	1।23	रात	
5	13	1।11	रात	
6	14	12।28	रात	
7	15	11।19	रात	
8	1	9।47	रात	आश्विन कृष्णपक्ष
9	2	7।55	रात	
10	3	5।47	सायं	
11	4	3।30	दिन	
12	5	1।6	दिन	
13	6	10।40	दिन	
14	7	8।17	प्रातः	
15	8, 9	6।2	प्रातः	
16	10	2।17	रात	
17	11	12।54	रात	
18	12	11।56	रात	
19	13	11।26	रात	
20	14	11।26	रात	
21	30	11।56	रात	
22	1	12।56	रात	आश्विन शुक्लपक्ष
23	2	2।22	रात	
24	3	4।9	रात	
25	4	दिन	रात	
26	4	6।11	प्रातः	
27	5	8।16	प्रातः	
28	6	10।13	दिन	
29	7	11।54	दिन	
30	8	1।12	दिन	

ता. 7 श्राद्ध प्रारंभ

श्राद्ध पूर्णिमा के दिन से पूर्वजों के निमित्त तर्पण प्राशन तप नियम आदि के साथ श्राद्ध तिथि पर महालय श्राद्ध व्रत प्रारंभ होते हैं। महालय श्राद्ध 16 दिन तक चलते हैं।

ता. 22 नवरात्रारंभ

अश्विनी शुक्ल प्रतिपदा के दिन नवरात्र प्रारंभ होते हैं। इस दिन कलश स्थापना, घट स्थापना की जाती है। इसमें देवी के नौ रूपों की आराधना 9 दिनों तक की जाती है।

शिव वास अग्नि वास

ता. 1, 5, 7, 8, 12, 17, 21, 26, 28

उपरोक्त तारीखों में विद्वान पाठक समय का निर्धारण कर यज्ञादि कार्य करें।

SUNDAY रवि	**पंचक** तारीख 6 को 10।54 बजे दिन से तारीख 10 को 7।6 बजे सायं तक पंचक रहेंगे।	पूर्णिमा पितृ तर्पण प्रारम्भ **7** शतभिषा 10।23 रात चंद्रग्रहण भाद्रपद शुक्ल 15	धाता योग **14** रोहिणी 12।41 दिन सप्तमी श्राद्ध आश्विन कृष्ण 7	सर्व पितृमोक्ष अमावस्या **21** पू.फा. 9।40 दिन सूर्य ग्रहण आश्विन कृष्ण 30	कांण योग **28** ज्येष्ठा 1।0 रात आश्विन शुक्ल 6
MONDAY सोम	नंदा नवमी **1** ज्येष्ठा 5।45 सायं पद्म योग भाद्रपद शुक्ल 9	श्राद्धपक्ष महालय प्रारंभ **8** पू.भा. 9।36 रात प्रथम श्राद्ध आश्विन कृष्ण 1	महालक्ष्मी अष्टमी व्रतं **15** मृगशिर 11।14 दिन अष्ठी-नौमीश्राद्ध आश्विन कृष्ण 8,9	शारदीय नवरात्रारंभ **22** उ.फा. 11।11 दिन कलश स्थापनं, श्रीवत्स योग आश्विन शुक्ल 1	पर्जन्य सप्तमी **29** मूल 3।4 रात लुम्बक योग आश्विन शुक्ल 7
TUESDAY मंगल	तेजा दशमी **2** मूल 7।42 रात दशावतार व्रतं भाद्रपद शुक्ल 10	सिद्धि योग **9** उ. भा. 8।29 रात द्वितीय श्राद्ध आश्विन कृष्ण 2	व्याघात योग **16** आर्द्रा 10।11 दिन दसमी श्राद्ध आश्विन कृष्ण 10	सौम्य योग **23** हस्त 12।50 दिन सूर्य दक्षिणगोल प्रवेश आश्विन शुक्ल 2	दुर्गाष्टमी व्रतं **30** पूर्वाषाढ़ 4।40 रात मित्र योग आश्विन शुक्ल 8
WEDNESDAY बुध	पद्मा एकाशी व्रतं **3** पूर्वाषाढ़ 9।12 रात डोल ग्यारस भाद्रपद शुक्ल 11	श्री गणेश चतुर्थी व्रतं **10** रेवती 7।6 रात तृतीया श्राद्ध आश्विन कृष्ण 3	इंदिरा एकादशी व्रतं **17** पुनर्वसु 9।7 दिन विश्वकर्मा पूजनं आश्विन कृष्ण 11	सिन्दूर तृतीया **24** चित्रा 3।1 दिन कालदंड योग आश्विन शुक्ल 3	**भद्रा** तारीख 3 को 12।47 बजे दिन से 1।6 बजे रात्रि ता. 6 को 12।28 बजे रात्रि से ता. 7 को 11।59 बजे दिन ता. 10 को 6।56 बजे प्रातः से 5।47 बजे सायं ता. 13 को 10।40 बजे दिन से 9।30 बजे रात्रि ता. 16 को 3।10 बजे दिन से 2।17 बजे रात्रि ता. 19 को 11।26 बजे रात्रि से ता. 20 को 11।24 बजे दिन ता. 25 को 2।59 बजे दिन से ता. 26 को 6।11 बजे प्रातः तक ता. 29 को 11।54 बजे दिन से 12।39 बजे रात्रि तक भद्रा रहेगी।
THURSDAY गुरु	वामन द्वादशी **4** उत्तराषाढ़ 10।13 रात सौम्य योग भाद्रपद शुक्ल 12	मानस योग **11** अश्विनी 5।34 सायं चतुर्थी श्राद्ध आश्विन कृष्ण 4	प्रदोष व्रतं **18** पुष्य 8।34 दिन द्वादशी श्राद्ध आश्विन कृष्ण 12	वैनायकी चतुर्थी व्रतं **25** स्वाती 5।29 सायं स्थिर योग आश्विन शुक्ल 4	
FRIDAY शुक्र	प्रदोष व्रतं **5** श्रवण 10।45 रात ईद भाद्रपद शुक्ल 13	मुद्गर योग **12** भरणी 3।55 दिन पंचमी श्राद्ध आश्विन कृष्ण 5	सिद्धि योग **19** श्लेषा 8।27 दिन त्रयोदशी श्राद्ध आश्विन कृष्ण 13	मातंग योग **26** विशाखा 8।5 रात विष्कुंभ योग आश्विन शुक्ल 4	
SATURDAY शनि	अनंत चतुर्दशी **6** धनिष्ठा 10।47 रात गणेश विसर्जन भाद्रपद शुक्ल 14	ध्वज योग **13** कृतिका 2।16 दिन षष्ठी श्राद्ध आश्विन कृष्ण 6	पद्म योग **20** मघा 8।49 दिन चतुर्दशी श्राद्ध आश्विन कृष्ण 14	उपांग ललिता व्रतं **27** अनुराधा 10।38 रात हस्ते रविः आश्विन शुक्ल 5	

मुहूर्त

विवाह- चतुर्मास (मांगलिक कार्य अवरुद्ध)
नामकरण- ता. 4, 5, 15, 18, 24
कर्णभेद - ता. 5, 15, 18
अन्नप्राशन- ता. 4, 24
कूप खनन- ता. 18
सीमांत पुंसवन- ता. 4, 9, 18, 23
नवीन वस्त्र- ता. 4, 18, 24, 26
प्रसूति स्नान- ता. 4, 9, 14, 18, 23
व्यापार आरंभ- ता. 4, 18
वाहन क्रय- ता. 5, 15, 18, 24
संपदा क्रय- ता. 3, 5, 15, 17, 24, 26, 27
पूंजी निवेश- ता. 5, 15, 18, 26, 27
शल्यक्रिया- ता. 14, 18, 23, 28
वाटिका रोपण- ता. 4, 9, 14, 15, 18, 23, 26, 27, 29
औषधि सेवन- ता. 18, 23, 24, 27
राज्य सेवा ग्रहण ता. 15, 18, 27
यात्रा- ता. 5, 17, 27
धान्य छेदन- ता. 3, 4, 5, 12, 15, 18, 24
धार्मिक अनुष्टान ता. 4, 5, 14, 15, 18, 24
नवान्य भक्षण- ता. 4, 5, 15
रोग मुक्ति स्नान - ता 25
बीज बोवनी- ता 18, 29

राशिफल

मेष - स्थानांतरण, शरीर कष्ट, तनाव।
वृष- स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।
मिथुन - व्यर्थ की चिंता, सहयोग मिलेगा।
कर्क - भूमि लाभ, यात्रा कष्ट, पुत्र सुख।
सिंह - व्यर्थ विवाद, सफलता, धन लाभ।
कन्या - शुभ प्रसंग, यात्रा, परेशानी, कष्ट।
तुला - जायजाद वृद्धि, चिंता निवारण।
वृश्चिक - भूमि लाभ, यात्रा, प्रतिष्ठा में वृद्धि।
धनु - प्रापर्टी से लाभ, रोग, पुत्र सुख।
मकर- धन लाभ, शुभ समाचार, मतभेद।
कुम्भ- लाभ, श्रम अधिक, बेवजह तनाव।
मीन- मतभेद बढ़ेगा, मेहमान, आगमन।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 5 शिक्षक दिवस
ता. 8 विश्व साक्षारता दिवस
ता. 14 हिन्दी दिवस
ता. 17 श्री विश्वकर्मा पूजनं
ता. 27 विश्व पर्यटन दिवस
ता. 28 भगत सिंह लता मंगेश्वर ज.
ता. 29 विश्व हृदय दिवस

शुभ योग

सर्वार्थसिद्धि योग- ता. 5 को सूर्योदय से 10।45 बजे रात्रि तक। ता 9 को सूर्योदय से 8।29 बजे रात्रि तक। ता 11 को सूर्योदय से 5।34 बजे सायं तक। ता 21 को 9।40 बजे दिन से रातअंत तक। ता 26 को 8।5 बजे रात्रि से रातअंत तक। ता 28 को 1।0 बजे रात से रातअंत तक।

अमृतसिद्धि योग- ता 13 को 2।16 बजे दिन से रातअंत तक। ता 15 को सूर्योदय से 11।14 बजे दिन तक। ता 18 को सूर्योदय से 8।34 बजे प्रातः तक।

रवियोग- ता. 1 को सायं 5।45 बजे से रात्रिअंत ता 2 को सूर्योदय से रात्रिअंत ता 3 को सूर्योदय से रात्रि 9।12 बजे तक। ता 5 को रात्रि 10।45 बजे से ता 6 को रात्रि 10।47 बजे तक। ता 12 को दिन 3।55 बजे से ता 13 को दिन 2।16 बजे तक। ता 14 को प्रातः 7।6 से रात्रिअंत ता 24 को दिन 3।1 बजे से ता 25 को सायं 5।29 बजे तक। ता 26 को 8।5 रात्रि बजे से ता 27 को रात्रि 10।38 बजे तक। ता 28 को सूर्योदय से रात्रि 1।0 बजे तक। ता 30 को रात्रि 4।40 बजे से रात्रिअंत तक।

गुरु पुष्य योग - ता. 18 को 8।34 दिन तक।

भोपाल

सूर्योदय	ता.	1-5.45	7-5.49	13-5.53	19-5.57	25-6.01	30-6.04
सूर्यास्त	ता.	1-6.15	7-6.11	13-6.07	19-6.03	25-5.59	30-5.56

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 1 महानंदा नवमी
ता. 2 तेजा दशमी, दशावतार व्रतं,
ता. 3 पद्मा एकादशी व्रतं, डोल ग्यारस
ता. 4 वामन द्वादशी
ता. 5 प्रदोष व्रतं
ता. 6 अनंत चतुर्दशी, गणेश विसर्जन,
ता. 7 पूर्णिमा पितृ तर्पण प्रा.
ता. 8 श्राद्धपक्ष महालय प्रा.
ता. 10 श्री गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 15 महालक्ष्मी अष्टमी व्रतं
ता. 17 इन्दिरा एकादशी व्रतं
ता. 18 प्रदोष व्रत
ता. 21 सर्व पितृमोक्ष अमावस्या
ता. 22 शारदीय नवरात्रि, घटस्थापना
ता. 24 सिंदूर तृतीया
ता. 25 वैनायकी चतुर्थी व्रतं
ता. 27 उपांग ललिता व्रतं
ता. 29 पर्जन्य सप्तमी
ता. 30 दुर्गाष्टमी व्रतं

जैन पर्व-पर्व

चतुर्मास मुनियों का प्रवचनकाल (एकांतवास साधना)

ज्योतिष मठ संस्थान के प्रकाशन

- पं. गौतम पंचांग
- कुंभ रहस्यम्
- संतान प्राप्ति रहस्यम्
- नवग्रह रहस्यम्
- लक्ष्मी पूजन पद्धति
- वैदिक विवाह पद्धति
- व्रत त्योहार निर्णय सूत्र
- आयुर्वेद रहस्यम्
- सौभाग्यम्

फोन करके घर बैठे प्राप्त करें।

कन्या संक्रांति फलं

आश्विन कृष्ण 11 बुधवार ता. 17 को 5।8 शाम से सूर्यदेव कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। मंदाकिनी संज्ञक संक्रांति राजनैतिक अधिकारी, सैनिक वर्ग के लिए शुभकारी रहेगी। पुष्य नक्षत्र संज्ञक ध्वांक्षी संक्रांति व्यापारी वर्ग के लिए सुखद है। यह संक्रांति व्याघ्र वाहन, अश्व उपवाहन लिए पीत वस्त्र धारण किए हाथ में गदा लिए खीर भक्षण करती हुई भूत वर्ण की बाल्यावस्था में उपविष्ठा स्थिति में प्रवेश कर रही है। संक्रांति के प्रभाव से सभी वस्तुओं के मूल्य सामान्य स्थिर सूचक रहेंगे।

मास फल

इस माह सूर्यग्रहण, चंद्रग्रहण का प्रभाव रहेगा। माह में सूर्य, बुध का बुधादित्य योग देश को नई ऊंचाईयों पर ले जाने में सहायक है। परन्तु केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच आपसी खींचतान के कारण असमंजस की स्थिति बनेगी। शनि का वक्र गति से पुनः कुंभ राशि में आने से साढ़ेसाती अढ़ैया शनि के प्रभाव में राशियों पर परिवर्तन होगा। मंगल-गुरु की युति धर्म एवं राजनीति के क्षेत्र में विशेष सहायक सिद्ध होगी। सेना के लिए यह समय अग्नि परीक्षा का होगा।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें

प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरू नगर,

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

सूर्य दक्षिणायन | शरद ऋतु

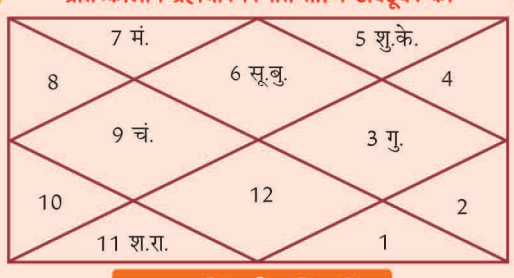

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 अक्टूबर की

ग्रह परिवर्तन स्थिति

सूर्य- कन्या में, ता. 17 को 4।3 रात से तुला में। **मंगल-** तुला में, ता. 28 को 4।49 दिन से वृश्चिक में। **बुध-** कन्या में, ता. 3 को 8।51 दिन से तुला में। ता. 23 को 2।40 रात से वृश्चिक में। **गुरु-** मिथुन में, ता. 1 को 6।58 रात से कर्क में। **शुक्र-** सिंह में, ता. 8 को 8।21 रात से कन्या में। **वक्री शनि-** कुंभ में, **राहू-** कुंभ में, **केतु-** सिंह राशि में भ्रमणरत रहेंगे।

मूल ता. 6 को 4।34 रात से ता. 8 को 1।44 रात तक। ता. 15 को 4।25 दिन से ता. 17 को 4।30 दिन तक। ता. 24 को 5।50 रात से ता. 27 को 10।24 दिन तक।

गुरु-शुक्र उदय, ता. 30 मंगल अस्त पश्चिम में।

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 18 अक्टूबर की

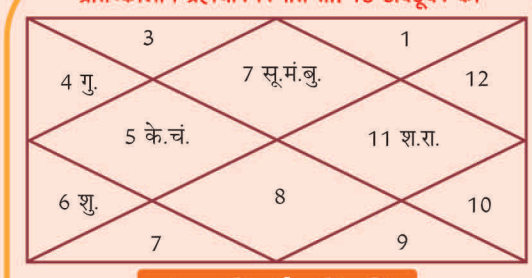

चंद्र परिवर्तन स्थिति

ता. 1 को 11।3 बजे दिन से मकर का। ता. 3 को 6।38 बजे सायं से कुंभ का। ता. 5 को 11।52 बजे रात से मीन का। ता. 7 को 3।15 बजे रात से मेष का। ता. 9 को 5।45 बजे रात से वृष का। ता. 12 को 8।8 बजे प्रातः से मिथुन का। ता. 14 को 11।21 बजे दिन से कर्क का। ता. 16 को 4।15 बजे दिन से सिंह का। ता. 18 को 11।25 बजे रात से कन्या का। ता. 21 को 9।12 बजे दिन से तुला का। ता. 23 को 8।39 बजे रात से वृश्चिक का। ता. 26 को 8।16 बजे प्रातः से धनु का। ता. 28 को 6।32 बजे सायं से मकर का। ता. 30 को 2।23 बजे रात से कुंभ राशि का चंद्रमा रहेगा।

शालिवाहन संवत 1947
शंकराचार्य संवत् 2532
श्री महर्षि संवत 107

अक्टूबर 2025

संवत् 2082
आश्विन-कार्तिक मास

ता. 6 अक्टूबर शरद पूर्णिमा
इस दिन चंद्रमा अपनी पूर्ण कलाओं के साथ पृथ्वी के नजदीक होता है। इस दिन के चंद्रमा से अलौकिक अमृतमयी किरणें निकलती हैं। जिसके प्रभाव से दूध से बनी वस्तुएं अमृतमयी हो जाती हैं। जो रोग नष्ट करती हैं।

ता. 20 दीपावली
कार्तिक अमावस्या के दिन लक्ष्मी-गणेश की पूजा होती है। उजाले का यह पर्व अंधेरे को नष्ट करके हमको सुख समृद्धि देने वाला है।

शिव वास अग्नि वास
इस माह ता. 4, 5, 11, 14, 18, 23, 26, 30

उपरोक्त तारीखों में विद्वान पाठक समय का निर्धारण कर यज्ञादि कार्य करें।
-डॉ. प्रकाश गौतम

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	9	2।1	दिन	आश्विन शुक्लपक्ष
2	10	2।22	दिन	
3	11	2।12	दिन	
4	12	1।32	दिन	
5	13	12।26	दिन	
6	14	10।56	दिन	
7	15	9।8	दिन	
8	1/2	7।2	प्रातः	कार्तिक कृष्णपक्ष
9	3	2।21	रात	
10	4	11।57	रात	
11	5	9।37	रात	
12	6	7।24	रात	
13	7	5।25	सायं	
14	8	3।39	दिन	
15	9	2।16	दिन	
16	10	1।24	दिन	
17	11	12।56	दिन	
18	12	12।54	दिन	
19	13	1।21	दिन	
20	14	2।32	दिन	
21	30	4।1	दिन	
22	1	5।51	सायं	कार्तिक शुक्लपक्ष
23	2	7।54	रात	
24	3	10।1	रात	
25	4	12।0	रात	
26	5	1।44	रात	
27	6	3।5	रात	
28	7	3।58	रात	
29	8	4।19	रात	
30	9	4।10	रात	
31	10	3।31	रात	

भद्रा

ता. 2 को 2।24 बजे रात से ता. 3 को 2।12 बजे दिन ता. 6 को 10।56 बजे दिन से 10।5 बजे रात्रि ता. 9 को 3।36 बजे दिन से 2।21 बजे रात्रि ता. 12 को 7।24 बजे रात्रि से ता. 13 को 6।24 बजे प्रातः ता. 15 को 1।49 बजे रात्रि से रात्रिअंत। ता. 16 को सूर्योदय से 1।24 बजे दिन ता. 19 को 1।21 बजे दिन से 1।57 बजे रात्रि ता. 25 को 11।6 बजे दिन से 12।0 बजे रात्रि ता. 28 को 3।58 बजे रात्रि से ता. 29 को 4।13 बजे दिन तक भद्रा रहेगी।

वार					
SUNDAY रवि	(भद्रा)	गंड योग **5** शत, पूभा 6।20 प्रातः; पंचक; आश्विन शुक्ल 13	सौम्य योग **12** मृगशिर 7।22 रात; कार्तिक कृष्ण 6	नरक चतुर्दशी **19** उ.फा. 6।22 सायं; मित्र योग; कार्तिक कृष्ण 13	ज्ञान, जया पंचमी, **26** ज्येष्ठा 8।16 दिन; पांडवपंचमी; कार्तिक शुक्ल 5
MONDAY सोम	(भद्रा)	शरद पूर्णिमा व्रतं **6** उ.भा. 4।34 रात; पंचक; गद योग; आश्विन शुक्ल 14	कालदंड योग **13** आर्द्रा 6।6 सायं; परिघि योग; कार्तिक कृष्ण 7	दीपावली, अमावस्या **20** हस्त 8।9 रात; महालक्ष्मी पूजनं; कार्तिक कृष्ण 14	सूर्यषष्ठी व्रतं **27** मूल 10।24 दिन; लुम्बक योग; कार्तिक शुक्ल 6
TUESDAY मंगल	(भद्रा)	स्नानदान पूर्णिमा **7** रेवती 3।15 रात; वाल्मिकी जयंती; आश्विन शुक्ल 15	अहोई अष्टमी **14** पुनर्वसु 5।3 सायं; स्थिर योग; कार्तिक कृष्ण 8	स्नानदान अमावस्या **21** चित्रा 10।15 रात; विष्कुंभ योग; कार्तिक कृष्ण 30	शाक सप्तमी **28** पूर्वाषाढ़ 12।7 दिन; पुष्प सप्तमी; कार्तिक शुक्ल 7
WEDNESDAY बुध	दुर्गा नवमी **1** उत्तराषाढ़ 5।50 रात; वज्र योग; आश्विन शुक्ल 9	कार्तिक स्नान प्रारम्भ **8** अश्विनी 1।44 रात; तिथि क्षय; मृत्यु योग; कार्तिक कृष्ण 1,2	मातंग योग **15** पुष्य 4।25 दिन; विशाखायां बुधः; कार्तिक कृष्ण 9	गोवर्धन पूजनं **22** स्वाती 12।39 रात; अन्नकूट; कार्तिक शुक्ल 1	गोपाष्टमी **29** उत्तराषाढ़ 1।22 दिन; वज्र योग; कार्तिक शुक्ल 8
THURSDAY गुरु	विजयादशमी, शमी पूजनं **2** श्रवण दिनरात; नीलकंठ दर्शन; आश्विन शुक्ल 10	पद्म योग **9** भरणी 12।6 रात; वज्र योग; कार्तिक कृष्ण 3	अमृत योग **16** श्लेषा 4।15 दिन; हस्ते शुक्रः; कार्तिक कृष्ण 10	भाईदोज, यमुना स्नानं **23** विशाखा 3।14 रात; चित्रगुप्त पूजनं; कार्तिक शुक्ल 2	अक्षय नवमी, **30** श्रवण 2।7 दिन; युगादितिथि, ध्वज योग; कार्तिक शुक्ल 9
FRIDAY शुक्र	पापांकुशा एकादशी व्रतं **3** श्रवण 6।29 प्रातः; पंचक प्रारंभ; धूम्र योग; आश्विन शुक्ल 11	गणेश, करवा चतुर्थी व्रतं **10** कृतिका 10।27 रात; चंद्रोदय रा. 8.31; कार्तिक कृष्ण 4	रम्भा एकादशी व्रतं **17** मघा 4।30 दिन; काणं योग; कार्तिक कृष्ण 11	राक्षस योग **24** अनुराधा 5।50 रात; स्वाते रविः; कार्तिक शुक्ल 3	आशा दशमी **31** धनिष्ठा 2।23 दिन; मन्वादि तिथि; कार्तिक शुक्ल 10
SATURDAY शनि	शनि प्रदोष व्रतं **4** धनिष्ठा 6।38 प्रातः; पद्मनाभ व्रतं; पंचक; आश्विन शुक्ल 12	श्रीवत्स योग **11** रोहिणी 8।50 रात; चित्रायां रविः; कार्तिक कृष्ण 5	प्रदोष व्रतं, धन तेरस **18** पू.फा. 5।9 सायं; गोवत्स द्वादशी; कार्तिक कृष्ण 12	वैनायकी चतुर्थी व्रतं **25** ज्येष्ठा दिनरात; मुशल योग; कार्तिक शुक्ल 4	**पंचक** ता. 3 को 6।38 बजे सायं से ता. 7 को 3।15 बजे रात। ता. 30 को 2।23 बजे रात से प्रारम्भ।

मुहूर्त

विवाह- चतुर्मास (मांगलिक कार्य बंद)
नामकरण- ता. 2, 3, 24, 29, 31
गृह प्रवेश - 23, 24, 29
अन्नप्राशन- ता. 2, 15, 24, 29, 31
कूप खनन- ता. 2, 3, 15
सीमांत पुंसवन- ता. 2, 7, 12, 26
नवीन वस्त्र- ता. 15, 23, 24, 29, 31
प्रसूति स्नान- ता. 2, 7, 12, 26, 28
वाहन क्रय- ता. 2, 3, 12, 15, 31
संपदा क्रय- ता. 2, 7, 16-17, 24, 29
पूंजी निवेश- ता. 2, 3, 4, 7, 12, 15, 24, 31 **शल्यक्रिया-** ता. 2, 12
वाटिका रोपण- ता. 11, 12, 15, 23, 24, 27, 28 **राज्य सेवा ग्रहण** ता. 24
औषधि सेवन-ता. 2, 4, 7, 12, 15, 26
कर्णभेद - ता. 2, 3, 24, 31
यात्रा- ता. 2, 3, 7, 15, 24, 31
धान्य छेदन- ता. 2, 3, 5, 9, 10, 12, 15, 27, 28 **रोग मुक्ति स्नान -** ता 25
धार्मिक अनुष्ठान ता. 2, 3, 12, 15, 24, 29, 31 **बीज बोवनी-** ता 26, 27,
नवान्य भक्षण- ता. 2, 3, 24, 29, 31

समय का शोधन कर ही सभी मुहूर्त उपयोग करने की सलाह दी जाती है।
-डॉ. प्रकाश गौतम

राशिफल

मेष - शुभ समाचार, धन लाभ, मतभेद।
वृष- शरीर कष्ट, स्थानांतरण, तनाव।
मिथुन - व्यर्थ की चिंता, सहयोग मिलेगा।
कर्क - स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।
सिंह - धन लाभ, सफलता, यर्थ विवाद।
कन्या - रोग, प्रापर्टी से लाभ, पुत्र सुख।
तुला - चिंता निवारण, जायजाद वृद्धि।
वृश्चिक - भूमि लाभ, प्रतिष्ठा में वृद्धि।
धनु - यात्रा कष्ट, पुत्र सुख, भूमि लाभ।
मकर- शुभ प्रसंग, यात्रा, परेशानी, कष्ट।
कुम्भ- श्रम अधिक, लाभ, बेवजह तनाव।
मीन- मेहमान आगमन, मतभेद बढ़ेगा।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 2 महात्मा गांधी जयंती
लाल बहादुर शास्त्री शास्त्री
ता. 7 वाल्मिकी जयंती
ता. 8 वायुसेना दिवस
ता. 10 विश्व मानसिक स्वास्थ्य दि.
ता. 15 डॉ. अब्दुल कलाम जयंती
ता. 31 सरदार वल्लभाई पटेल जयंती
ता. 16 गणेश शंकर विद्याथी जयंती

शुभ योग

सर्वार्थसिद्धि योग- ता 3 को सूर्योदय से 6।29 बजे प्रातः तक। ता 19 को सूर्योदय से 6।22 बजे सायं तक। ता 23 को 3।14 बजे रात से रातअंत तक। ता 24 को सूर्योदय से 5।50 बजे रातअंत तक। ता 26 को 8।16 बजे प्रातः से रातअंत तक।

अमृतसिद्धि योग- ता 7 को 3।15 बजे रात से रातअंत तक। ता 11 को सूर्योदय से 8।50 बजे रात्रि तक। ता 19 को 6।22 बजे सायं से रातअंत तक।

रवियोग- ता 1 को सूर्योदय से ता 2 को रात्रि 6।33 बजे तक। ता 3 को सूर्योदय से प्रातः 6।29 बजे तक। ता 5 को प्रातः 6।20 बजे से रात्रिअंत ता 12 को रात्रि 7।22 बजे से ता 13 को सायं 6।6 बजे तक। ता 23 को रात्रि 3।14 बजे से ता 24 को रात्रि 5।50 बजे तक। ता 25 को सूर्योदय से रात्रि 8।21 बजे तक। ता 26 को सूर्योदय से प्रातः 8।16 बजे तक। ता 27 को दिन 10।24 बजे से ता 28 को दिन 12।7 बजे तक। ता 30 को दिन 2।7 बजे से रात्रिअंत ता 31 को सूर्योदय से रात्रिअंत तक।

त्रिपुष्कर योग - ता. 28 को सूर्योदय से 12।17 दिन तक।

भोपाल

	ता.						
सूर्योदय	ता.	1-6.05	7-6.10	13-1.13	19-6.17	25-6.21	30-6.24
सूर्यास्त	ता.	1-5.55	7-5.50	13-5.47	19-5.43	25-5.39	30-5.36

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 1 दुर्गा नवमी
ता. 2 विजयादशमी, नीलकण्ठ दर्शन
ता. 3 पापांकुशा एकादशी व्रतं
ता. 4 प्रदोष व्रतं, पद्मनाभ व्रतं
ता. 6 शरद पूर्णिमा व्रतं, गोजागरी व्रतं
ता. 7 स्नानदान पूर्णिमा
ता. 8 कार्तिक स्नान प्रारंभ
ता. 10 गणेश चतुर्थी, करवा चौथ व्रतं
ता. 14 अहोई अष्टमी
ता. 17 रंभा एकादशी व्रतं, गोवत्स द्वादशी
ता. 18 प्रदोष व्रतं, धनतेरस

ता. 19 नरक चतुर्दशी
ता. 20 दीपावली अमावस्या
ता. 21 स्नानदान अमावस्या
ता. 22 गोवर्धन पूजा, अन्नकूट
ता. 23 भाई दोज, चित्रगुप्त पूजनं
ता. 25 वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 26 जयापंचमी, पांडवपंचमी
ता. 27 सूर्यषष्ठी व्रतं
ता. 28 शाक सप्तमी
ता. 29 गोपाष्टमी
ता. 30 अक्षय नवमी, आंवला नवमी

तुला संक्रांति फलं

कार्तिक कृष्ण 11 शुक्रवार ता. 17 को 4।3 रात से सूर्य तुला राशि में प्रवेश करेंगे। यह संक्रांति पशुपालकों के लिए लाभकारी है। पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र घोरा संज्ञक संक्रांति निर्धन वर्ग के लिए सुखद है। यह संक्रांति गदर्भ वाहन, मेष उप वाहन पर सवार होकर दंड आयुष लिए कांस्य पात्र में पकवान भक्षण करती हुई पक्षी वर्ण की युवावस्था में सुप्त अवस्था में प्रवेश कर रही है। संक्रांति के प्रभाव से अन्नादि के भाव मंदी सूचक रहेंगे।

मास फल

इस माह शनि राहु की युति का प्रभाव षडयंत्रकारी गतिविधियों के प्रभाव से हानि के संकेत देता है। आतंकीय घटनाओं में वृद्धि हो सकती है। ग्रह योगों के प्रभाव से कुछ योजनाओं को संशोधित करके नई योजनाएं चालू की जा सकती हैं। गुरु का राशि परिवर्तन अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक नए अध्याय का सूत्रपात कराएगा। धीरे-धीरे ठंड का प्रभाव परिलक्षित होता दिखाई देगा। कुछ क्षेत्रों में आंशिक बूंदा-बांदी हो सकती है। संक्रमण रोग जनमानस को प्रभावित कर सकता है।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें

प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरू नगर, भोपाल मो.-9827322068

प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम

ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com
website-www.jyotishmath.com

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 मार्च की

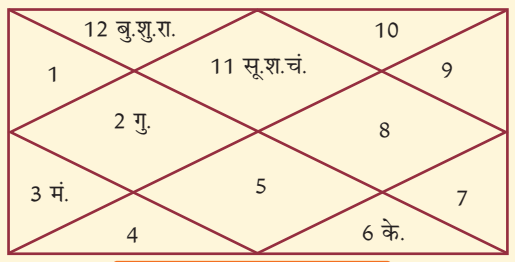

12 बु.शु.रा. | 11 सू.श.चं. | 10 | 9 | 8 | 7 | 6 के. | 5 | 4 | 3 मं. | 2 गु. | 1

ग्रह परिवर्तन स्थिति

सूर्य- कुंभ में, ता. 14 को 9।14 रात से मीन में। **मंगल**- मिथुन में, **बुध** - मीन में, ता. 20 को 6।30 दिन से वक्री, **गुरु**- वृष में, **वक्री शुक्र**- मीन में, ता. 28 को 6 बजे प्रातः से कुंभ में। **शनि** - कुंभ में, **राहू**- मीन में, **केतु**- कन्या राशि में भ्रमणरत रहेंगे।

मूल ता. 2 को 11।43 दिन से ता. 4 को 8।26 दिन तक, ता. 10 को 2।6 रात से ता. 12 को 3।57 रात तक, ता. 20 को 7।48 रात से ता. 22 को 10।56 रात तक, ता. 29 को 7।50 रात से ता. 31 को 4।35 दिन तक।

गुरु उदय, शुक्र ता. 19 को पश्चिम में अस्त, ता. 22 को पूर्व में उदय।

ज्योतिष मठ संस्थान

गौतम पंचांग

सूर्य उत्तरायन
ता. 30 हिन्दू नववर्षारंभ

शिशिर ऋतु
ता. 15 से बसंत ऋतु

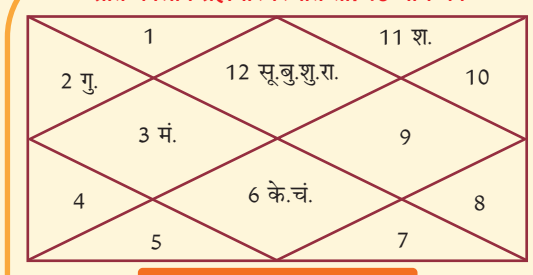

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 15 मार्च की

1 | 12 सू.बु.शु.रा. | 11 श. | 10 | 9 | 8 | 7 | 6 के.चं. | 5 | 4 | 3 मं. | 2 गु.

चंद्र परिवर्तन स्थिति

ता. 1 को 7।37 बजे प्रातः से मीन का। ता. 3 को 10।7 बजे दिन से मेष का। ता. 5 को 12।29 बजे दिन से वृष का। ता. 7 को 3।30 बजे दिन से मिथुन का। ता. 9 को 8।5 बजे रात से कर्क का। ता. 11 को 2।48 बजे रात से सिंह का। ता. 14 को 12।7 बजे दिन से कन्या का। ता. 16 को 11।21 बजे रात से तुला का। ता. 19 को 11।6 बजे दिन से वृश्चिक का। ता. 21 को 9।36 बजे रात से धनु का। ता. 24 को 6।0 बजे प्रातः से मकर का। ता. 26 को 11।49 बजे दिन से कुंभ का। ता. 28 को 3।40 बजे दिन से मीन का। ता. 30 को 6।15 बजे सायं से मेष राशि का चंद्रमा रहेगा।

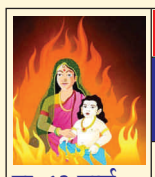

ता. 13 मार्च होलिका दहन
होलिका दहन, हिन्दुओं का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जिसमें होली के एक दिन पहले यानी पूर्व सन्ध्या को होलिका का सांकेतिक रूप से दहन किया जाता है। होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की जीत के पर्व के रूप में मनाया जाता है।

ता. 30 वासन्तीय नवरात्र प्रारंभ
इस दिन शक्ति की घट स्थापना के साथ नवरात्र व्रत प्रारंभ होंगे। इसी दिन हिन्दू नववर्ष का शुभारंभ भी होगा।

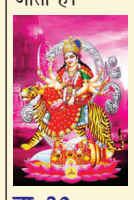

ता. 27 को वारुणी पर्व
चैत्र कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी शतभिषा से युक्त होने के कारण वारुणी पर्व बन रहा है। यह करोड़ों सूर्य ग्रहण स्नान के बराबर फल देता है। गंगादि पवित्र नदियों में स्नान का विशेष महत्व है।

शिव वास अग्नि वास
ता. 5, 11, 15, 18, 22, 26

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	2	2।33	रात	फाल्गुन शुक्लपक्ष
2	3	12।15	रात	
3	4	9।53	रात	
4	5	7।31	रात	
5	6	5।13	सायं	
6	7	3।5	दिन	
7	8	1।10	दिन	
8	9	11।34	दिन	
9	10	10।20	दिन	
10	11	9।31	दिन	
11	12	9।12	दिन	
12	13	9।23	दिन	
13	14	10।6	दिन	
14	15	11।17	दिन	
15	1	12।54	दिन	चैत्र कृष्णपक्ष
16	2	2।48	दिन	
17	3	4।53	सायं	
18	4	6।59	रात	
19	5	8।54	रात	
20	6	10।30	रात	
21	7	11।42	रात	
22	8	12।24	रात	
23	9	12।36	रात	
24	10	12।17	रात	
25	11	11।29	रात	
26	12	10।14	रात	
27	13	8।38	रात	
28	14	6।43	रात	
29	30	4।34	दिन	
30	1	2।15	दिन	चैत्र शु.प.
31	2	11।51	दिन	

शालिवाहन संवत 1946-47
शंकराचार्य संवत् 2531
श्री महर्षि संवत 107

मार्च 2025

संवत् 2081-82
फाल्गुन-चैत्र मास

वार					
SUNDAY रवि	**30** वासन्त नवरात्रारंभ, कलश स्थापनं; रेवती 6।15 सायं; गुड़ी पड़वा, चंद्रदर्शन; चैत्र शुक्ल 1	**2** मधुक तृतीया; उ. भाद्रपद 11।43 दिन; शुभ योग; फाल्गुन शुक्ल 3	**9** फगु दशमी; पुनर्वसु 1।59 रात; सौभाग्य योग; फाल्गुन शुक्ल 10	**16** भाई दोज; हस्त 10।10 दिन; वृद्धि योग; चैत्र कृष्ण 2	**23** शुभ योग; पूर्वाषाढ़ 11।46 रात; चैत्र कृष्ण 9
MONDAY सोम	**31** चैटी चंड; अश्विनी 4।35 सायं; चंद्रदर्शन, वैधृति योग; चैत्र शुक्ल 2	**3** गणेश चतुर्थी व्रतं; रेवती 10।17 दिन; पंचक समाप्त; फाल्गुन शुक्ल 4	**10** आमलकी एकादशी व्रतं; पुष्य 2।19 रात; शोभन योग; फाल्गुन शुक्ल 11	**17** गणेश चतुर्थी व्रतं; चित्रा 12।34 दिन; ध्रुव योग; चैत्र कृष्ण 3	**24** परिधि योग; उत्तराषाढ़ 12।16 रात; चैत्र कृष्ण 10
TUESDAY मंगल	**भद्रा** ता. 3 को 11।8 बजे दिन से 9।53 बजे रात्रि ता. 6 को 3।5 बजे दिन से 2।8 बजे रात्रि ता. 9 को 9।57 बजे रात्रि से ता. 10 को 9।31 बजे दिन तक, ता. 13 को 10।6 बजे दिन से 10।42 बजे रात्रि ता. 16 को 3।53 बजे रात्रि से ता. 17 को 4।53 बजे दिन तक, ता. 20 को 10।30 बजे रात्रि से ता. 21 को 11।12 बजे दिन तक, ता. 24 को 12।32 बजे दिन से 12।17 बजे रात्रि ता. 27 को 8।38 बजे रात्रि से ता. 28 को 7।47 बजे प्रातः तक। **पंचक** ता. 3 को 10।7 बजे दिन को समाप्त, ता. 26 को 11।49 बजे दिन से ता. 30 को 6।15 बजे सायं तक।	**4** अमृत योग; अश्विनी 8।26 दिन; ब्रह्म योग; फाल्गुन शुक्ल 5	**11** भोम प्रदोष व्रतं; श्लेषा 2।48 रात; सुकृत द्वादशी व्रतं; फाल्गुन शुक्ल 12	**18** व्याघात योग; स्वाती 3।10 दिन; ध्वज योग; चैत्र कृष्ण 4	**25** पापमोचनी एकादशी व्रतं; श्रवण 11।58 रात; बुढ़वा मंगल; चैत्र कृष्ण 11
WEDNESDAY बुध		**5** गोरूपणी षष्ठी; भर, कृति 6।48 प्रातः; धृति योग; फाल्गुन शुक्ल 6	**12** नन्द त्रयोदशी; मघा 3।57 रात; सुकर्मा योग; फाल्गुन शुक्ल 13	**19** रंग पंचमी; विशाखा 5।37 सायं; हर्षण योग; चैत्र कृष्ण 5	**26** सिद्धि योग; धनिष्ठा 11।24 रात; चंद्रमा कुंभ में; चैत्र कृष्ण 12
THURSDAY गुरु		**6** विष्णु सप्तमीव्रतं; रोहिणी 3।59 रात; होलाष्टकप्रारंभ; फाल्गुन शुक्ल 7	**13** व्रत की पूर्णिमा; पूर्वा फा. 5।34 रात; होलिका दहन भद्रा पश्चात; फाल्गुन शुक्ल 14	**20** एकनाथ षष्ठी; अनुराधा 7।48 रात; रवि साधन योग; चैत्र कृष्ण 6	**27** प्रदोष व्रतं; शतभिषा 10।30 रात; मास शिवरात्रि, वारुणी पर्व; चैत्र कृष्ण 13
FRIDAY शुक्र		**7** प्रीति योग; मृगशिर 2।58 रात; मानस योग; फाल्गुन शुक्ल 8	**14** धुरेंडी, पूर्णिमा; उत्तरा फा. दिनरात; चंद्रग्रहण विदेशों में; फाल्गुन शुक्ल 15	**21** सिद्धि योग; ज्येष्ठा 9।36 रात; चर योग; चैत्र कृष्ण 7	**28** केदार दर्शन; पूर्व भाद्रपद 9।16 रात; गुड फ्रायडे; चैत्र कृष्ण 14
SATURDAY शनि	**1** साध्य योग; पूर्व भाद्रपद 1।12 दिन; ज. रामकृष्ण परमहंस; फाल्गुन शुक्ल 2	**8** आयुष्मान योग; आर्द्रा 2।16 रात; मुद्गर योग; फाल्गुन शुक्ल 9	**15** रंगोत्सव प्रा.; उत्तरा फा. 7।36 प्रातः; वसन्तोत्सव कुसुमाकर प्रारंभ; चैत्र कृष्ण 1	**22** शीतला अष्टमी; मूल 10।56 रात; शक संवत 1947 प्रा.; चैत्र कृष्ण 8	**29** स्नानदान श्राद्ध अमावस्या; उत्तर भाद्रपद 7।50 रात; सूर्य ग्रहण विदेश में; चैत्र कृष्ण 30

मुहूर्त

- **विवाह**- ता. 1, 2, 6 तदाग्रे होलाष्टक प्रा.
- **नामकरण**- ता. 10, 20, 23, 24
- **कर्णभेद** - ता. 6, 10 **वस्तु क्रय**- ता. 3
- **गृह प्रवेश**- ता. 5, 6 **अक्षरारंभ**- ता. 10
- **अन्नप्राशन**- ता. 6, 23
- **सीमांत पुंसवन**- ता. 6, 24
- **नवीन वस्त्र**- ता. 6, 19, 20, 26
- **प्रसूति स्नान**- ता. 4, 6, 13, 23
- **गृहारंभ**- ता. 10 **उपनयन**- ता. 10
- **व्यापार आरंभ**- ता. 6, 10, 20, 23
- **वाहन क्रय**- ता. 10, 20, 26
- **शल्यक्रिया**- ता. 3, 6, 20, 23
- **वाटिका रोपण**- ता. 6, 8, 20
- **औषधि सेवन**- ता. 8, 10, 20, 26
- **नवान्य भक्षण**- ता. 8, 10
- **वधू प्रवेश**- ता 3, 6, 10
- **द्विरागमन** - ता. 3, 6, 10
- **आभूषण निर्माण** - ता. 3, 24
- **वस्तु विक्रय**- ता. 11, 18, 19, 23
- **शस्त्र निर्माण** - ता. 3, 11, 18

होलाष्टक- ता. 6 से प्रारंभ-शास्त्रानुसार व्यास, रावी, त्रिपुष्कर आदि क्षेत्रों में होलाष्टक दोष माना जाता है। अन्य क्षेत्रों में इसका दोष नहीं माना जाता है।

राशिफल

- **मेष** - जायजाद वृद्धि, चिंता निवारण।
- **वृष**- भूमि लाभ, प्रतिष्ठा में वृद्धि, यात्रा।
- **मिथुन** - सहयोग मिलेगा, व्यर्थ की चिंता।
- **कर्क** - शुभ प्रसंग, यात्रा, परेशानी, कष्ट।
- **सिंह** - सफलता, धन लाभ, व्यर्थ विवाद।
- **कन्या** - पुत्र सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट।
- **तुला** - स्थानांतरण, शरीर कष्ट, तनाव।
- **वृश्चिक** - स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।
- **धनु** - मतभेद बढ़ेगा, मेहमान, आगमन।
- **मकर**- शुभ समाचार, धन लाभ, मतभेद।
- **कुम्भ**- प्रापर्टी से लाभ, रोग, पुत्र सुख।
- **मीन**- श्रम अधिक, लाभ, बेवजह तनाव।

प्रमुख दिवस, जयंती

- ता. 1 श्रीरामकृष्ण परमहंस जयंती
- ता. 5 पंचायती राज दिवस
- ता. 14 चेतन्य महाप्रभु जयंती
- ता. 15 उपभोक्ता संरक्षण दिवस
- ता. 22 विश्व जल दिवस, ज्योतिष दिवस
- ता. 23 श्री सरदार भगतसिंह आदि श.दि.
- ता. 28 गुड फ्रायडे
- ता. 30 गुड़ी पड़वा

शुभ योग

सर्वार्थ सिद्धि योग - ता. 2 को सूर्योदय से 11।43 बजे दिन तक। ता 5 को 6।48 बजे प्रातः से रातअंत तक। ता 10 को सूर्योदय से 2।9 बजे रातअंत तक। ता 11 को सूर्योदय से 2।48 बजे रातअंत तक। ता. 16 को सूर्योदय से 10।0 बजे दिन तक, ता 20 को सूर्योदय से 7।48 बजे रात्रि तक। ता 23 को 11।46 बजे रात्रि से रातअंत तक। ता 24 को 12।6 बजे रात से रातअंत तक। ता 30 को 6।15 बजे सायं से रातअंत तक। **अमृतसिद्धि योग**- ता 4 को सूर्योदय से 8।26 बजे प्रातः तक। ता 16 को सूर्योदय से 10।0 बजे दिन तक। ता 19 को 5।37 बजे सायं से रातअंत तक। **रवियोग**- ता 2 को दिन 11।43 बजे से रात्रिअंत ता 3 को सूर्योदय से दिन 10।7 बजे तक। ता 4 को प्रातः 8।26 बजे से रात्रिअंत ता 5 को प्रातः 6।48 बजे से रात्रिअंत ता 7 को रात्रि 2।58 बजे से रात्रिअंत ता 8 को सूर्योदय से रात्रिअंत ता 9 को सूर्योदय से रात्रि 1।59 बजे तक। ता 11 को रात्रि 2।48 बजे से रात्रिअंत ता 12 को सूर्योदय से रात्रि 3।57 बजे तक। ता 20 को रात्रि 7।48 बजे से रात्रिअंत ता 21 को सूर्योदय से रात्रि 9।36 बजे तक। **त्रिपुष्कर योग** - ता. 1 को सूर्योदय से 1।12 दिन तक। **रविपुष्य योग**- ता 10 को सूर्योदय से 2।9 रात तक।

भोपाल

सूर्योदय ता.	1-6.13	7-6.09	13-6.05	19-6.01	25-5.57	30-5,54
सूर्यास्त ता.	1-5.47	7-5.51	13-5.55	19-5.59	25-6.03	30-6.06

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

- ता. 2 मधुक तृतीया
- ता. 3 वैनायकी चतुर्थी व्रतं
- ता. 5 गोरूपणी षष्ठी
- ता. 6 विष्णु सप्तमी, होलाष्टक प्रा.
- ता. 9 फगु दशमी
- ता. 10 आमलकी एकादशी व्रतं
- ता. 11 प्रदोष व्रतं
- ता. 12 नन्द त्रयोदशी
- ता. 13 व्रत की पूर्णिमा, होलिका द.
- ता. 14 स्नानदान पूर्णिमा

ज्योतिष मठ संस्थान प्रकाशन

लेखक - पं.अयोध्या प्रसाद गौतम

- ता. 15 धुरेंडी, होली उत्सव
- ता. 16 भाई दोज, चित्रगुप्त पूजा
- ता. 17 श्री गणेश चतुर्थी व्रतं
- ता. 19 रंग पंचमी
- ता. 20 एकनाथ षष्ठी
- ता. 22 शीतला अष्टमी
- ता. 25 पापमोचनी एकादशी व्रतं
- ता. 27 प्रदोष व्रतं, मास शिवरात्रि
- ता. 29 स्नानदान श्राद्ध अमावस्या
- ता. 30 नवरात्रारंभ, कलश स्थापनं

मीन संक्रांति फलं

फाल्गुन शुक्ल 15 शुक्रवार को ता. 14 को 9।14 रात से सूर्य मीन राशि में प्रवेश करेंगे। वार संज्ञक संक्रांति के प्रभाव से पशुपालक एवं तत्संबंधी उत्पादकों को लाभ होगा। उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में मंदा संज्ञक संक्रांति बुद्धिजीवियों के लिए भी सुखद रहेगी। यह संक्रांति व्याघ्र वाहन पर सवार होकर अश्व उपवाहन लिए, पीत वस्त्र धारण कर खीर भक्षण करती हुई बाल्यावस्था की बैठी हुई स्थिति में प्रवेश करेगी। संक्रांति के प्रभाव से अनाज के मूल्यों में गिरावट के संकेत हैं, अन्य वस्तुओं के भाव स्थित रहेंगे।

मास फल

इस माह मीन राशि पर चतुर्ग्रही योग का प्रभाव देश-दुनिया में अशांतिकारक है। यह योग अशुभ माना जाता है। इसके प्रभाव से आतंकीय घटनाओं की संभावना है। देश के खिलाफ बड़ी साजिश का फंडाफोड़ हो सकता है। संक्रमण रोगों के प्रभाव में वृद्धि संभव है। कुछ क्षेत्रों में असमय वर्षा एवं तेज हवाओं से कृषि क्षेत्र में हानि की संभावना बन रही है। स्वराशि का शनि न्याय व्यवस्था में कसावट लाएगा। साथ ही लोहे के दाम बढ़ेंगे। सभी धातुओं के साथ शेयर में तेजी-मंदी की स्थिति रहेगी।

ज्योतीषीय परामर्श हेतु संपर्क करें

प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरु नगर, भोपाल मो.-9827322068

प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com website-www.jyotishmath.com

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

प्रात :कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 दिसंबर की

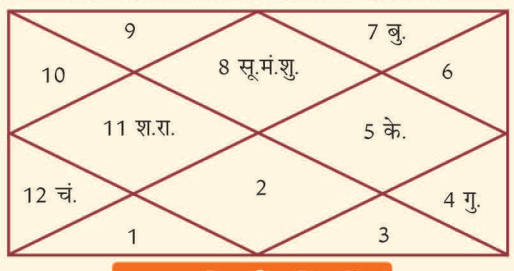

(कुंडली: 9; 7 बु.; 10; 8 सू.मं.शु.; 6; 11 श.रा.; 5 के.; 12 चं.; 2; 4 गु.; 1; 3)

ग्रह परिवर्तन स्थिति

सूर्य- वृश्चिक में, ता. 16 को 1।40 दिन से धनु में। **मंगल-** वृश्चिक में, ता. 7 को 2।41 दिन से धनु में। **बुध-** तुला में, ता. 7 को 9।51 रात से वृश्चिक में। ता. 29 को 3 बजे रात से धनु में। **वक्री गुरु-** कर्क में, ता. 31 को 1।45 दिन से मिथुन में। **शुक्र-** वृश्चिक में, ता. 20 को 7।18 प्रातः से धनु में। **शनि-** कुंभ में, **राहू-** कुंभ में, **केतु-** सिंह में,

मूल ता. 2 को 6।4 सायं तक। ता. 9 को 8।18 दिन से ता. 11 को 7।53 प्रातः तक। ता. 18 को 8।13 रात से ता. 20 को 1।2 रात तक। ता. 27 को 4।45 रात से ता. 29 को 2।14 रात तक। ता. 13 को शुक्र अस्त पूर्वे:।

गुरु शुक्र उदय, ता. 13 को शुक्र अस्त 2।6 रात्रि

ज्योतिष मठ संस्थान

सूर्य दक्षिणायन

हेमंत ऋतु

प्रात :कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 17 जुलाई की

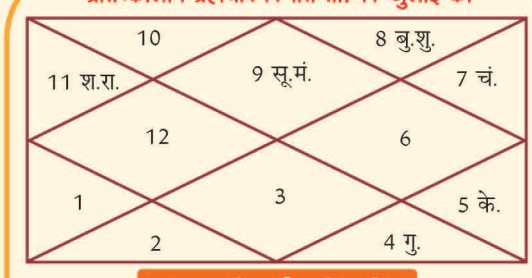

(कुंडली: 10; 8 बु.शु.; 11 श.रा.; 9 सू.मं.; 7 चं.; 12; 6; 1; 3; 5 के.; 2; 4 गु.)

चंद्र परिवर्तन स्थिति

ता. 1 को 7।29 बजे रात से मेष का। ता. 3 को 10।8 बजे रात से वृष का। ता. 5 को 12।27 बजे रात से मिथुन का। ता. 7 को 3।25 बजे रात से कर्क का। ता. 10 को 7।52 बजे प्रातः से सिंह का। ता. 12 को 2।39 बजे दिन से कन्या का। ता. 14 को 11।49 बजे रात से तुला का। ता. 17 को 10।59 बजे दिन से वृश्चिक का। ता. 19 को 10।45 बजे रात से धनु का। ता. 22 को 9।27 बजे दिन से मकर का। ता. 24 को 5।46 बजे सायं से कुंभ का। ता. 26 को 11।42 बजे रात से मीन का। ता. 28 को 3।37 बजे रात से मेष का। ता. 30 को 6।18 बजे रात से वृष राशि का चंद्रमा रहेगा।

दिसंबर 2025

संवत् 2082
मार्गशीर्ष-पौष मास

शालिवाहन संवत 1947
शंकराचार्य संवत् 2532
श्री महर्षि संवत 107

वर्षभर की मंगल कामना के साथ यह पंचांग अपने मित्रों व संबंधियों को भेंट करें।

-ज्योतिषाचार्य अयोध्या प्रसाद गौतम

अपने बुक सेलर से यह पंचांग मंगाएं।

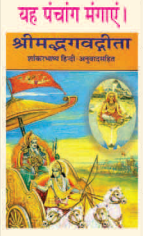

ता. 1 गीता जयंती
मार्गशीर्ष शुक्ल 11 (मोक्षदा एकादशी) व्रत के दिन गीता जयंती मनाने की परंपरा है। इसी दिन श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था।

शिव वास अग्नि वास
इस माह ता. 2, 5, 9, 16, 21, 25, 28

उपरोक्त तारीखों में विद्वान पाठक समय का निर्धारण कर यज्ञादि कार्य करें।
-डॉ. प्रकाश गौतम

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	11	1।57	दिन	मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष
2	12	11।54	दिन	
3	13	9।40	दिन	
4	14, 15	7।20	प्रातः	
5	1	2।39	रात	पौष कृष्ण पक्ष
6	2	12।30	रात	
7	3	10।35	रात	
8	4	8।57	रात	
9	5	7।41	रात	
10	6	6।51	सायं	
11	7	6।29	सायं	
12	8	6।37	सायं	
13	9	7।15	रात	
14	10	8।23	रात	
15	11	9।59	रात	
16	12	11।54	रात	
17	13	2।2	रात	
18	14	4।13	रात	
19	30	6।15	रात	
20	1	दिन	रात	पौष शुक्ल पक्ष
21	1	8।0	प्रातः	
22	2	9।20	दिन	
23	3	10।10	दिन	
24	4	10।30	दिन	
25	5	10।18	दिन	
26	6	9।39	दिन	
27	7	8।32	प्रातः	
28	8, 9	7।3	प्रातः	
29	10	3।9	रात	
30	11	12।54	रात	
31	12	10।34	रात	

वार					
SUNDAY रवि	**पंचक** ता. 1 को 7।29 बजे रात तक। ता. 24 को 5।46 बजे सायं से ता. 28 को 3।37 बजे रात तक।	ध्वांक्ष योग **7** आर्द्रा 10।16 दिन; वृश्चिके बुध:; पौष कृष्ण 3	मानस योग **14** हस्त 10।51 दिन; सौभाग्य योग; पौष कृष्ण 10	शुभ योग **21** पूर्वाषाढ़ 2।59 रात; चंद्र दर्शन; पौष शुक्ल 1	प्रवर्ध योग **28** रेवती 3।37 रात; तिथि क्षय, पंचक समाप्त; पौष शुक्ल 8,9
MONDAY सोम	मोक्षदा एकादशी व्रतं **1** रेवती 7।29 रात; पंचक समाप्त; गीता जयंती; मार्गशीर्ष शुक्ल 11	श्री गणेश चतुर्थी व्रतं **8** पुनर्वसु 9।7 दिन; ब्रह्म योग; पौष कृष्ण 4	सफला एकादशी व्रतं **15** चित्रा 12।48 दिन; शोभन योग; पौष कृष्ण 11	ध्रुव योग **22** उत्तराषाढ़ 4।29 रात; मृत्यु योग; पौष शुक्ल 2	शिव योग **29** अश्विनी 2।14 रात; बुधास्त पूर्वे; पौष शुक्ल 10
TUESDAY मंगल	भोम प्रदोष व्रतं **2** अश्विनी 6।4 सायं; जनार्दन पूजनं; मार्गशीर्ष शुक्ल 12	ऐंद्र योग **9** पुष्य 8।18 दिन; ज्येष्ठायां शुक्र:; पौष कृष्ण 5	ध्वज योग **16** स्वाती 3।5 दिन; त्रिपुष्कर योग; पौष कृष्ण 12	लुम्बक योग **23** श्रवण 5।29 रात; उत्पात योग; पौष शुक्ल 3	पुत्रदा एकादशी व्रतं **30** भरणी 12।40 रात; सिद्धि योग; पौष शुक्ल 11
WEDNESDAY बुध	अनंग त्रयोदशी **3** भरणी 4।30 दिन; ज्येष्ठायां रवि:; परिघि योग; मार्गशीर्ष शुक्ल 13	वैधृति योग **10** अश्लेषा 7।52 प्रातः; राक्षस योग; पौष कृष्ण 6	प्रदोष व्रतं **17** विशाखा 5।36 सायं; सुकर्मा योग; पौष कृष्ण 13	वैनायकी चतुर्थी व्रतं **24** धनिष्ठा 5।58 रात; पंचक प्रारंभ; पौष शुक्ल 4	प्रदोष व्रतं **31** कृतिका 11।01 रात; साध्य योग; पौष शुक्ल 12
THURSDAY गुरु	पूर्णिमा, शिव चतुर्दशी **4** कृतिका 2।50 दिन; दत्त जयंती; शिव योग; मार्गशीर्ष शुक्ल 14,15	विष्कुंभ योग **11** मघा 7।53 प्रातः; अनुराधायां बुध:; पौष कृष्ण 7	आनंद योग **18** अनुराधा 8।13 रात; धृति योग; पौष कृष्ण 14	वज्र योग **25** शतभिषा 5।59 रात; क्रिसमस डे, पंचक; पौष शुक्ल 5	**भद्रा** ता. 1 को सूर्योदय से 1।59 दिन तक, ता. 4 को 7।20 बजे प्रातः से 6।12 बजे सायं ता 7 को 11।35 बजे दिन से 10।35 बजे रात्रि तक, ता 10 को 6।51 बजे सायं से 6।36 बजे रात्रि। ता 14 को 7।46 बजे प्रातः से 8।23 बजे रात्रि ता. 17 को 2।2 बजे रात्रि से ता 18 को 3।11 बजे दिन ता 23 को 10।26 बजे रात्रि से ता. 24 को 10।30 बजे दिन, ता 27 को 8।32 बजे दिन से 7।52 बजे रात्रि ता 30 को 2।7 बजे दिन से 12।54 बजे रात्रि तक।
FRIDAY शुक्र	मित्र योग **5** रोहिणी 1।13 दिन; सिद्धि योग; पौष कृष्ण 1	अष्टका श्राद्धं **12** पूर्वा फा. 8।23 दिन; रुक्मणी अष्टमी; पौष कृष्ण 8	स्नानदान अमावस्या **19** ज्येष्ठा 10।45 रात; शूल योग; पौष कृष्ण 30	ध्वांक्ष योग **26** पूर्व भा. 5।34 रात; पंचक; पौष शुक्ल 6	
SATURDAY शनि	वज्र योग **6** मृगशिर 11।39 दिन; द्विपुष्कर योग; पौष कृष्ण 2	आयुष्मान योग **13** उ. फा. 9।23 दिन; शुक्र अस्त पूर्वे में; पौष कृष्ण 9	गंड योग **20** मूल 1।2 रात; तिथि वृद्धि; पौष शुक्ल 1	उभय सप्तमी **27** उ.भा. 4।45 रात; धूम्र योग, पंचक; पौष शुक्ल 7	

मुहूर्त

विवाह-ता. 1, 4, 5, 6, 10 तदाग्रे शुक्रास्त धनु संक्रांति।
नामकरण- ता. 1, 4, 5, 8, 12, 22, 24, 25 **कर्णभेद** - ता. 1, 5, 8, 24
अन्नप्राशन- ता. 4, 7, 8, 22, 24, 25
कूप खनन- ता. 1, 24, 25
सीमांत पुंसवन- ता. 9, 23, 28
नवीन वस्त्र- ता. 4, 5, 12
प्रसूति स्नान- ता. 4, 7, 9, 23, 28
व्यापार आरंभ- ता. 1, 4, 5, 8, 12, 22
वाहन क्रय-ता.1, 5, 7-8, 14, 24-25
संपदा क्रय- ता. 5, 10, 11, 12, 25
पूंजी निवेश- ता. 1, 5, 6, 7, 8, 9, 23, 24, 25, 28 **बीज बोवनी**- ता 13, 14
शल्यक्रिया- ता. 4, 9, 14, 23, 25
वाटिका रोपण- ता. 4-6, 8, 9, 12, 27
औषधि सेवन- ता. 6, 7, 9, 23-25, 28
राज्य सेवा ग्रहण ता. 1, 5, 6, 8, 13
यात्रा- ता. 1, 5, 6, 8, 9, 23, 24
धान्य छेदन- ता. 4, 8, 10, 11, 12, 24, 26, 31
धार्मिक अनुष्टान ता. 1, 5, 7, 12, 14, 22, 24, 25, 28
नवान्य भक्षण-ता. 1, 4, 5, 12, 22, 24
रोग मुक्ति स्नान - ता 18, 20, 21, 24

मुहूर्तों को उपयोग में लेने के पूर्व समय का निर्धारण कर लें।

राशिफल

मेष - धोखा परेशानी, स्वास्थ्य चिंता।
वृष- स्थानांतरण, शरीर कष्ट, तनाव।
मिथुन - प्रापर्टी से लाभ, रोग, पुत्र सुख।
कर्क - पुत्र सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट।
सिंह - व्यर्थ विवाद, सफलता, धन लाभ।
कन्या - शुभ प्रसंग, यात्रा, परेशानी, कष्ट।
तुला - धन लाभ, शुभ समाचार, मतभेद।
वृश्चिक - भूमि लाभ, प्रतिष्ठा में वृद्धि।
धनु - सहयोग मिलेगा, व्यर्थ की चिंता।
मकर- जायजाद वृद्धि, चिंता निवारण।
कुम्भ- श्रम अधिक, लाभ, बेवजह तनाव।
मीन- मतभेद बढ़ेगा, मेहमान आगमन।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 1 गीता जयंती
ता. 3 भोपाल गैस त्रासदी दिवस
विश्व दिव्यांग दिवस
ता. 10 मानवाधिकार दिवस
ता. 14 ऊर्जा बचत दिवस
ता. 23 किसान दिवस
ता. 25 क्रिसमस डे

शुभ योग

सर्वार्थसिद्धि योग- ता 3 को 4।30 बजे दिन से रातअंत तक। ता 8 को 9।7 बजे दिन से रातअंत तक। ता 9 को 8।18 बजे प्रातः से रातअंत तक। ता 18 को सूर्योदय से 8।13 बजे रात्रि तक। ता 21 को 2।59 बजे रात से रातअंत तक। ता 22 को 4।29 बजे रात से रातअंत तक। ता 28 को 3।37 बजे रात से रातअंत तक। ता 30 को 12।40 बजे रात से रातअंत तक। ता 31 को सूर्योदय से 11।3 बजे रात्रि तक।
अमृतसिद्धि योग- ता 2 को सूर्योदय से 6।4 बजे सायं तक। ता 14 को सूर्योदय से 10।51 बजे दिन तक। ता 17 को 5।36 बजे सायं से रातअंत तक।
रवियोग-ता 2 को सायं 6।4 बजे से रात्रिअंत ता 3 को सूर्योदय से दिन 4।30 बजे तक। ता 4 को सूर्योदय से दिन 2।50 बजे तक। ता 10 को प्रातः 7।52 बजे से ता 11 को प्रातः 7।53 बजे तक। ता 22 को रात्रि 4।29 बजे से ता 23 को रात्रि 5।29 बजे तक। ता 24 को रात्रि 5।58 बजे से ता 25 को 5।59 बजे रात्रि अंत तक। ता 27 को रात्रि 4।45 बजे से रात्रिअंत ता 28 को सूर्योदय से ता 30 को रात्रि 12।40 बजे तक। **मंगल पुष्य योग** - ता 9 को 8।18 दिन तक।

भोपाल

सूर्योदय	ता.	1-6.40	7-6.41	13-6.42	19-6.43	25-6.43	30-6.42
सूर्यास्त	ता.	1-5.20	7-5.19	13-5.18	19-5.17	25-5.17	30-5.18

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 1 मोक्षदा एकादशी व्रतं
ता. 2 प्रदोष व्रतं,
ता. 3 अनंग त्रयोदशी
ता. 4 पूर्णिमा शिव चतुर्दशी
ता. 8 गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 12 अष्टका श्राद्धं, रुखमणि अष्टमी
ता. 15 सफला एकादशी
ता. 17 प्रदोष व्रतं
ता. 19 स्नानदान अमावस्या

ता. 24 वैनायकी चतुर्थी व्रतं
ता. 17 उभय सप्तमी
ता. 30 पुत्रदा एकादशी व्रतं
ता. 31 प्रदोष व्रतं

जैन व्रत पर्व
ता. 14 श्रीपाश्र्वनार्थ जन्मोत्सव

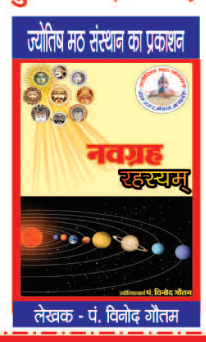

अगले वर्ष का पंचांग अपने नजदीकी बुकसेलर से प्राप्त करें।

धनु संक्रांति फलं

पौष कृष्ण 12 मंगलवार ता. 16 को 1।40 दिन से भास्कर धनु राशि में प्रवेश करेंगे। महोदरी संज्ञक संक्रांति चोर, तस्कर, अनैतिक कार्यशील हेतु शुभकारी है। स्वाति नक्षत्र संज्ञक संक्रांति महोदरी संक्रांति चोर-ठगों, जमाखोरों को सुखद रहेगी। यह संक्रांति गदर्भ वाहन, मेष उपवाहन पर सवार होकर कांस्य पात्र में पकवान भक्षण करती हुई पक्षी वर्ण की युवावस्था की सुप्त अवस्था में प्रवेश कर रही है। संक्रांति के प्रभाव से अनाज मूल्यों में वृद्धि के संकेत है, अन्य वस्तुओं में मंदी के संकेत हैं।

मास फल

इस माह सूर्य, मंगल, शुक्र का त्रिग्रही योग शनि राहु की युति का प्रभाव रहेगा। वक्री गुरु धार्मिक उन्माद बढ़ा सकता है। प्रमुख धार्मिक स्थलों में अशांति की स्थितियां निर्मित हो सकती है। इस योग के प्रभाव से कुछ राज्यों में असामाजिक तत्वों द्वारा शांति भंग करने के प्रयास किए जाएंगे। परन्तु मंगल ग्रह का अंगारक प्रभाव राजा को इस संकट से मुक्ति दिलाने में सहायक है। अनेक प्रकार के रुकावटों के बावजूद भारत विश्व गुरु के पथ पर अग्रसर होगा।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें
प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरु नगर, भोपाल मो.-9827322068
प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम
ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com
website-www.jyotishmath.com